जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 47 संख्याः 310 प्रभात कोटा, मंगलवार 23 अगस्त, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान जब स्लोवेनिया पर नाज़ियों का कब्जा था तब देश के ''प्रतिरोधी आंदोलन'' (रैज़िस्टैंस मूवमैंट) ने घायलों की देखभाल के लिए घने जंगलों में, गुफाओं, संकड़े पहाड़ी दर्रों जैसी जगहों पर गुप्त अस्पताल बनाए, ताकि वे शत्रु की पहुंच से बचे रहें क्योंकि नाज़ी अक्सर अस्पतालों को नष्ट कर देते थे। इन अस्पतालों तक पहुँचना ही बहुत मुश्किल होता था। वर्ष 1942 से 1945 के बीच स्लोवेनिया में ऐसे 120 अस्पताल थे, जिनमें अलग -अलग देशों के 15,000 से ज्यादा घायलों व बीमारों को शरण मिली थी। ये सभी सैनिक तब फासीवाद और नाज़ीवाद से लड़ रहे थे और इनका अस्तित्व स्थानीय लोगों की सहायता पर निर्भर होता था। स्थानीय लोग इन्हें भोजन पानी देते थे व घायलों को अस्पताल पहुंचाते थे। यही नहीं, इन अस्पतालों की देखभाल भी स्थानीय लोग ही करते थे। इसके लिए लोग प्रायः अपनी सुरक्षा को भी खतरे में डाल देते थे। उस समय बने गुप्त अस्पतालों में से कुछ आज भी मौजूद हैं। हालांकि अब वहां इलाज नहीं होता है। इन्हीं में से एक है, चित्र में नज़र आ रहा, फ्रान्या पार्टिसन हॉस्पिटल, जो वैस्टर्न स्लोवेनिया में है। उस समय यह एक सर्वाधिक सुविधा सम्पन्न अस्पताल था। यहां एक्सरे मशीन, ऑपरेशन थिएटर आदि, सब कुछ था। यह अस्पताल जर्मन अधिकृत यूरोप में एक दर्रे में बनाया गया था। इस क्षेत्र में जर्मन सेना की आवाजाही काफी थी पर यह अस्पताल गुप्त ही रहा। अस्पताल का दरवाजा छुपा हुआ था। ''रीट्रैक्टेबल'' पुलों के जरिए ही इस अस्पताल तक पहुंचा जा सकता था। ये वो पुल थे जिन्हें जरुरत पड़ने पर हटा दिया जाता था। अस्पताल की गोपनीयता कायम रखने के लिए मरीजों को आंखों पर पट्टी बांध के लाया ले जाया जाता था। यह अस्पताल 1943 में स्थानीय डॉ. विक्टर वोल्कजैक की देखरेख में बना था पर इसका नामकरण डॉ. फ्रान्या बॉज्क के नाम पर किया गया, जिन्होंने 1944 में यहां डॉक्टर व हॉस्पिटल मैनेजर की हैसियत से काम किया था। अस्पताल में 120 मरीज रखने की क्षमता थी पर युद्ध के दौरान इससे दस गुने मरीज यहां रहते थे। यहां एक जर्मन सैनिक का भी इलाज हुआ था जो ठीक होने के बाद यहीं रह गया और मरीजों की सेवा करने लगा। युद्ध के बाद इस अस्पताल को म्यूज़ियम में बदल दिया गया और आज भी यह स्लोवेनिया का ऐसा स्मारक है जहां सबसे ज्यादा लोग आते हैं।

गहलोत अचानक शाम को दिल्ली पहुंचे

ऐसा माना जा रहा है कि, वे संभवतया सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अगस्त। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से कल मुलाकात करने की खबरों के बीच आज शाम दिल्ली पहुँचे।

सूत्र बताते हैं कि राहुल गांधी द्वारा गांधी परिवार से अलग पार्टी के किसी सीनियर नेता, यानी कि अशोक गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने के लिए प्रस्तुत प्रस्ताव पर सोनिया गांधी गहलोत से चर्चा करना चाहती हैं।

सूत्र बताते हैं कि गहलोत किसी भी कीमत पर अपने मुख्यमंत्री पद की कुर्सी नहीं छोड़ना चाहते और वह सार्वजनिक रूप से यह पहले ही कह चुके हैं कि वे जयपुर नहीं छोड़ना चाहते।

गहलोत ने आज फिर इसे लेकर बेबाक बातचीत की कि पार्टी नेता और कार्यकर्ता किस प्रकार से राहुल को कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में देखना चाहते हैं। राहुल गांधी को उनकी सलाह यह है कि वे इस पद को स्वीकार कर कांग्रेस अध्यक्ष बन जाएं। उन्होंने कहा कि यदि राहुल ऐसा नहीं करते हैं तो कांग्रेस के लोग निराश होकर घर बैठ जाएंगे, जिससे पार्टी का नुकसान होगा। कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष के मुद्दे को लेकर अनिश्चित है और कुल मिलाकर इस मामले के स्थगित होने की उम्मीद है और यह कुछ समय तक खिंच सकता हैं। पार्टी के चुनाव प्राधिकरण ने कहा कि चुनाव तय कार्यक्रम अनुसार ही होंगे, लेकिन वास्तविकता यह है कि चुनाव प्राधिकरण की कुछ शक्तियों को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यू.सी.) ने हड़प लिया है, और वही चुनाव कार्यक्रम को अंतिम रूप देगी तथा उसे अनुमोदित करेगी।

लेकिन वास्तविकता यह है कि चुनाव का कोई कार्यक्रम नहीं बनाया गया है और सी.डब्ल्यू.सी. की किसी मीटिंग की घोषणा नहीं की गई हैं।

महत्वपूर्ण ये है कि अशोक गहलोत दिल्ली क्यों आए हैं और कांग्रेस का अगला अध्यक्ष कौन बनेगा इसके सम्बधं में 10 जनपथ वास्तव में क्या करने जा रहा हैं।

- दोनों की बातचीत में मुख्य मुद्दा होगा, राहुल गांधी का प्रस्ताव कि, गैर गांधी परिवार के व्यक्ति को (गहलोत को) कांग्रेस अध्यक्ष का पद सम्भलवाना चाहिये।
- जैसा कि, विदित ही है, गहलोत राजस्थान के मु.मंत्री की कुर्सी छोड़ना नहीं चाहते, तथा उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि, वे जयपुर नहीं छोड़ना चाहेंगे।
- कांग्रेस की, संगठन चुनाव की जिम्मेवारी सम्भालने वाली ''इलैक्शन अथॉरिटी'' ने इस संदर्भ में कहा है कि, चुनाव पूर्व निश्चित व घोषित प्रोग्राम के तहत समय पर ही होंगे।
- पर, जैसा देखा जा रहा है, अथॉरिटी के अधिकार अब कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने ग्रहण कर लिये हैं और अभी तक कांग्रेस वर्किंग कमेटी की कोई बैठक निकट भविष्य में प्रस्तावित नहीं है, अतः कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव आगे खिसक भी सकता है।

सब तरह से घिरी ममता बनर्जी, मां दुर्गा की शरण में पहुंचीं

दुर्गा पूजा उत्सव के आयोजन के लिए दो सौ करोड़ का अनुदान दिया। हैलिकॉप्टर उपलब्ध कराये, व ग्यारह दिन की सरकारी छुट्टी दी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अगस्त। इससे ज्यादा सनकीपन और क्या हो सकता है! पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुर्गा पूजा उत्सव मनाने के लिये बहुत बड़े पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज के अन्तर्गत, स्थानीय संगठनों को 200 करोड़ रूपये दिये जायेंगे ताकि वे अपनी-अपनी बस्तियों में दुर्गा-पूजा उत्सवों का आयोजन कर सकें।

राजा-महाराजाओं एवं रानी-महारानियों की तरह, ममता बनर्जी ने घोषणा की है कि लोगों को राज्य में वर्ष में एक बार होने वाले दुर्गा-पूजा महोत्सव को ग्यारह दिन तक आनन्द पूर्वक मनाना चाहिये। इसके सरकार लोगों को कार्यस्थल से गैरहाजिर रहने तथा मौज-मस्ती करने की छूट देगी। सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि यह सब कुछ उस स्थिति में किया जा रहा है, जब राज्य सरकार सरकारी तथा व्यवहारिक तौर पर दिवालिया होने की स्थिति में पहुँच चुकी हैं।

- यह ''तोहफे'' उस समय दिये जबकि, प.बंगाल सरकार अपने आप को कई बार ऑफिशियली दिवालिया बता चुकी है।
- एक उल्लेखनीय बात यह भी है कि, ग्यारह दिन के सवैतनिक अवकाश का सरकारी कर्मचारी व कॉरपोरेट दुनिया के ''ऑर्गनाइज़्ड'' वर्कर तो आनन्द लेते हैं, पर, समाज का सबसे कमज़ोर वर्ग, दैनिक मजदूरी से पेट पालने वाला, भूखों मरने के करीब आ जाता है, क्योंकि सार्वजनिक सेवाएं व सुविधाएं बंद हो जाती हैं। अतः ये सब लोग कमाई से वंचित हो जाते हैं।

राज्य का खजाना खाली है तथा मुख्यमंत्री ने पूजा-समारोह-आयोजकों के साथ एक विशाल सम्मिलन में इस बात को स्वीकार किया था। लेकिन उन्होंने उस समय यह आशा भी व्यक्त की थी कि माँ दुर्गा राज्य के खजाने को भर देंगी।

आशा की जानी चाहिये कि देवी दुर्गा ममता बनर्जी की प्रार्थना सुनेंगी तथा अपनी पुत्री, माँ लक्ष्मी को आदेश देंगी कि वे पश्चिम बंगाल सरकार के खजाने को बहुत सारे धन से भर दें ताकि ये सब आडम्बर किया जा सके।

एक सार्वजनिक हस्ती तथा एक राज्य की शासन प्रमुख का इससे बड़ा पागलपन नहीं हो सकता।

यह पूरी तरह गैरजिम्मेदाराना कदम है। जब राज्य, लम्बे समय तक चली महामारी के बाद, अनेकानेक प्रकार की अक्षमताओं से गुजर रहा है, ऐसे समय पर, अर्थव्यवस्था के पुनरूद्धार के लिये कोई तर्कसम्मत आर्थिक योजना विकसित करने की कोशिश करने के बजाय, मुख्यमंत्री ऐसी पवित्र आशाएं सँजो रही हैं कि उनकी गैर जिम्मेदाराना व्यय की योजनाएं कुछ-कुछ पूरी हो चुकी हैं।

पूजा समारोह आयोजित करने वाले स्थानीय क्लबों के लिये ऐसी उदार घोषणा करने के साथ ही, सुश्री बनर्जी ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिये लम्बी छुट्टियों की घोषणा भी कर दी है। राज्य कर्मचारिकों इन समारोहों के लिये लगातार 11 दिन का सवैतनिक अवकाश मिलेगा। उन्होंने जनता से कहा है कि वे इस पर्व का खूब आनन्द लें।

दुर्भाग्य की बात यह है कि वे यह महसूस नहीं कर रहीं कि प्रत्येक सार्वजनिक अवकाश का मतलब यह भी होता है कि आप समाज के सबसे कमजोर वर्गो के लोगों को दैनिक मजदूरी से दो रोटी कमाने के अवसर से वंचित कर रहे हैं। इन जबरदस्ती दी जा रही छुट्टियों से बहुत अत्यावश्यक गतिविधियाँ भी मजबूरन बन्द रहेंगी, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खेलों में सरकारी दखल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अगस्त। सरकार यह स्वीकार करने को तैयार नहीं है कि स्पोर्ट्स की वैश्विक इकाईयों द्वारा भारतीय स्पोर्ट्स इकाईयों के अधिस्वीकरण के निरस्त होने का कारण भारत की सभी स्पोर्ट्स इकाईयों में उसके द्वारा नैशनल स्पोर्ट्स कोड को जबरन लागू करने का प्रयास और उनके क्रियाकलापों में दखलंदाजी करना है।

- सुप्रीम कोर्ट ने खेलों में सरकारी दखल को रोकने के लिए इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन पर नैशनल स्पोर्ट्स कोड के तहत गठित कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेटर्स पर रोक लगा दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस कोड के अधीन दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त तीन सदस्यीय कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेटर्स (सी.ओ.ए) को इण्डियन ओलम्पिक एसोसिएशन (आई.ओ.ए.) का कामकाज संभालने से सोमवार को रोक दिया। जस्टिस डी.वाय. चन्द्रचूड़ और जस्टिस ए.एस. बोपन्ना की एक सुप्रीम कोर्ट बैंच ने 28 अगस्त से शुरु होने जा रहे ए.आई.एफ.एफ. के चुनाव कार्यक्रम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एन.टी.आर. एक बार फिर जन्म लेंगे तेलंगाना में

पर, इस बार वे भाजपा के समर्थन में काम करेंगे चुनाव में

-लक्ष्मण वैंकेट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अगस्त। भाजपा इस समय दक्षिण भारत में जबरदस्त मेहनत कर रही है। अब इसने पूरा ध्यान दो तेलुगूभषी राज्यों-तेलंगाना और आन्ध्र प्रदेश पर लगा दिया है पार्टी के अपने शीर्ष नेताओं को अपने अनुकूल वातावरण बनाने के अभियान में लगा दिया हैं। इन दोनों राज्यों से 42 लोकसभा सांसद चुने जाते हैं, इसलिये भाजपा के दक्षिण भारत सम्बन्धी योजनाओं में इन दोनों राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका हैं।

पिछली बार चार लोकसभा जीतने के बाद, जहाँ तेलंगाना में भाजपा अपनी मौजूदगी के विस्तार वास्तविक सम्भावना देखती है, वहीं आन्ध्र प्रदेश में, पार्टी अपने विस्तार के लिये गंम्भीर कोशिशें करना शुरू कर दिया है। ज्ञातव्य है कि तेलंगाना विधानसभा में भी भाजपा की दो सीटें हैं।

इस सन्दर्भ में, पूर्व भाजपा अध्यक्ष तथा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह एक रोचक व्यक्ति जूनियर एन.टी.आर. से मिले। जूनियर एन.टी.आर. अपने समय की प्रख्यात फिल्मी और उसके बाद राजनैतिक हस्ती रहे एन.टी.रामाराव के पौत्र तथा नामी फिल्म स्टार हैं। ज्ञातव्य है कि टी.डी.पी. के संस्थापक एन.टी.रामाराव ही थे। हैदराबाद में डिनर पर हुई इस उल्लेखनीय भेंट ने राजनैतिक हल्कों को आशाओं-अपेक्षाओं से पूरी तरह भर दिया है। प्रसंगवश बता दे कि फिल्मों के दीवाने रहे एकीकृत आन्ध्रप्रदेश में, एन.टी.आर. ने अपनी पार्टी बनाई और पार्टी की स्थापना के नौ माह के अन्दर ही सुस्थापित कांग्रेस पार्टी को उसके गढ़ रहे आन्ध्र प्रदेश की सत्ता से बेदखल कर दिया था। अब, देखना यह है कि उनके पौत्र जूनियर एन.टी.आर. प्रत्यक्षः या अप्रत्यक्षतः रूप से राजनीति में कूदते हैं अथवा नहीं।

अत्यधिक सफल फिल्म स्टार जूनियर एन.टी.आर. इन दोनों तेलुगूभाषी राज्यों में बहुत ज्यादा लोकप्रिय हैं तथा इस नाते वे एक ऐसे व्यक्ति सिद्ध हो सकते है, जो एक ऐसे समय पर भाजपा को आगे बढ़ा सकता है, जब पार्टी के पास वहाँ कोई ऐसा नेता नहीं है, जो वहाँ सुस्थापित राजनेताओं-आन्ध्रप्रदेश में जगमोहन रेड्डी तथा तेलंगाना में के चन्द्रशेखर राव को टक्कर दे सके।

- आंध्र के पूर्व मु.मंत्री एन.टी.आर. जिन्होंने तेलुगू-देशम पार्टी बनाकर, आंध्र से कांग्रेस का सफाया किया, तथा कई बार लगातार आंध्र के मु.मंत्री बने, के पोते एन.टी.आर. जूनियर, जो स्वयं भी ठीक-ठाक फिल्म अभिनेता हैं, के अब भाजपा से जुड़ने की भारी चर्चा है।
- जैसा कि विदित ही है, तेलुगू भाषी तेलंगाना व आंध्र में, सदा से फिल्म अभिनेताओं के लिये जनता में भारी आकर्षण रहा है। भाजपा अब एन.टी.आर. जूनियर को जोड़ कर, इस ''फिल्मी क्रेज़'' का लाभ लेना चाहती है।

राज्य के पूर्व मंत्री तथा वाय. एस.आर.सी.पी. के विधायक कोडाली नानी ने कहा कि यह बिल्कूल साफ है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह फिल्मों के दीवाने इन दोनों तेलुगूभाषी राज्यों में फिल्मी दुनिया के किन्ही लोकप्रिय नामों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिव सेना कश्मीरी दलों के पक्ष में

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अगस्त। कश्मीर की राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को सोमवार को एक अप्रत्याशित क्षेत्र से

- कश्मीर के राजनैतिक नेताओं को सोमवार को एक अप्रत्याशित क्षेत्र से समर्थन मिला। शिव सेना कश्मीर में रह रहे गैर कश्मीरियों को मताधिकार देने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ कश्मीरी पार्टियों के विरोध प्रदर्शन को सही ठहराया था।

समर्थन मिला। चुनाव आयोग के प्रस्ताव के खिलाफ किए जा रहे उनके विरोध का शिवसेना ने समर्थन किया है। चुनाव आयोग के प्रस्ताव के अनुसार जम्मू तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैं राजपूत हूं, सिर कटा सकता हूं, पर साजिश करने वाले भ्रष्ट लोगों के सामने सिर झुका नहीं सकता'

सिसोदिया ने केजरीवाल के साथ गुजरात का चुनावी दौरा करते हुए हिम्मतनगर व भावनगर में कहा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अगस्त। एक कुलीन राजपूत के वास्तविक तेवर दिखाते हुए दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि वह उनके खिलाफ कथित दिल्ली शराब लायसैंस घोटाले में कार्रवाई करके दिखाए। इस घोटाले ने अब राजनीतिक रंग ले लिया है और आप नेता अरविन्द केजरीवाल व सिसोदिया ने इस मुद्दे को लेकर अपनी ताल ठोक दी है।

सिसोदिया ने कहा कि ''मैं महाराणा प्रताप का वंशज हूं और एक राजपूत हूं। मैं अपना सिर कटवाने को तैयार हूं लेकिन षड़यंत्रकारियों और भ्रष्ट लोगों के आगे कभी नहीं झुक सकता। मेरे खिलाफ लगाए गए सभी आरोप झूठे हैं।'' उन्होंने भाजपा को चुनौती दी क्योंकि अब लड़ाई का मैदान, चुनाव का सामना करने जा रहे गुजरात पर शिफ्ट हो गया है, जहां आप पार्टी के ये दोनों नेता फिलहाल दो दिवसीय दौरे पर हैं।

केजरीवाल और सिसोदिया गुजरात के हिम्मतनगर और भावनगर के दौरे पर हैं। उनका उद्देश्य गुजरात में दिल्ली के हैल्थकेयर और एजूकेशन मॉडल को स्थापित करना है, जिसके लिए पार्टी को अन्तर्राष्ट्रीय प्रशंसा मिल चुकी है।

सिसोदिया ने दावा किया है कि उन्हें भाजपा से मैसेज प्राप्त हुआ है, जिसमें

- सिसोदिया ने यह भी कहा कि, उन्हें भाजपा की ओर से संदेश मिला है, अगर वे आम आदमी पार्टी से नाता तोड़ लेते हैं, तो, उनके खिलाफ सी.बी.आई. व ई.डी. की कार्यवाही खत्म कर दी जायेगी।
- सिसोदिया ने अपनी ''एकसाइज़ पॉलिसी'' के बारे में कहा कि, यह पॉलिसी अपनी तरह की ''सर्वोत्तम पॉलिसी'' थी, जिससे दिल्ली सरकार को प्रतिवर्ष दस हजार करोड़ की आमदनी होती। पर, निवर्तमान लै. गवर्नर ने अंतिम क्षणों में पॉलिसी से छेड़-छाड़ करके पॉलिसी में परिवर्तन कराये, जिससे सब कुछ बदल गया।

उनसे कहा गया है कि ''अगर वह आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होते हैं तो उनके खिलाफ लगे सी.बी.आई. और एन्फोर्समैन्ट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) के केस बंद कर दिए जाएंगे।'' सिसोदिया ने ट्वीट किया कि ''मुझे भाजपा से संदेश प्राप्त हुआ है। आप छोड़ो- भाजपा में शामिल हो आओ। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आपके खिलाफ सी.बी.आई. और ई.डी. द्वारा लगाए गए सभी केस बंद हों जाएं।''

सी.बी.आई. ने आप पार्टी के सीनियर नेता पर दिल्ली की आबकारी नीति में बदली गईं कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार से संबंधित एक केस को लेकर हाल में छापा मारा था। आबकारी नीति को इस वर्ष की शुरूआत में लागू किया गया था और फिर वापस ले लिया गया। प्रकट रूप से अविचलित, सिसोदिया ने गत सप्ताह यह कहकर बात को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया कि दिल्ली की आबकारी नीति 2021-22 अपने आप में सर्वश्रेष्ठ थी और यदि पूर्व उपराज्यपाल ने अंतिम क्षणों में अपना निर्णय बदलने के लिए नहीं कहा जाता तो इससे प्रतिवर्ष 10 हजार करोड़ रूपयों की आय हो सकती थी।

अपने उपमुख्यमंत्री का समर्थन करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आप पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने भी यह कहते हुए भाजपा की भर्त्सना की कि उसके नेतृत्व वाली सरकार जांच एजेंसियों का दुरूपयोग करने और निर्वाचित सरकारों को गिराने के तरीके ढूंढ़ने में व्यस्त हैं क्योंकि जनता आसमान छूती महंगाई और रूपए की कीमत गिरने से परेशान है।

आप पार्टी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीस्ता को जमानत?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अगस्त। 2002 के गुजरात देगों के मामलों में निर्दोष लोगों को फँसाने के लिये, कथित रूप से जाली दस्तावेज तैयार करने के मामले गिरफ्तार हुई सोशल ऐक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ को एक्सपार्टी अन्तरिम

- सुप्रीम कोर्ट ने तीस्ता सीतलवाड़ को अंतरिम जमानत देने से इंकार कर दिया, पर उनकी याचिका पर गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया।

जमानत देने से इनकार कर दिया साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को गुजरात सरकार को नोटिस जारी कर दिये, जिनका जवाब गुरूवार को चाहा गया हैं।

बैंच की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित ने शुरू में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अतिथि जिसका अन्न खाता है, उसके पाप धुल जाते हैं। -अथर्ववेद

दवा कंपनियों की माया, उनके आगे कोई न टिक पाया

हाल ही में ''फेडरेशन ऑफ मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ऑफ इंडिया'' ने उच्चतम न्यायालय में दायर एक याचिका में बताया कि दवा निर्माता कंपनी द्वारा डोलो- 650, मरीजों को लिखने के लिए चिकित्सकों को 1000 करोड़ रुपए की रिश्वत दी गई। चिकित्सा जगत में इस प्रकार की राशि को रिश्वत नहीं अपितु कमीशन या प्रोत्साहन राशि कहा जाता है। ग्रह चौंका देने वाला आंकड़ा है, क्योंकि यदि इतनी बड़ी राशि चिकित्सकों को प्रोत्साहन के रूप में दी जा रही है, तो कंपनी ने तो इस से चार-पांच गुना अधिक कमाया ही होगा। स्वाभाविक है कि यह सब वसूल मरीजों से ही किया गया है। कोरोना- काल में, जब सभी लोग कोविद-19 से पीड़ित होकर त्राहि-त्राहि कर रहे थे, उस समय चिकित्सकों द्वारा लगभग प्रत्येक मरीज को डोलो-650 लिखी गई। उस समय कोई न समझ पाया कि अचानक यह दवा इतनी क्यों लिखी जा रही है? अब इस याचिका से यह खुलासा हुआ है कि इसके पीछे इतनी बड़ी धनराशि का हाथ था। चिकित्सकों ने, यह जानकारी होते हुए भी कि इससे कहीं सस्ती पेरासिटामोल दवाइयां उपलब्ध हैं, फिर भी धन के लोभ में डोलो-650 लिखना प्रारंभ कर दिया। मरीज के पास तो वैसे भी कोई विकल्प नहीं होता है। और डॉक्टर द्वारा लिखी दवाएं आंख बंद करके खरीद लेता है।

मरीज़ के इलाज में चार प्रभावित पक्ष हैं, दवा निर्माता कंपनियां, डॉक्टर, दवा विक्रेता और मरीज़। दवा कंपनियां और डॉक्टर मिलकर मरीज़ की जेब काटते रहे हैं। कोरोना की महामारी ने तो एक प्रकार से कोढ़ में खाज का काम किया।

अब जरा हम यह देखें कि दवा कंपनी और चिकित्सकों का गठजोड़ किस प्रकार काम करता है और कैसे न केवल दवा कंपनियां अपना आर्थिक साम्राज्य कायम कर लेती हैं, वे चिकित्सकों को भी इसमें एक प्रकार से महत्वपूर्ण भागीदार बना लेती हैं। लगभग 30 वर्ष पूर्व भारत सरकार ने एक निर्णय लिया कि दवा बनाने वाली प्रत्येक कंपनी अपनी दवा पर एमआरपी अर्थात अधिकतम विक्रय मूल्य अंकित करेगी। लोगों ने यह सोचा कि इसके पश्चात दवा कंपनियों द्वारा मनमानी कीमत वसूलने की प्रवृत्ति पर रोक लगेगी। किंतु ऐसा नहीं हो पाया, क्योंकि कंपनियों ने अपने मनमानी तौर पर एमआरपी अंकित करना शुरू कर दिया। किसी ने यह जांच नहीं की कि किसी दवाई को बनाने की कितनी लागत आती है और उस पर अपना मुनाफा जोड़कर एमआरपी कितनी होनी चाहिए? नतीजा यह हुआ कि जिस दवा की निर्माण लागत 1 होती है, उसकी एमआरपी 10-20 रुपये तक अंकित होने लगी। मरीज़ आंख बंद करके एमआरपी के अनुसार दवाई खरीदने लगा। उसे यह पता नहीं लगा कि जो दवा वह खरीद रहा है उसकी वास्तविक कीमत कितनी है? दवा विक्रेता उस पर 5-10 प्रतिशत छूट देकर ग्राहक पर अहसान जताने लगा।

इस प्रकार की व्यवस्था में सभी पैसा कमाने लगते हैं- डॉक्टर, दवा विक्रेता एवं दवा कंपनियां। बस केवल शोषण होता है उस मरीज का जो पहले ही दुखी होता है। सरकार ने केवल कुछ ही दवाओं को जीवन दायक मानते हुए उनके लिए एमआरपी अपने स्तर पर निर्धारित की है। लगभग 99 प्रतिशत दवाइयां ऐसी हैं जिनकी निर्माता कंपनियों ने अपने स्तर पर मनमाने रूप से विक्रय मूल्य तय कर लिया है। सरकार ने कोई नियंत्रण, दवाओं के मूल्य के संबंध में नहीं किया एवं जनता को दवा कंपनियों की दया पर छोड़ दिया।

जब दवा की लागत और एमआरपी में बहुत अंतर होगा तो उस के मुनाफे में से दवा विक्रेता एवं चिकित्सकों को बहुत बड़ी धनराशि देने में कंपनियों को कोई परेशानी नहीं होगी। यह सब करने के बाद भी वे बहुत बड़ा मुनाफा कमा लेते हैं, जैसा कि डोलो वाले प्रकरण में पता लगा है। सरकार ने कुछ वर्षों से जेनेरिक दवाइयों की बात करना प्रारंभ किया है। जेनेरिक दवाइयां वे हैं जो किसी ब्रांड के नाम पर नहीं बिकती, अपितु उस दवा में जो तत्व है उन्हीं के नाम से बेची जाती हैं। राजस्थान सरकार ने इस दिशा में कुछ साल पहले महत्वपूर्ण पहल की थी। राज्य में अस्पतालों के नजदीक लाइफ लाइन स्टोर खोले, जहां पर जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध करायी गई। यह आम धारणा गलत है कि जेनेरिक दवाइयां निम्न स्तर की होती हैं और वे बीमारी के इलाज में प्रभावी नहीं हैं। यह भ्रांति फैलाना में डॉक्टरों का बड़ा योगदान है। ब्रांडेड दवाइयां लिखने पर उन्हें बहुत बड़ी राशि कमीशन के रूप में प्राप्त होती है। डॉक्टर यह चाहते हैं कि वे मरीज को ब्रांड के नाम से दवा लिखें ताकि वे दवा बनाने वाली कंपनी से मोटा लाभ लाभ प्राप्त कर सकें।विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि जिन्हें एमआर (मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव) कहा जाता है, का काम ही होता है, डॉक्टरों को विभिन्न प्रकार के प्रलोभन देकर उनकी कंपनियों की ब्रांडेड दवा लिखने हेतु राजी करें। दवा विक्रेता यदि उसी प्रकार की दूसरी वैकल्पिक दवा दे तो डॉक्टर उसे अस्वीकार कर देता है। यही कारण है कि डॉक्टर जो दवाएं लिखते हैं, वे सामान्यतया उनके घर और अस्पताल के पास वाले मेडिकल स्टोर पर ही उपलब्ध होती हैं।

मरीजों की जान की कीमत पर एवं उनके आर्थिक शोषण करने में सहायक बनना क्या चिकित्सकों के लिए मजबूरी है। कतई नहीं। स्थिति को सुधारने के लिए सरकार एवं चिकित्सकों को मिलकर प्रयास करने होंगे। आम जनता में यह जागृति उत्पन्न करनी होगी कि जेनेरिक दवाएं भी उतनी ही लाभकारी हैं जितनी की ब्रांडेड दवाएं।

एक ऐसा दुष्चक्र बन चुका है, जिसकी तोड़ न सरकार के पास है और न ऐसा करने की इच्छा शक्ति उसमें है। सरकार इसे तोड़ने में अधिक रुचि नहीं रखती है क्योंकि दवा बनाने वाली कंपनियां सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों को पैसे के बल पर अपने पक्ष में निर्णय कराने की क्षमता रखती हैं। कहा गया है कि पैसा बोलता है और इस प्रकरण में तो तो पैसा सिर पर चढ़कर बोल रहा है।

राजस्थान के एक आईएएस अधिकारी डॉ. समित शर्मा जो स्वयं एक डॉक्टर हैं, ने कुछ वर्षों पूर्व जेनेरिक मेडिसिन की अवधारणा को राजस्थान में बहुत जोर-शोर से लागू किया था और उन्होंने इस प्रकार का माहौल बनाने का पूरा प्रयास किया कि सभी डॉक्टर जेनेरिक मेडिसिन ही लिखें, ताकि मरीजों को दवाएं सही कीमत पर प्राप्त हो सकें। इसी प्रकार अस्पताल में भी जेनेरिक मेडिसिन ही खरीदी जाए ताकि उपलब्ध राशि में अधिक से अधिक मरीजों को दवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। जैसा कि सम्भावित था, डॉ. समित शर्मा को डॉक्टरों की नाराजगी झेलनी पड़ी और उन्होंने सरकार के माध्यम से उनका स्थानांतरण करवा दिया। डॉक्टरों का तर्क था कि जेनेरिक दवाएं लिखने पर सारा पैसा दवा विक्रेता कमाएगा क्योंकि तब वही यह निर्धारित करेगा कि कौन सी कंपनी की जेनेरिक दवा मरीज को देनी है। जो कंपनी अधिकाधिक लाभ दवा विक्रेता को देगी वही दवा वह मरीज को पकड़ा देगा। इस तर्क में कुछ दम अवश्य है, किंतु इस पर नियंत्रण किया जा सकता है, यदि सरकार जेनेरिक दवाइयों की भी एमआरपी तय कर दे। दवाओं की एमआरपी तय करने का काम केंद्र सरकार का है। इस काम को करने में उसकी अधिक रुचि नहीं लगती है। इस कारण मरीज हर प्रकार से आर्थिक शोषण का शिकार निरंतर होते आ रहे हैं चाहे वह दवा विक्रेता के हाथों हो अथवा डॉक्टरों के हाथों।

किसी भी दवा के निम्न स्तर का होने की बात करना बेमानी है, क्योंकि देश में कोई भी दवा, बिना ड्रग कंट्रोलर की अनुमति के एवं उसकी देखरेख के नहीं बनाई जा सकती ।आवश्यकता केवल इस बात की है कि ड्रग कंट्रोलर, अपना काम पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करें ताकि किसी भी दवा निर्माता कंपनी द्वारा गुणवत्तापूर्ण दवा ही बाजार में लाई जा सके। जब ऐसा होगा, तब बाजार में बिकने वाली प्रत्येक दवा गुणवत्तापूर्ण ही होगी। जो कंपनी दवा को सबसे कम कीमत में उपलब्ध कराएगी, वही लोगों द्वारा खरीदी जाएगी। सरकार को तो अभी यह करना है कि बाजार में बिकने वाली प्रत्येक दवा की कीमत, उसके लागत एवं मुनाफे को जोड़कर निर्धारित कर दे। साथ ही, जिन दवा निर्माताओं को दवा बनाने का लाइसेंस दिया जाए, वह अच्छी तरह जांच परखने के बाद दिया जाए।

मरीजों को शोषण से बचाने में चिकित्सकों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वे अंतरात्मा की आवाज़ सुनें एवं मरीजों के हित में दवाएं लिखना प्रारंभ करें न कि दवा कंपनियों द्वारा दिए जा रहे प्रलोभन के आधार पर। जब चिकित्सक अच्छी कंपनियों की जेनेरिक दवाएं लिखना प्रारंभ करेंगे तो फिर किसी कंपनी को विज्ञापन एवं उसका प्रचार प्रसार अनैतिक तरीकों से करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। तब दवा कंपनी और डॉक्टरों का अनैतिक गठजोड़ स्वतः टूट जाएगा। डॉक्टरों से अपेक्षा यही रहती है कि सबसे ऊपर अपने मरीज के हित का ध्यान रखें। जब तक डॉक्टर स्वयं जेनेरिक दवाओं के पक्ष में माहौल नहीं बनाएंगे तब तक इस दिशा में अधिक सफलता मिलना सम्भव नहीं है। गत 15-20 वर्षों में पूरे प्रयास के बाद भी जेनेरिक दवाओं की व्यवस्था सफल नहीं हो पाई है।

दवा कंपनियां, डॉक्टरों को प्रलोभन कई प्रकार के देती हैं, जिनमें सीधे नकद प्रलोभन, विदेश यात्राएं, महंगे होटलों में ठहराना, महंगे उपहार देना सम्मिलित हैं। यह सही है कि डॉक्टरों में कई अपवाद अवश्य हैं जो आज भी बिना किसी प्रलोभन के मरीजों के हित को सर्वोपरि मानकर कार्य करते हैं। शायद, ऐसे ही डॉक्टरों को भगवान का दर्जा दिया गया है।

मरीजों की जान की कीमत पर एवं उनके आर्थिक शोषण करने में सहायक बनना क्या चिकित्सकों के लिए मजबूरी है। कतई नहीं। स्थिति को सुधारने के लिए सरकार एवं चिकित्सकों को मिलकर प्रयास करने होंगे। आम जनता में यह जागृति उत्पन्न करनी होगी कि जेनेरिक दवाएं भी उतनी ही लाभकारी हैं जितनी की ब्रांडेड दवाएं। यह समस्या स्वतः ही कम हो जाएगी। इसकी संभावना कम इसलिए लगती है कि डॉक्टर इस प्रकार की अवैध और अनैतिक रूप से की गई कमाई के माध्यम से ही राजनीतिज्ञों तक पहुंच बनाते हैं और वे उनके एक ही स्थान पर बने रहना सुनिश्चित करते हैं।

निजी अस्पतालों ने तो खुली लूट ही मचा रखी है। अस्पताल थोक में दवा कंपनियों से 40-50 प्रतिशत छूट लेकर दवाएं खरीदते हैं किंतु इनमें से अधिकांश अस्पताल यह दवा सस्ते में उपलब्ध कराने के स्थान पर एमआरपी पर ही मरीजों को देते हैं। टाटा मेमोरियल जैसे अस्पताल तो अपवाद ही हैं जो सारी छूट मरीज़ों को दे देते हैं। निजी अस्पताल कानूनन लाभ के आधार पर नहीं चलाया जा सकता किन्तु यह बात केवल किताबों में रह गई है।

जनता को जागरूक होना होगा। अच्छे और बुरे डॉक्टरों में भेद करना होगा। सही और गलत अस्पताल का निर्णय करना होगा। और सरकार पर यह दबाव बनाना होगा कि वह बाजार में बिकने वाली दवा की एमआरपी निर्धारित करें। भारत जैसे देश में, जहां इलाज पर होने वाले कुल खर्च का लगभग 70 प्रतिशत मरीज खुद वहन करता है। इस दिशा में तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि मरीजों को सरकारी एवं निजी अस्पतालों में उपयुक्त दाम पर सही इलाज मिल सके।

समित शर्मा जैसे अधिकारियों को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। आशा है सरकार जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ कराने की दृष्टि से उपरोक्त वर्णित कदम उठाएगी। डॉक्टरों के सम्बंध में तो हम यही अपेक्षा रखते हैं कि उनकी अंतरात्मा जागे।

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

कम्प्यूटर संचार क्रांति, पंचायती राज के सशक्तिकरण के प्रणेता राजीव रत्न गांधी

डा. जे. के. गर्ग

प्रधानमंत्री रहते हुए स्व गांधी ने कई महत्वपूर्ण काम किए जिन्होंने देश के विकास को नई दिशा प्रदान की। स्व गांधी मानते थे कि युवा पीढ़ी को कंप्यूटर टेक्नोलॉजी और विज्ञान की शिक्षा देना जरूरी है। कंप्यूटर की कीमतें घटाने के लिए राजीव ने इसे सरकारी नियंत्रण से बाहर निकल दिया और असेंबल कंप्यूटर का आयात शुरू किया । बड़ी टेलीकॉम कंपनी एमटीएनएल और बीएसएनएल की शुरुआत उनके कार्यकाल में ही हुई। राजीव जी जानते थे कि गांवों को सशक्त बनाने और लोकतंत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए ग्राम पंचायतों को सत्ता में वही स्थान मिलना चाहिये जो संसद और विधानसभा का है। राजीव ने ही पंचायती राज अधिनियम के माध्यम से केन्द्रीकृत सत्ता का विकेंद्रीकरण करके पंचायतों को कई महत्त्वपूर्ण और वित्तीय अधिकार दिये थे। अयोध्या में विवादित स्थल का ताला खुलवाया, उन्होंने सनातनधर्मीयों की नाराजगी को दूर करने के लिए अयोध्या के विवादित स्थल का ताला खुलवा दिया और 1989 में राम मंदिर के निर्माण के लिए शिलान्यास की इजाजत भी दे दी। युवाओं को रोजगार देने के लिए जवाहर रोजगार योजना को शुरू किया था। राजीव ने 1986 की शिक्षा नीति के तहत ग्रामीण क्षेत्र के लाखों बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा देने के उद्देश्य से जवाहर नवोदय स्कूल प्रारम्भ किये और आज तो स्थिति ऐसी है कि शहरी क्षेत्र के बच्चे भी नवोदय स्कूलों में प्रवेश ले रहे हैं।

इंदिरा गांधी एवं फिरोज गांधी के ज्येष्ठ पुत्र राजीव का जन्म 20 अगस्त 1944 को मुंबई में हुआ था। जब वे दून स्कूल में पढ़ रहे थे, तब उनके नाना पंडित जवाहरलाल नेहरू पहली बार उनसे मिलने स्कूल पहुंचे तो राजीव बाथरूम की बास्केट में छिप गए थे। राजनीति में आने से पहले राजीव गांधी एयरलाइंस में पायलट की नौकरी करते थे।।

राजीव का पूरा नाम राजीव रत्न गांधी था । उनका यह नाम उनके नाना नेहरूजी ने पत्नी कमला की याद को ताजा बनाए रखने के लिए रखा था। राजीव गांधी संगीत प्रेमी थे। उनको पश्चिमी संगीत के साथ हिन्दुस्तानी शास्त्रीय एवं आधुनिक संगीत पसंद था। लन्दन में राजीव गांधी की मुलाकात एड्विगो मानिओ से हुई थी। 1968 में राजीव गांधी ने उनसे शादी कर ली और उनका नाम ये नाम बदलकर सोनिया गांधी रखा गया। राजीव और सोनिया के पुत्र और पुत्री राहुल और प्रियंका हैं। राजीव गांधी का स्वभाव स्नेहमय सहनशील और सरल था वे जन्म से ही दयालु और करुणा मय व्यक्ति थे । स्व. राजीव गांधी ही वो इंसान थे जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में इक्कीसवीं सदी के भारत का सपना देखा था। वे देश की कंप्यूटर क्रांति के जनक के रूप में भी जाने जाते हैं। रेलवे का कम्प्यूटरीकरण करके उन्होंने इस देश के सामने क्रांतिकारी परिवर्तन करके रख दिया।

40 वर्ष की अल्पआयु में ही में राजीव गांधी विशाल जनादेश के साथ भारत के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बन गये थे। उस चुनाव में कांग्रेस को 508 में से रिकॉर्ड 401 सीटें प्राप्त हुई थी। स्मरणीय रहे कि राजीव गांधी राजनीति में आने अनिच्छुक थे । राजीव गांधी को अपने नाना नेहरु की तरह सुरक्षाकर्मियों का घेरा बिलकुल पसंद नहीं था। वे अपनी जीप और कार खुद ड्राइव करना पसंद करते थे। राजीव गांधी को अपने नाना से आराम हराम है और अपने पिता से अपना काम खुद करो की प्रेरणा मिली थी। युवा राजीव गांधी ने अपने मन में भारत को मजबूत, आत्मनिर्भर और तकनीकी विकास के मार्ग तेज रफ्तार से दौड़ता मुल्क बनाने का सपना संजोये रक्खा।

राजीव गांधी किसी भी निर्णय में जल्दबाजी नहीं करते थे और निर्णय लेने से पहले पार्टी के नेताओं से गहन सलाह मशविरा करते थे । उन्होंने दिल्ली शासन के तंग गलियारों से बाहर निकलकर देश के गांवों में जाकर वहां के निवासियों से बात करके देश की नब्ज को टटोलना शुरू किया।

राजीव गांधी एक ऐसे प्रधानमंत्री थे जिनकी पहुंच देश के आम आदमी के हृदय तक थी। राजीव गांधी ने देश के गरीबों के उत्थान के लिए 1 अप्रैल 1989 को जवाहर रोजगार गारंटी योजना, इंदिरा आवास योजना और 10 लाख कुआं जैसी योजनाएं चालू कीं। लोग राजीव गांधी को देखने व सुनने के लिए टीवी देखा करते थे। एक ऐसा प्रधानमंत्री जिसने उस दौर में पंजाब की यात्रा की, जब देश की खुफिया एजेंसियों ने ऐसा करने से उनको मना किया था। राजीव गांधी ने पंजाब समस्या के समाधान को प्राथमिकता देते हुए 24 जुलाई, 1985 को अकाली दल के अध्यक्ष संत हरचंद सिंह लोंगोवाल के साथ समझौता करके अशांत पंजाब में शांति और सौहार्द के वातावरण का निर्माण किया। राजीव गांधी वो इन्सान थे, जो जब यात्रा पर जाते थे तो तय रास्ते से अलग होकर गांवों में जाते और आम आदमी के घरों में जाना और हर व्यक्ति से हाथ मिलाना जैसे उनको अपनी मां और नाना से विरासत में मिला था।

नवंबर 1982 में भारत में आयोजित सफल एशियाई खेलों के संचालन में उनकी महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका थी। प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी अपनी माता इंदिरा गांधी से अधिक व्यावहारिक और उदार थे। कालांतर में यही दिशा 1990 के दशक में व्यापक आर्थिक उदारवाद और मुक्त व्यापार का आधार बनी जिसे नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह ने आगे बढ़ाया। वर्ष 1986 में मिजोरम में लालडेंगा के नेतृत्व में दशकों से चल रहे अलगाववादी हिंसक आंदोलन को मिजोरम समझौते के द्वारा खत्म कर राज्य में लोकतांत्रिक व्यवस्था की पुनर्स्थापना राजीव गांधी की बड़ी सफलता मानी जाती है। असम गणतन्त्र परिषद के साथ असम समझोता उन्होंने ही किया था, समझोते के बाद हुए चुनाव में विपक्ष की जीत और कांग्रेस की हार पर उन्होंने कहा कि भले ही उनकी पार्टी हार गई हो किन्तु प्रजातंत्र जीत गया है। जब राजीव ने भारत में कम्प्युटर क्रांति का सूत्रपात किया था तब अटलबिहारी बाजपेयी अडवानी और राष्ट्रीय सेवा संघ ने मखोल उड़ाया और उन्हें नोसिखिया बालक कहा।

युवा सम्राट राजीव गांधी ने सही कहा था कि कोइ भी साम्प्रदायिक अथवा धार्मिक संस्था जो धर्म निरपेक्षता का विरोध करती हो, या कोइ भी राजनीतिक ताकत जो साम्प्रदायिक या धार्मिक हितों का आसरा लेती, उसे किसी भी सूरत में राष्ट्र को कमजोर बनाने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए।

राजीव को जब मालूम पड़ा कि अटलजी गम्भीर रोग से ग्रस्त हैं तो उन्होंने उन्हें यूएनओ जाने वाले डेलीएषण का सदस्य बना कर उनको अमेरिका भेजा और राजदूत को निर्देश दिय की उनका उपचार राजकीय खर्चे से करवाया जाये। राजीव के राजनेतिक विरोधी अटलबिहारी वाजपेयीजी ने कहा था कि अगर वे आज जिन्दा है तो इसकी वजह राजीव ही है। राजीव ने राजनीति में भी नैतिकता को सर्वोच्च स्थान दिया, बोफोर्स कांड के आरोप के बीच संसद भंग कर नये चुनाव करवाने का जज्बा उन्हीं में था।

बोफोर्स कांड की कई वर्षों तक उनके विरोधियों द्वारा करवाई गई जाँच में उनके विरुद्ध कोई साक्ष्य नहीं मिले थे इस जाँच को करवाने में करदाताओं के करोडों रूपये बर्बाद हो गये। सीधे सच्चे ईमानदार राजीव विरोधियों एवं मीडिया के झूठे कुत्सित प्रचार के शिकार बन गये। 1989 में हुये लोकसभा चुनाव में 195 सीटे जितने और सबसे बड़े दल के नेता होने के बावजूद उन्होंने कहा कि जनादेश कांग्रेस के खिलाफ है इसलिए उन्होंने विरोधी पक्ष में बेठने का फैसला करके स्वस्थ लोकतान्त्रिक परम्परा स्थापित की थी।

राजीव ने ही भारत को विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना सिखाया था। इसी का परिणाम था कि राजीव गांधी ने श्रीलंका में शांति प्रयासों के लिए भारतीय सैन्य टुकड़ियों को भेजा लेकिन इसके नतीजे में वे खुद लिट्टे के निशाने पर आ गए और उनकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। 21 मई, 1991 को राजीव गांधी एक रैली को संबोधित करने के लिए चेन्नई से 30 किलोमीटर दूर श्रीपेरंबुदूर में पहुंचे, इन्हीं में एक लिट्टे सदस्य धनु भी थी। राजीव गांधी के आस-पास काफी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद धनु धनु ने गाँधी के पैर छूये और एकाएक बम फट गया जिसको धनु ने अपने कपड़ों में छुपाया हुआ था। राजीव गाँधी समेत 17 अन्य लोग भी काल के ग्रास बन गये। इसी कारण से 21 मई, राजीव गांधी बलिदान दिवस को आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। राजीव भी भी अपनी मां इंदिराजी के जैसे आतंकवाद के शिकार बने। उन्हें 'भारत रत्न' से भी नवाजा गया था। राजीव ने लोगों के दिलों में अपने को बसाया। स्वर्गीय राजीव गांधी एक ऐसे इंसान थे, जिन्होंने ज़मीन पर ही नहीं, किन्तु जनमानस के हृदय पर भी राज किया। समूचा राष्ट्र राजीव गांधी को उनके 78वें जन्म दिन पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

डा. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

'मेरी कोटपूतली ज़ारोंज़ार रो रही है'

डॉ. विजय नागपाल 'नाविक' मूलतः हरियाणा के गुरूगांव के निवासी है एवं कोटपूतली के स्थानीय डॉक्टर हैं । जो 1977 से यहां अपनी सेवाएं दे रहे है। कोटपूतली की समस्याओं को वे कविता के माध्यम से लिखते रहे हैं । अभी कोटपूतली कस्बे में नगर परिषद द्वारा की गई तोड़-फोड़ पर आपने कविता के माध्यम से अपने विचार रखे हैं जो इस प्रकार हैं-

मेरी कोटपुतली जारोंजार रो रही है
ये नियति भी ग़ज़ब कहानी लिख रही है
मेरी अन्नदाता भूमि ,भानगढ़ दिख रही है

राम जाने किसका ये, श्राप पाप ढो रही है
आज मेरी कोटपुतली जारों जार रो रही है

कल तक भरा पूरा समृद्ध बाज़ार था
भरा पूरा ख़रीददारों से ,गुलज़ार था

दिन भर ख़ूब गहमा ग़हमी रहा करती थी
कई परिवार पलते थे ,गृहस्थी चलती थी

रंग बिरंगे वेश में आती थी ग्रामीण नारियां
भागती मोटर साइकलें हॉर्न बजाती लारियाँ

बच्चों की ज़िद कुरकुरे, ड्रेस व खिलौनों की
ललक चाट पकौड़ी,पानी पतासी के दोनों की

मोल भाव करती मिलती थी अनेकों नार
सही दाम है कहते मिला करते दुकानदार

पुरुषों का भी ठसका , बहुत निराला था
चाय बीड़ी संग बतरस का बोलबाला था

मनिहारी,गोटा किनारी,काजल बिंदी लाली
महिलाओं की भीड़ ,ख़रीदें गोरी हों या काली

सांवों की खरीददारी का तो बाज़ार ही गर्म था

डॉ. विजय नागपाल 'नाविक'

उन्हों ने सस्ता ख़रीदा है,सब को इसका भ्रम था

बारहमासी बिक्री होता परचूनी का सामान
मावस छोड कर हर दिन खुलती थी दुकान

सुनार ,लखेरा , बरतनवाला , बिजलीवाला
सुबह -सुबह ही सबका ,खुल जाता ताला

वार-त्यौहार रेडीमेड की रहती धूमधाम थी
पार्लर , टेलर कमाई खाते शोहरत नाम की

मिठाई, समोसा, कचौरी वालों की पौ बारह थी
टिक्की छोले, चाट बर्गर, पिज़्ज़ा की वाह वाह थी

अब सब सुनसान है शमशान सा
खंडहर खडे हैं दीखता वीरान सा

मलबा बिखरा पड़ा चहुँ ओर ही
छिना बच्चों के मुख का कोर भी

तहस नहस कर सब तोड़ डाला
बस बुलडोज़र का है बोलबाला

खून के आँसू रो रहा दुकानदार है
भूखों मरने को अनेकों परिवार हैं

कैसा विकास,ये तो विनाश हो रहा है
शीर्ष नेतृत्व किसकी बाट 'जो' रहा है

विकास तो , मुख पर मुस्कान लाता है
विकास कब, खून के आँसू रुलाता है

धंधा कभी नहीं छीनता, घर नहीं बैठाता है
मायूसी नहीं बांटता , ख़ुशियाँ फैलाता है

कागज प्रमाण देखता है ,नहीं धमकाता है
दया धर्म से विचारता ,मुआवज़ा दिलाता है

पालिका के व खेतड़ी वाले पट्टे किए निरस्त
जनता फिरती मारी -मारी,अधिकारी हैं मस्त

वो कहते हैं लागू कर रहे मास्टर प्लान हैं
परिणाम बता रहे हैं ये डिज़ास्टर प्लान है

कोई तो उन्हें सच्चे विकास का अर्थ समझाओ
तिनका -तिनका जोड़ कर सब बनता ये बताओ

उनके अंदर बैठे हुए राम का अहसास जगाओ
प्रभु अब आप ही मेरी कोटपुतली को बचाओ

मास्टर प्लान के नाम पर परोसे जा रहे ।
कोटपुतली डिज़ास्टर प्लान से बचाओ ।।

हमारी कोटपुतली को बचाओ ।
हमारी कोटपुतली को बचाओ ।।

ब्रिटिश संसद के सामने डीडवाना के जज ने फहराया ध्वज

डीडवाना, (निसं)। आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत समूचा देश आजादी के जश्न में डूबा हुआ है ओर पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है।

वहीं रविवार को तिरंगा उस धरती पर भी लहराया जिसका झंडा भारतीय भूमि पर करीब 2 सदियों तक लहराता रहा।

जानकारी अनुसार भारतीय स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यूके स्थित ब्रिटिश संसद के सामने भारतीय समुदाय द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया गया।

इस मौके पर डीडवाना की अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ सरिता स्वामी ने कार्यक्रम में शिरकत की ओर लंदन बरो ऑफ साउथवर्क के मेयर सुनील चौपड़ा के साथ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने तिरंगा लहराया। इस अवसर पर अपने भाषण में डॉ सरिता स्वामी ने तिरंगे को भारतीय आन बान ओर शान का प्रतीक बताया।

उन्होंने ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय लोगों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि तिरंगे में वो ताकत है जो हम भारतीयों को देश और विदेश में भी जोड़े रखता है। उन्होंने कहा कि भारत को 75 वर्षों तक एकजुट रखने में भारतीय संविधान का भी विशेष महत्व रहा है।

उन्होंने कहा कि अपने राष्ट्र के मूल्यों को समझने के लिए हमें भारत के संविधान की प्रस्तावना पर विचार करना चाहिए।

राशिफल मंगलवार 23 अगस्त, 2022

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, आद्रा नक्षत्र दिन 10:44 तक, सिद्धि योग रात्रि 12:32 तक, बालव करण प्रातः 6:03 तक, चन्द्रमा मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से 10:44 तक है। त्रिपुष्कर योग दिन 10:44 से सूर्योदय तक है। आज अजा एकादशी व्रत वैष्णवों का, उन्मीलिनी महाद्वादशी व्रत है। आज एकादशी तिथि में वृद्धि हुई है और आज से राष्ट्रीय भाद्रपद मास आरम्भ होगा। सायन कन्या में सूर्य प्रवेश प्रातः 8:46 पर होगा और शरद ऋतु आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:18 से 10:54 तक, लाभ-अमृत 10:54 से 2:05 तक, शुभ 3:41 से 5:17 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:06, सूर्यास्त 6:53

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले सुसंदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे और व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

सिंह
आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सुसंदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय दूर होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण किया

कोटा, (निसं)। लगातार वर्षा एवं कोटा बैराज से पानी की निकासी के कारण शहर के निचले इलाकों एवं बस्तियों में जल भराव क्षेत्रों से नागरिकों को जिला प्रशासन द्वारा बनाये गये अस्थाई आश्रय स्थलों पर पहुंचाकर भोजन एवं आवास की व्यवस्थाएं की है।

जिला कलेक्टर ओपी बुनकर एवं पुलिस अधीक्षक शहर केसर सिंह ने जलभराव क्षेत्रों का दौरा कर पानी निकासी एवं प्रभावित क्षेत्रों से नागरिकों को सुरक्षित पहुंचाने का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने प्रभावित क्षेत्रों में पानी निकासी के लिए नगर निगम एवं नगर विकास न्यास की टीम को त्वरित कार्यवाही कर व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने ऐसे क्षेत्रों से नागरिकों को अस्थाई आश्रय स्थलों पर पहुंचाकर भोजन, आवास आदि व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने चम्बल के आस-पास की बस्तियों में दौरा कर नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने का आव्हान किया।

उन्होंने कहा कि लगातार वर्षा एवं चम्बल नदी में पानी की आवक को देखते हुए बैराज से देररात तक पानी निकासी की मात्रा बढ़ाई जा सकती हैं। प्रभावित क्षेत्र के सभी नागरिक सुरक्षित स्थानों पर समय पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक शहर ने प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम की टीम को संयुक्त रूप से भ्रमण कर नागरिकों को प्राथमिकता से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पानी निकासी होने तक ऐसे क्षेत्रों में पुलिस निगरानी रखते हुए आम लोगों की आवाजाही को बंद रखे। उन्होंने जलस्त्रोतों, नदी, नालों के बहाव क्षेत्रों में अनावश्यक भीड जमा नहीं होने के निर्देश दिये।

- पानी निकासी की व्यवस्था के साथ प्रभावित नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

अधिकारियों द्वारा कुन्हाड़ी स्थित बापू बस्ती, बालिता रोड़, नयापुरा स्थित वाल्मीकि बस्ती, नयापुरा बस स्टेण्ड, खण्ड गावड़ी, नंदाजी बाड़ी, रेलवे स्टेशन, संजय नगर, रेल्वे कॉलोनी, काला तालाब क्षेत्र के आवासीय कॉलोनियों, जवाहर नगर, देवली अरब, रायपुरा सहित शहर के पानी भराव वालें क्षेत्रों का निरीक्षण कर पानी निकासी के लिए नगर निगम की टीम को पम्प आदि लगाने, जेसीबी की सहायता से जल निकासी के अवरोधकों को हटाकर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस दौरान अतिरिक्त कलेक्टर शहर बीएम बैरवा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर प्रवीण जैन, आयुक्त नगर निगम वासुदेव मालावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशासन ने आश्रय स्थल बनाये:- जिला प्रशासन द्वारा जलभराव क्षेत्रों से 1500 नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर 10 विद्यालयों एवं नगर निगम द्वारा बनाये गये 5 अस्थाई आश्रय स्थलों पर सुरक्षित पहुंचाया गया है। जिन्हें जिला रसद विभाग व नगर निगम की टीम द्वारा भोजन, आवास आदि की व्यवस्थाऐं की गई है।

नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया:- एसडीआरएफ, नगर निगम की टीम द्वारा नया नोहरा, तिरूपति गोपाल विहार, बालाजी नगर तृतीय, अनंतपुरा, हरिजन बस्ती गाड़ी खाना, खण्ड गावड़ी, बालिता, नंदाजी की बाड़ी, बापू बस्ती, केबलनगर, काला तलाब क्षेत्र की कॉलोनियों से रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में आरामपुरा, मंडानिया, कैथून, खेड़ारसूलपुर के आरामपुरा, मदनपुरा ग्राम पंचायत के मोहम्मदपुरा व सीमल्या आदि क्षेत्रों से नागरिकों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

विद्यालयों में अवकाश रहेगा:- जिला कलेक्टर ओपी बुनकर ने आदेश जारी कर अधिक वर्षा की चेतावनी को देखते हुए जिले के सभी राजकीय, गैर राजकीय एवं शैक्षणिक संस्थानों में 23 अगस्त मंगलवार को एकदिवस का राजकीय अवकाश घोषित किया है। सभी विद्यालयों में इस दौरान शैक्षणिक कार्य बंद रहेगा। नागरिकों के ठहराव स्थलों के लिए चिन्हित किये गये विद्यालयों में व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायेगी।

नदियों ने दिखाया रौद्र रूप, बांध भी ऑवरफ्लो, जनजीवन अस्त-व्यस्त

छबड़ा, (निसं)। छबडा क्षेत्र में भारी वर्शा के चलते सभी नदियां पूरे ऊफान पर हैं। अधिकांष मार्ग अवरूद्ध हो गए हैं। क्षेत्र के सभी बांध ऑवर फ्लो हो रहे हैं। पार्वती नदी के पानी से एक दर्जन गांवो के खेत जलमग्न हो गए हैं। रविवार सुबह से लगातार जारी वर्शा से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया हैं। दीलोद पंचायत के बीलखेडा गांव के निकट एक टापू पर फसे पति-पत्नी व बच्चे को सोमवार सुबह रेसक्यू टीम द्वारा सुरक्षित निकाला गया।

- पार्वती नदी के पानी से एक दर्जन गांवों के खेत जलमग्न
- बीलखेड़ा गांव के निकट टापू पर फंसे दंपति व बच्चे को सुरक्षित निकाला
- अधिकांश मार्ग अवरूद्ध हुए

छबड़ा-छीपाबडौद क्षेत्र मे षनिवार सुबह चार बजे से प्रारंभ हुई मूसलाधार वर्शा से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। गोडियामेहर के निकट पार्वती नदी के पुल पर 5-6 फीट पानी होने के चलते धरनावदा-गुना की ओर जाने वाला मार्ग रविवार दोपहर 3 बजे से अवरूद्ध हैं। पार्वती नदी का पानी गोडियामेहर, चौकी, बटावदापार, तीतरखेडी, कोटरापार, अरनियापार, कराडियापार, अकोदियापार, बदनवास, धोलाडा, अल्लापुरा, छत्रपुरा के खेतो में भर गया हैं। यहां खेतो में खडी फसल जलमग्न हो नश्ट होने की कगार पर हैं। मध्यप्रदेष से आ रहे पानी से पार्वती नदी के किनारे के सैकडो खेत जलमग्न हो गए हैं। कराडियापार गांव की निचली बस्ती में पानी भर गया। जहां प्रषासन ने ग्रामीणो को यहां से निकाला।

बैथली बांध की तलहटी मे स्थित नियामतपुर व रूपारेल गांव के किसानो के खेतो में बांध का पानी भर गया हैं। बमोरी नदी पर पानी आने से छबडा-छीपाबडौद मार्ग भी दिनभर अवरूद्ध रहा। गुगोर स्थित पार्वती नदी नवनिर्मित हाईलेवल ब्रिज के पिल्लरो तक बह रही हैं। वही, छबडा तहसीलदार हरिमोहन त्यागी ने बताया कि क्षेत्र में सोमवार सुबह 8 बजे तक 97 एमएम बारिश दर्ज की गई तथा सोमवार सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक 34 एमएम बारिश दर्ज की गईं। साथ ही जल संसाधन विभाग के अधिशासी अभियंता राजीव विजय ने बताया कि छबडा-छीपाबडौद क्षेत्र के सभी बांध ऑवरफ्लो हो रहे हैं। बैथली बांध पर 85 सेमी की चादर, हिंगलोट बांध पर 70 सेमी, उतावली व फलिया बांध पर 20-20 सेमी की चादर चल रही हैं।

सार-समाचार

देहदान का संकल्प लिया

कोटा, (निसं)। गुलाब विहार, बूंदी निवासी संपत कुमार जैन (70 वर्ष) सेवानिवृत्त, कार्यालय सहायक, जलदाय विभाग ने अपने 70वें जन्मदिवस पर परिवार के सभी सदस्यों की सहमति के साथ देहदान का संकल्प पत्र भरा। संपत सेवानिवृत्ति के बाद, सेवा कार्यो से जुड़े रहने के लिये अग्र सेवादल, खंडेलवाल दिगंबर जैन समाज, बूंदी स्काउट, व शहर के कई सारे सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए हैं, सदा लोगों को अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करने वाले संपत ने 20 वर्ष पहले ही अपने नेत्रदान का संकल्प पत्र भर दिया था, अब आज के समय में जब, देहदान के बारे में समाचार पत्रों में विस्तार से जानकारी आने लगी तो, इन्होंने अपने मन में भी देहदान का संकल्प पत्र भरने का सोच लिया था। देहदान का संकल्प पत्र भरने के लिए, उन्होंने शाइन इंडिया फाउंडेशन संस्था की ज्योति मित्र इदरीस बोहरा को अपने जन्म दिवस के दिन संपर्क कर, परिवार के अन्य सदस्यों को देहदान के बारे में जागरूक करने के लिए और परिजनों की सहमति प्राप्त करने के लिए घर पर बुलाया। ज्योति मित्र इदरिस बोहरा ने घर पहुंच कर सभी को देहदान की उपयोगिता और प्रक्रिया के बारे में बताया। जिसके उपरांत संपत की पत्नी मनोरमा जैन और बेटे मनीष जैन ने देहदान हेतु संकल्प पत्र पर अपने हस्ताक्षर कर सहमति दे दी।

वृक्षारोपण किया

कोटा, (निसं)। ब्राह्मण कल्याण परिषद दादाबाड़ी मंडल एवम विज्ञान नगर द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। मंडल अध्यक्ष रजनीश श्रृंगी ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने मेजर ध्यानचंद स्टेडियम दादाबाड़ी पर छायादार फलदार पौधे लगाकर उनकी उपयोगिता के बारे में बताया। ब्राह्मण कल्याण परिषद के आग्रह पर कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा ने मेजर ध्यान चंद स्टेडियम में ट्रैक के विस्तार एवं अन्य सुविधाओं का विस्तार करने के लिए 10 लाख रुपए देने का आश्वासन भी दिया विज्ञान नगर कुबेर शर्मा ने बताया कि शहर को हरा-भरा बनाने व प्रदूषण मुक्त करने के लिए ब्राह्मण कल्याण परिषद द्वारा कोटा शहर के सभी 20 मंडलों में वृक्षारोपण का कार्यक्रम करवाया जाएगा। इस अवसर पर दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, ब्राह्मण कल्याण परिषद के संयोजक अनिल तिवारी, महिला अध्यक्ष डॉ शीला तिवारी महामंत्री मनोज शर्मा, श्याम मनोहर हरित, अशोक मिश्रा, गौतम समाज के अध्यक्ष जगमोहन गौतम, गिर्राज शर्मा, मोहित गौतम, प्रदुमन शर्मा, बद्रीलाल, नवीन शर्मा, सत्यनारायण गौतम, दामोदर शर्मा, राजेंद्र गौतम सूर्य कांत शर्मा आदि उपस्थित थे।

शिविर में 118 यूनिट रक्तदान

कोटा, (निसं)। लायंस क्लब कोटा द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय पाचड़ा गड़ेपान पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष जुगल किशोर सोनी ने बताया कि आयोजित रक्तदान शिविर में 120 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर भेरूलाल खटाणा की स्मृति में आयोजित किया गया। सचिव को पुरषोत्तम पालीवाल ने बताया कि लायंस क्लब कोटा की ओर से इस रक्तदान कार्यक्रम प्रभारी चंदा बरवाड़िया व दुर्गेश शर्मा रही। जिन्हें सुमन शर्मा व ममता विजय का पूर्ण सहयोग मिला, रक्तदान शिविर में 118 यूनिट रक्तदान एकत्रित किया गया अध्यक्ष जुगल किशोर सोनी ने कहा कि रक्तदान अमूल्य है। हमें अधिक से अधिक रक्तदान शिविरों का आयोजन करना चाहिए।यह महादान है इसमें सब को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

दाधीच समाज में नंद उत्सव की धूम

कोटा, (निसं)। दाधीच समाज महिला मण्डल की ओर दाधीच छात्रावास में नंदउत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष प्रदीप दाधीच ने बताया कि गणेश स्तुति के साथ नंद उत्सव की शुरूआत की गई। महिलाओं ने लड्डू गोपाल की सुंदर झांकी सजाई। भगवान को पंचामृत व पंजेरी का भोग लगाया। अध्यक्ष माया दाधीच ने बताया कि महिलाओं के साथ बच्चे भी उत्सुकता से नंदउत्सव में जुड़े वह घर से कान्हा व राधा के गणवेशों में कार्यक्रम में पहुंचे। कार्यक्रम में खुशबू दाधीच ने कान्हा व स्मृति दाधीच ने राधा बनकर सबका मन जीत लिया। मंत्री मोनिका दाधीच व उपमंत्री प्रिति दाधीच ने बताया कि महिलाओं ने भक्तिभाव से कृष्ण के गीत गाए और नृत्य भी किया।

ब्राह्मण संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

कोटा, (निसं)। हम भारत के ब्राह्मण संगठन की अति-महत्वपूर्ण बैठक महावीर नगर प्रथम स्थित सनाढ्य ब्राह्मण सामुदायिक भवन में आयोजित हुई। जिसमें शहरभर के गणमान्य ब्राह्मण डॉ. अनिल शर्मा, जटाशंकर शर्मा, चन्द्रकांत पाठक, पुरूषोत्तम शर्मा, हरिओम शर्मा, राजेन्द्र गौतम, राजेन्द्र शर्मा, ओमप्रकाश टंकारिया, रवि प्रकाश पारीक, जमनालाल भार्गव, संजय शर्मा, लोकेश कुमार शुक्ला, एस.एस. सेवदा समेत अन्य ब्राह्मण शामिल हुए। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि राजस्थान में आजादी के 72-75 वर्षो में ब्राह्मण समाज की तीन पीढ़ियां बर्बाद हो चुकी है, लेकिन अब राजस्थान में ब्राह्मण समाज जागृत हो रहा है और हम अपनी चौथी पीढ़ी को बर्बाद नहीं होने देंगे।

वक्ताओं ने कहा कि राजस्थान में हरदेव जोशी के बाद आजतक कोई भी ब्राह्मण मुख्यमंत्री नहीं बना है। ऐसे में इस बार हम भारत के ब्राह्मण संगठन द्वारा प्रदेश की दोनों प्रमुख पार्टियों से ब्राह्मण समाज के चेहरे को मुख्यमंत्री घोषित करने की मांग की है। जो भी पार्टी राजस्थान में ब्राह्मण चेहरे को मुख्यमंत्री घोषित करेगी पूरे राजस्थान का ब्राह्मण उसी पार्टी को अपना समर्थन देगा। वक्ताओं ने अपनी दूसरी मांग उठाते हुए कहा कि राजस्थान में जाटों के बाद ब्राह्मण बाहुल्य हैं, लेकिन जाट समाज को आरक्षण मिला हुआ है, इसलिए प्रदेश में 141 सीटों पर ब्राह्मणों को विधानसभा का टिकट दिया जाए। वक्ताओं ने कहा कि हम भारत के ब्राह्मण एक ऐसा सामाजिक संगठन है, जिसमें ना कोई संगठन है और ना ही कोई गुट है, यह सभी ब्राह्मणों की आवाज है। इस संगठन के माध्यम से पूरे राजस्थान में ब्राह्मणों को जगाने का अभियान चला रखा है।

तीन महीने पूर्व भी सभी संभाग स्तर पर ब्राह्मणों की मीटिंग की गई थी, जिसमें ये बात प्रमुखता से उठाई गई। दोनों प्रमुख पार्टियों के प्रदेश अध्यक्षों को भी ब्राह्मणों की मंशा से अवगत करवा दिया गया है। इसके साथ ही अब सभी जिलों से मांग उठाने के लिए 19 जिलों में मीटिंग हो चुकी है, बाकी शेष जिलों में भी बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसके बाद तहसील स्तर पर ब्राह्मण समाज में अलख जगाने के लिए बैठकें आयोजित होंगी।

लघु उद्योग भारती, भवानीमंडी ईकाई का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

कोटा (निसं)। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद ने संस्था की भवानीमंडी इकाई के शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को निष्ठापूर्वक कर्तव्य निर्वहन करने की शपथ दिलाई।

समारोह में संरक्षक कमल सुरेका, नवनिर्वाचित अध्यक्ष गोविंद बिडला, उपाध्यक्ष विनय महेश्वरी एवं गोविन्द गुप्ता, सचिव अरुण गर्ग, कोषाध्यक्ष सीए प्रकाश गुप्ता सहित 29 सदस्यों ने शपथ ली। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं वरिष्ठ संघ प्रचारक प्रकाश चंद ने कहा कि भारत का औद्योगिक इतिहास बहुत समृद्ध रहा है। मुगलकाल के पहले भी भारत औद्योगिक क्षेत्र में दुनिया में अग्रणी रहा। युद्ध में काम आने वाले हथियारों का निर्माण, कपड़ा, आभूषण व रोजमर्रा की वस्तुओं का श्रेष्ठ उत्पादन भारत करता आ रहा है। आजादी से पूर्व ढाका की मलमल हो या सूती कपड़ा दुनिया में इनकी कोई सानी नहीं रही।

असंगठित होने से लघु उद्योगों की समस्यायें बढ़ी-उन्होंने कहा कि जब कोरोना संक्रमण से फैली वैश्विक महामारी ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में लिया जब भारत ने समूचे विश्व को जीवनरक्षक दवाइयों के साथ स्वदेशी टीका निर्यात कर विशेष योगदान दिया। उन्होंने बताया कि आज भी भारत लघु उद्योग व कृषि उत्पादन के क्षेत्र में विश्व में नंबर वन है।

लघु उद्योग क्षेत्र असंगठित होने से बाधाओं से निपटने में उद्यमियों को परेशानी उठानी पड़ती है। वे सरकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित रह जाते हैं। इसीलिए उद्यमियों को संगठित होकर अपनी बात राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने की आवश्यकता है और यही संस्था का मूल उद्देश्य है। कोटा ईकाई के अध्यक्ष सीए महेश गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं वरिष्ठ संघ प्रचारक प्रकाश चंद ने पुरूषार्थ भवन कोटा में लघु उद्योग भारती के सदस्यों से स्थानीय लघु उद्योगों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। उद्यमी गोविंद राम मित्तल ने केंद्र सरकार से लघु उद्योगों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने पर जोर दिया।

एक्सप्रेस-वे के लिंक रोड़ से भवानीमंडी को जोड़े-समारोह की अध्यक्षता कर रहे अखिल भारतीय महामंत्री घनश्याम ओझा ने लघु उद्योग भारती के संगठन एवं कार्यप्रणाली की जानकारी दी। व्यापार महासंघ के अध्यक्ष प्रीतपाल सिंह ने कहा कि भवानीमंडी, झालावाड़ जिले का प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है इसीलिए इसके पास से गुजर रहे एक्सप्रेस हाईवे को लिंक रोड़ के माध्यम से भवानीमंडी को जोड़ा जाये, जिससे इस क्षेत्र की औद्योगिक प्रगति हो सके।

समरोह में विशिष्ट अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष योगेश शर्मा, प्रांतीय महासचिव पवन गोयल, एचएम वशिष्ठ, जेके अरोड़ा, कैलाश बोहरा एवं प्रीतपाल सिंह, गोविंदराम मित्तल रहे। इस अवसर पर प्रदीप शर्मा, गोविंद भराड़िया, जसविंदर सिंह होरा, परमजीत सिंह, प्रदीप जैन, हीरालाल विजावत, ओमप्रकाश शर्मा, दीपक सोनी, गिरीश सोमानी, नितिन मंगल, मनीष गुप्ता, चेतराज गहलोत, बलवंत नगर, सीए प्रफुल्ल गुप्ता, सीए महक गुप्ता, सुमित लड्ढा, मनोज अग्रवाल, प्रमोद नागोरी, राजेंद्र जायसवाल, यश गुप्ता, सौरभ बंसल, सुमित छाबड़ा व कोटा इकाई के अध्यक्ष सीए महेश गुप्ता, झालावाड़ इकाई के अध्यक्ष पुखराज जैन सहित कई उद्यमी उपस्थित रहे। संचालन सीए प्रकाश गुप्ता ने किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष गोविंद बिरला ने सबका आभार जताया।

अखिल ब्राह्मण समाज सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करेगा

कोटा (निसं)।अखिल ब्राह्मण महासभा का नंद उत्सव एवं शपथ ग्रहण समारोह विज्ञान नगर स्थित समाज भवन में आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि विधायक संदीप शर्मा ने सरंक्षक एम एम शर्मा, संभागीय अध्यक्ष रामस्वरूप शर्मा, अध्यक्ष गोपाल शर्मा, मंत्री संजय शर्मा, उपाध्यक्ष प्रमोद पालीवाल, लहरी शंकर गौत्तम, रघुनन्दन शर्मा, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर शर्मा, संगठन, सांस्कृतिक, विधि कार्यालय व सदस्यों सहित 51 लोगो को शपथ ग्रहण करवाया। इसी प्रकार महिला मण्डल कि अध्यक्ष कल्पना शर्मा, महामंत्री अम्बिका एवं मंत्री माया शर्मा सहित विभिन्न पदों पर 46 महिलाओं को शपथ ग्रहण करवाया। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के अध्यक्ष किशन पाठक, जटाशंकर शर्मा, होसला प्रसाद शुक्ला सहित कई गणमान्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री संजय शर्मा ने किया। विधायक संदीप शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि ब्राह्मण समाज को समाजवाद पर कार्य करने की आवश्यकता है। ब्राह्मण 26 ऋषियों की संताने है उन्हे अपनी एकता व अखण्डता को बनाए रखते हुए समाज के विकास पर ध्यान केन्द्रित कर हर वर्ग को आगे लाने का प्रयास करना चाहिए।

तेज आंधी बारिश के बीच नेत्रदान संपन्न हुआ

कोटा, (निसं)। आश्रम रोड, भवानीमंडी, निवासी राजू मीणा (51 वर्ष) का हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया, उनके निधन की सूचना पूरे मौहल्ले और पास ही रह रहे लोकेश पोद्दार को भी मिली। राजू मीणा का परिवार ज्यादा शिक्षित परिवार नहीं था, वह मकान बनाने का कारीगर का काम करते थे, परंतु सामाजिक कार्यों के प्रति परिवार के सभी सदस्य हमेशा तैयार रहते थे।

यही सोच के साथ लोकेश और शाइन इंडिया फाउंडेशन के ज्योति मित्र कमलेश दलाल ने परिवार के सदस्यों से नेत्रदान करवाने की बात की। राजू के छोटे भाई सूरज और बेटे अर्जुन की सहमति मिलने के बाद कमलेश ने शाइन इंडिया फाउंडेशन, कोटा के डॉ कुलवंत गौड़ को नेत्रदान लेने आने के लिए संपर्क किया।

कोटा से डॉ गौड़ ट्रेन से भवानीमंडी आने के लिए रवाना हुए तो, अचानक कोटा का मौसम तेज आंधी, तूफान और धुआंधार बारिश में बदल गया, मौसम बिगड़ता देखकर ज्यादातर लोग अपने घरों में या दुकान में जहाँ थे, वहीं रुक गये। वापस भवानीमंडी से आने के लिए ट्रेन की व्यवस्था न होने के कारण, डॉ गौड़ ने

- 120 किलोमीटर जाकर नेत्रदान लिया

कार से जाने का निर्णय किया। भंयकर आंधी, तूफान और बारिश को देख कर डॉ गौड़ की माता ने वापस घर आने के लिए कई बार कॉल किया, परंतु उन्होंने मां को यही कहा कि, अब जब एक पुण्य कार्य के लिये निकल चुके हैं, तो अब नेत्रदान लेकर ही घर पहुंचेंगे।

आठ बजे भवानी मंडी पहुंचने के उपरांत नेत्रदान की प्रक्रिया संपन्न हुई, उसके बाद बारिश में भीगे हुए धीरे-धीरे कार ड्राइव करते हुए डॉ गौड़ रात 11.00 बजे कोटा पहुंचे। पूरे रास्ते में हाइवे के रोड़ पर एक फुट से ज्यादा पानी था, पर सभी बाधाओं को पार करके नेत्रदान लेने के पीछे, लक्ष्य बड़ा यह था कि, इन आंखों से किसी दो दृष्टिहीन व्यक्तियों को रौशनी मिल सकेगी।

ज्ञात हो कि, शाइन इंडिया फाउंडेशन के प्रयासों के उपरांत भवानी मंडी में 69 जोड़ी पुण्यात्माओं के नेत्रदान का संकलन किया गया हैं। कोटा संभाग में नैत्रदान के कार्य में भवानीमंडी अन्य शहर जैसे बूंदी, बारां, रामगंजमंडी से ज्यादा अग्रणी है।

'राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ पात्रों को मिले'

झालावाड़, (निसं)। बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन एवं समन्वय समिति के उपाध्यक्ष डॉ. चन्द्र भान की अध्यक्षता में सोमवार को मिनी सचिवालय के सभागार में बीस सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत 2021-22 में लक्ष्यों में अर्जित उपलब्धि, 2022-23 में माह जुलाई 2022 तक अर्जित प्रगति एवं राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. चन्द्रभान ने कहा कि बीस सूत्री कार्यक्रम के तहत योजनाओं एवं राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ निर्धन एवं पात्र व्यक्ति को मिले इसके लिए सभी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि योजनाओं की क्रियान्विती एवं उनका पात्र व्यक्ति को लाभ दिलाने के लिए तत्पर होकर कार्य करें एवं आमजन को योजनाओं का लाभ लेने में आ रही समस्याओं को जानकर उनका निराकरण करें।

उन्होंने कहा कि जिले में मनरेगा के तहत चल रहे कार्यों में अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों को रोजगार प्रदान कराएं। उन्होने राजीविका के तहत जिले में स्वयं सहायता समूहों की संख्या में प्रगति लाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को प्रदान किए। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में पात्र व्यक्तियों की जानकारी लेते हुए संख्या बढ़ाने के निर्देश प्रदान किए।

डॉ चंद्र भान ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को जिले में संस्थागत प्रसव के लिए आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं में अधिक से अधिक पात्र लोगों को लाभान्वित करवाने के निर्देश सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक को दिए। आंगनबाडी केन्द्रों में पोषाहार वितरण की जानकारी सहित जिले में एनिमिक महिलाओं एवं बच्चों की संख्या की जानकारी लेते हुए उनके उचित उपचार के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, शुद्ध पेयजल राष्ट्रीय ग्रामीण जलापूर्ति योजना, व्यक्तिगत शौचालय, पर्यावरण एवं वन विभाग, पीएमजीएसवाई, विद्युतीकृत ग्रामों एवं पम्पसेटों की संख्या के लक्ष्यों के विरूद्ध अर्जित प्रगति की समीक्षा की।

बीसूका उपाध्यक्ष ने राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं में जिले में हुई प्रगति की समीक्षा व चालू वित्तीय वर्ष में कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिलवाने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य सरकार की महत्वपूर्ण मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में अधिक से अधिक लोगों को पंजीकृत करवाकर योजना का लाभ दिलाने की बात कही।

जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने बीसूका उपाध्यक्ष को भविष्य में योजनाओं में प्रगति लाने हेतु आश्वस्त किया।

बैठक में बीसूका जिला उपाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह गुर्जर, अतिरिक्त जिला कलक्टर राधेश्याम डेलू, मुख्य आयोजन अधिकारी चतुरवर्ग मालपानी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2022/1112 **विज्ञप्ति** दिनांक: 19.8.2022

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम सकतपुरा में स्थित कृषि भूमि योजना दुर्गा नगर खसरा नं. 146 में स्थित भूखंड संख्या 101 आवेदक श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री गोबरी लाल निवासी डी-71 न्यू जवाहर नगर कोटा का पट्टा जारी करने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री गोबरी लाल के पक्ष में पट्टा जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

एयरफोर्स भर्ती परीक्षा: हरियाणा के तीन फर्जी परीक्षार्थी पकड़े

एक फर्जी निकला तो दो ने इलेक्ट्रोनिक डिवाइस ब्लू टूथ लगा रखा था

जोधपुर, (कासं)। इंडियन एयरफोर्स भर्ती परीक्षा का आयोजन इन दिनों चल रहा है। रविवार को झालामंड में निजी स्कूल के एक सेंटर पर तीन परीक्षार्थियों को नकल और फर्जीवाड़े में पकड़ा गया। स्कूल प्रधानाचार्य की तरफ से कुड़ी थाने में इस बारे में मामला दर्ज कराया गया है। पकड़े गए तीनों अभियुक्त हरियाणा जिंद के रहने वाले हैं। आज तीनों को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर अभिरक्षा में लिया है।

कुड़ी थानाधिकारी सुमेरदान ने बताया कि रविवार को परीक्षा का एक सेंटर झालामंड स्थित एसआर आदर्श सीनियर सैकंडरी स्कूल में था। यहां पर परीक्षक द्वारा जांच के समय एक फजी परीक्षार्थी हरियाणा के जिंद स्थित छापर निवासी शिव कुमार वाल्मिकी पुत्र रघुवीर को पकड़ा गया। वह किसी अन्य के स्थान पर परीक्षा देने आया था। इसी परीक्षा केंद्र में दो परीक्षार्थियों को इलेक्ट्रानिक डिवाइस यानी ब्लू टूरथ से नक ल करते पकड़ा गया। दोनों अभियुक्त हरियाणा के जिंद निवासी विक्रम पुत्र सतेसिंह एवं हरियाणा के महेंद्रगढ़ निवासी विक्रमसिंह पुत्र नरेश कुमार को पकड़ा गया। इन लोगों ने कानों में ब्लूटूट लगा रखा था। जांच में इनके पास से बाद में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को जब्त किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य राधेश्याम विश्रोई की तरफ से राजस्थान परीक्षा अधिनियम में केस दर्ज कराया गया।

टीचर ने पीटा तो 10वीं के स्टूडेंट ने जहर पिया

- पिता को फोन पर कहा-आज के बाद आप मेरा मुंह नहीं देखोगे

अनूपगढ़, (निसं)। राजस्थान में एक बार फिर स्कूल के छात्र की पिटाई का मामला सामने आया है। श्रीगंगानगर के अनूपगढ़ के रावला मंडी में कक्षा 10 के एक स्टूडेंट ने कीटनाशक पीकर जान देने की कोशिश की। छात्र के हवाले से कहा जा रहा है कि स्कूल में टीचर ने उसे बुरी तरह पीटा।

कीटनाशक पीने से पहले छात्र गुरप्रीत सिंह ने अपने पिता निरंजन सिंह को फोन पर कहा कि टीचर ने उसे बहुत पीटा है। आज के बाद आप मेरा मुंह नहीं देखोगे। इसके बाद छात्र गुरप्रीत ने फोन काट दिया। छात्र के पिता निरंजन सिंह ने बताया कि गुरप्रीत रावला के पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 10वीं क्लास का स्टूडेंट है। बेटा सुबह स्कूल गया था, करीब 11 बजे वापस घर आ गया। इसके बाद कीटनाशक पीकर सुसाइड करने का प्रयास किया। निरंजन सिंह ने कहा कि बच्चे का फोन आने के बाद पड़ोसियों ने कहा कि गुरप्रीत की हालत बिगड़ गई है। निरंजन सिंह घर पहुंचा, इससे पहले ही पड़ोसी गुरप्रीत को रावला के राजकीय चिकित्सालय भर्ती करा दिया था। सूचना के बाद तहसीलदार पृथ्वीराज मौर्य और एसआई जिया राम ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। फिलहाल छात्र के बयान दर्ज किए गए हैं। उधर बीआर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल सुरेंद्र कुमार ने बताया कि स्कूल में एग्जाम चल रहे हैं। गुरप्रीत एग्जाम देकर घर चला गया था। किसी भी टीचर ने गुरप्रीत को नहीं पीटा है। एसआई जिया राम हटिला ने कहा कि छात्र गुरप्रीत सिंह अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पहले चप्पल से नकल कराने के मामले में गिरफ्तार युवक, अब पटवारी परीक्षा में भी गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। चप्पल से नकल मामले में गिरफ्तार हो चुके दिल्ली के एक युवक को पुलिस ने अब पटवार परीक्षा में नकल मामले में भी गिरफ्तार कर लिया है। इसी युवक ने गंगाशहर थाने के थानेदार पर सामान लौटाने के नाम पर रुपए मांगने पर गिरफ्तार करवाया था।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित बुडानिया के नेतृत्व में एक टीम ने दिल्ली में दबिश देकर सुरेंद्र धारीवाल को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर पटवार परीक्षा में पौरव कालेर को नकल सामग्री बेचने का आरोप है। दरअसल, सुरेंद्र को पुलिस रीट परीक्षा में नकल के लिए सामग्री देने के मामले में गिरफ्तार कर चुकी थी। इसके बाद पटवार परीक्षा में नकल का मामला भी दर्ज हो गया था। पुलिस उस समय पौरव कालेर को गिरफ्तार नहीं कर पाई, तब तक सुरेंद्र की जमानत हो गई। पौरव कालेर ने अपने बयानों में पुलिस को बताया कि उसने भी नकल सामग्री सुरेंद्र धारीवाल से ही खरीदी थी। ऐसे में उसकी गिरफ्तारी के लिए बार- बार दबिश दी जा रही थी। दो बार पहले पुलिस खाली हाथ लौट आई लेकिन इस बार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित बुडानिया के नेतृत्व में पुलिस ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में कोतवाली थानाधिकारी नवनीत सिंह और डीएसटी के हेड कांस्टेबल दीपक यादव की भूमिका रही।

सुरेंद्र धारीवाल ने अपनी गिरफ्तारी के बाद जमानत मिलते ही गंगाशहर थानाधिकारी राणीदान चारण पर कार्रवाई करवा दी। उसका आरोप था कि गिरफ्तारी के समय जो सामान उसने जब्त किया था, वो वापस लौटाने के नाम पर थानेदार राणीदान रिश्वत मांग रहा है। एसीबी ने राणीदान पर कार्रवाई भी की लेकिन वो निकलने में सफल हो गया। इस मामले की जांच अब तक चल रही है।

जैसलमेर के रास्ते भारत में प्रवेश करने वाला पाक नागरिक गिरफ्तार

सीमा सुरक्षा बल को हाई अलर्ट पर रखने का मिला फायदा

जैसलमेर, (नि.सं.)। पाकिस्तान सीमा से जैसलमेर के रास्ते भारत में प्रवेश करते हुए पाक नागरिक को सीमा के सादेवाला चौकी पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने पकड़ा। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने पाकिस्तानी नागरिक आलम पुत्र फैजल खान उम्र 50 वर्ष को गिरफ्तार कर रामगढ पुलिस के हवाले किया।

ज्ञात रहे कि जैसलमेर बॉर्डर से आतंकियों की घुसपैठ के इनपुट मिलने के बाद जिले से सटे समूचे बॉर्डर को सील कर सीमा सुरक्षा बल को हाई अलर्ट पर रखा गया है। केन्द्रीय खुफिया एजेंसियों से बीएसएफ को इस आशय का इनपुट मिला है कि जैसलमेर से सटी पाकिस्तान की 470 किलोमीटर लम्बी सीमा पर तारबंदी के बावजूद पाकिस्तान की मदद से 5 से 6 आतंकवादी भारतीय सीमा में घुसने की फिराक में हैं।

जैसलमेर के म्याजलार बॉर्डर पर पिछले दिनों पाकिस्तान जाने की फिराक में पकड़े गये बांगलादेशी युवक से कड़ी पूछताछ के बावजूद अभी तक सुरक्षा व जांच एजेंसियां किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। उससे पहले जैसलमेर बॉर्डर से इस्लामिक आतंकवादियों के किसी ग्रुप के घुसपैठ के इनपुट मिलने के बाद खुफिया एजेंसियां हैरान व परेशान थी।

कश्मीर व पंजाब के बॉर्डर पर नित नये पैतरे आजमाने के बावजूद आतंकी संगठनों के पाकिस्तान में बैठे सरगना अभी तक वहां से घुसपैठ करवाने में कामयाब नहीं हो पा रहे है। इधर पाकिस्तान ने पश्चिमी बॉर्डर के खासकर गंगानगर बॉर्डर पर हेरोईन व अन्य ड्रग्स की तस्करी पर खासा फोकस कर रखा है। कई बार ड्रोन के जरिये भारतीय सीमा में फेंकी गई ड्रग्स भारतीय सीमा में जब्त की जा चुकी है। कई स्थानीय तस्कर भी पकड़े जा चुके हैं। ऐसी स्थिति में जैसलमेर बॉर्डर पर भी सुरक्षा बलों का पहरा बढ़ा दिया गया है क्योंकि पिछले दिनों बाड़मेर बॉर्डर पर भी तस्करी से जुड़े लोगों को पकड़ा जा चुका है। यहां गौरतलब है कि पिछले 6 महीनों में पश्चिमी बॉर्डर पर घुसपैठ व तस्करी की वारदातों में इजाफा हुआ है।

जेईई-एडवांस्ड-2022 प्रवेश पत्र 23 अगस्त को जारी होंगे, कोटा में भी परीक्षा केन्द्र

कोटा, (निसं)। आईआईटी मुम्बई द्वारा आयोजित की जा रही देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-एडवांस्ड के प्रवेश पत्र 23 अगस्त को जारी होंगे। जेईई-एडवांस्ड के माध्यम से देश की 23 आईआईटी की 14 हजार सीटों पर प्रवेश दिया जाता है, इस वर्ष यह परीक्षा देश के 215 परीक्षा शहरों में 28 अगस्त को दो पारियों में सुबह 9.00 से 12.00 एवं दोपहर में 2.30 से 5.30 बजे तक होगी।

विदेशों में इस वर्ष जेईई-एडवांस्ड की परीक्षा: नहीं करवाई जाएगी, इस वर्ष भी कोटा में कई परीक्षा केंद्र बनाये गए है। जेईई-एडवांस्ड का परिणाम 11 सितम्बर सुबह 10 बजे जारी किया जाएगा। प्रवेश पत्रों के साथ विद्यार्थियों को अपने परीक्षा केन्द्र व शहर का पता चल सकेगा। विद्यार्थियों को आवेदन के दौरान 8 परीक्षा केन्द्र चुनने का अवसर दिया गया था, परीक्षा से चार दिन पूर्व परीक्षा केन्द्रों के आवंटन होने पर पहले परीक्षा केन्द्र मिलने की संभावना ज्यादा दिखाई दे रही है। प्रवेश पत्रों में विद्यार्थियों के कोरोना संबंधित गाईडलाईन जारी की जाएगी जिसका स्टूडेंट्स को पालन करना होगा।

ऐसे विद्यार्थी जो जेईई-एडवांस्ड आवेदन के समय उचित प्रारूप में केटेगरी दस्तावेज़ उपलब्ध ना होने एवं ओबीसी एवं ईडब्लयूएस का प्रमाण पत्र 1 अप्रैल 2022 के बाद नहीं होने के कारण डिक्लेरेशन के माध्यम से आवेदन किया है वे जोसा काउंसलिंग में रिपोर्टिंग तक अपने केटेगरी दस्तवेजो को जमा करवा सकते है।

ललवाडी की घासी की ढाणी का आईजी अजमेर ने किया निरीक्षण

दोनों समुदायों के लोगों से शांति की अपील की

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत ललवाडी की घासी की ढाणी में रविवार की शाम आईजी अजमेर रूपेन्द्र सिंह ने घटना स्थल का निरीक्षण किया एवं ग्रामीणों से चर्चा की।

ललवाडी में घासी की ढाणी में चार दिन पूर्व गोकशी के प्रकरण में हुए विवाद के बाद से पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। गांव ललवाडी की पटेल की ढाणी और घासी की ढाणी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रविवार की शाम को आईजी अजमेर रूपेन्द्रसिंह ने पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान आईजी ने घासी की ढाणी में घटना स्थल व मस्जिद का निरीक्षण किया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एडीएसपी सुभाषचंद्र मिश्रा और डीएसपी रूद्रप्रकाश शर्मा से जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने तथा अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की।

आईजी ने मौके पर तैनात पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से उक्त घटना की पूरी जानकारी ली। गौ-हत्या की घटना के बाद हिन्दू संगठनों द्वारा सोमवार को आयोजित धरना प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पूरी तरह मुस्तैद रहे। हालांकि मुख्यालय पर लगातार हो रही तेज बारिश की वजह से प्रदर्शन को स्थगित कर दिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुभाषचन्द मिश्रा के निर्देशन में स्पेशल टॉस्क फोर्स के 75 एवं पुलिस लाइन अजमेर से आए 50 जवान उपखण्ड मुख्यालय पर तैनात रहे। एडीएसपी मिश्रा ने बताया कि ललवाडी प्रकरण में किसी भी बेगुनाह के विरूद्ध कार्यवाही नहीं की जाएगी साथ घटना में लिप्त अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। सोमवार को भी घटना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए अतिरिक्त जिला कलेक्टर बीसलपुर प्रभातीलाल जाट, कार्यवाहक एसडीएम रवि वर्मा, तहसीलदार प्रांजल कंवर, महिला सेल के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रकाशचंद्र, रूद्रप्रकाश शर्मा, थानाधिकारी अजय कुमार, बरोनी थानाधिकारी हरिराम, सदर थानाधिकारी कप्तान सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

हिन्दू संगठनों के आयोजित प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर एसटीएफ तैनात की गई।

पुलिस-ग्रामीणों ने युवक को बचाया

पिंडवाड़ा, (निसं)। पिण्डवाड़ा शहर के निकटवर्ती कादंबरी बांध पिंडवाड़ा से उदयपुर जाने वाले मार्ग पर चल रही नदी में उतरा बाइक सवार संतुलन खो बैठा। युवक निजी फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी अजय कुमार निवासी सीकर जो गावो में लोगों को लोन देने का काम करता है। गनीमत रही की नदी के किनारे वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए खडे पुलिस और लोगों ने पकड लिया। पुलिस के हैड कांनिस्टेबल दिनेश रावल, कांनिस्टेबल शंकर मीणा, मोती राम मीणा वाकई समाजसेवी ने बहते पानी में जाकर पानी में से बाइक सवार युवक को खींच लिया। जिससे उसकी जान बच गई। लेकिन उसकी बाइक नदी में जा गिरी। पानी के बीच पत्थरों में फंस गई।

गौरतलब है कि गत दो दिनों से जिलेभर में तेज बारिश का दौर चल रहा है। सोमवार को सुबह बारिश के चलते तेज गति से नदी रपट पर बह रही है। दोपहर 12 बजे करीब निकटवर्ती कादंबरी बांध सड़क मार्ग पर निर्मित रपट में नदी तेज बहाव के साथ चलने लगी पानी का बहाव तेज होने व सड़क पर तीस फीट तक पानी बहने के कारण दोनों तरफ वाहनों का जाम लग गया था। साथ ही पुलिस थाने के हैड कांनिस्टेबल दिनेश रावल मय जाप्ता क्षेत्र के कुछ ग्रामीण वाहन चालक भी दोनों तरफ खडे हो गए। ताकि यहां कोई हादसा नहीं हो।

विधायक ज्ञानचंद पारख ने जातरूओं को रेल में बैठा मध्य प्रदेश भेजा

ट्रेन के इंतजार में बैठे मध्यप्रदेश के जातरू।

पाली, (नि.सं.)। प्रदेश में लगातार रामदेवरा जाने वाले वाहनों में क्षमता से अधिक सवारियां होने से जातरूओ में बढ़ रही दुर्घटनाओं को लेकर जिला प्रशासन एव पुलिस प्रशासन द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत रतलाम से एक जत्था रामदेवरा से दर्शन कर वापस अपने गांव जा रहा था। उसमें दर्जनों जातरू थे। पुलिस ने उस टेक्टर को सीज किया। पाली शहर के निकट पणिहारी चौराहा जोधपुर मार्ग पर रामदेवरा जाने वाले जातरूओं के लिए आम भंडारे की व्यवस्था की गई है।

यह सभी जातरू वहां पहुंचे एवं अपनी आप बीती बात वहां मौजूद समाजसेवी सुनिल पोद्दार, सुनील गुप्ता,हीरालाल को बताई । इस पर पोद्दार ने विधायक ज्ञानचंद पारख को इस बात से अवगत कराया। इन सभी 60 जातरूओं को सुरक्षा की दृष्टि से पारख ने रेलवे के उच्च अधिकारी से बात की। सभी दर्जनों जातरूओं को पाली विधायक ज्ञानचंद पारख द्वारा सुरक्षित उनके मध्यप्रदेश के रतलाम भेजने हेतु सभी यात्रियों को ट्रेन द्वारा टिकट की व्यवस्था कर गाडी में सुरक्षित रवाना किया गया।

मंत्री शेखावत पूर्व विधायक काका को बधाई देने पहुंचे

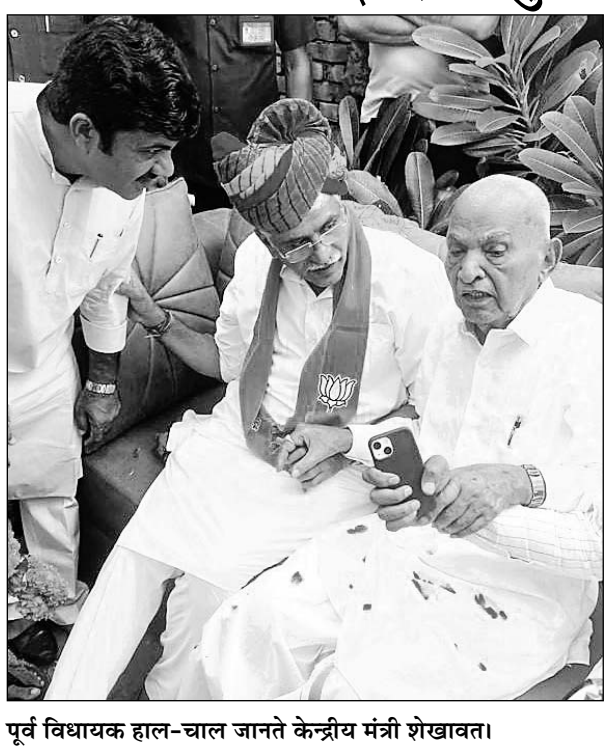

पूर्व विधायक हाल-चाल जानते केन्द्रीय मंत्री शेखावत।

चिड़ावा, (निसं)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत अचानक पूर्व विधायक सुंदरलाल काका के घर पहुंचे और उनको 90 वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस दौरान काका से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और पार्टी से जुड़ी गतिविधियों को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने काका के पुत्र पूर्व प्रधान कैलाश मेघवाल से भी कुछ देर बात की। मेघवाल ने मंत्री को तलवार भेंट कर और साफा पहनाकर अभिनंदन किया। इस मौके पर सूरजगढ़ विधायक शर्मा पूनिया, पूर्व पालिकाध्यक्ष सुभाष शर्मा, सेवा राम गुप्ता, सूरजगढ़ नगरपालिका अध्यक्ष पुष्पा गुप्ता, महेंद्र मोदी, पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह, पार्षद रजनीकांत मान, जगदीश प्राण, पूर्व पार्षद सुरेश जलिंद्रा, विक्की सोलंकी सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नशीली गोलियों के सप्लायर गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले के भोपालगढ़ में अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार, फरार अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत पुलिस थाना खेडापा द्वारा नशीली गोलियों के सप्लायर श्यामलाल को गिरफ्तार किया। इस बीच आरोपी ने भगाने की कोशिश की, जिसका पुलिस ने 2 किमी तक पीछा कर दबोच लिया। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक अनिल कयाल ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ जिले में अभियान चल रहा है। जिस पर एडिशनल एसपी सुनील के पंवार, भोपालगढ़ डिप्टी सुदर्शन पालीवाल के निर्देशन में टीमो का गठन किया गया। पिछले साल 17 जनवरी 2021 को गश्त के दौरान कुलदीप सिंह पुत्र दर्शन सिंह निवासी चक 1 एमएलडी पुलिस थाना सूरतगढ़ जिला गंगानगर व सुनील कुमार पुत्र हरिसिंह निवासी ढाणी राणासर के कब्जे से 2300 अवैध नशीली गोलियां जब्त की गई थी।

2 फरवरी को पुलिस थाना पीलीबंगा में नाकाबंदी में एक मोटरसाइकिल सवार रविशंकर पुत्र डूंगरराम जोशी निवासी पल्लु के कब्ज से अवैध 3950 ट्रमाडोल नशीली गोलियों के साथ गिरफ्तार किया गया। दोनों मामलों में पूछताछ में अवैध नशीली गोलियां आरोपी श्यामलाल के द्वारा सप्लाई करना पाया गया। जिस पर एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण दर्ज कर आरोपी श्यामलाल की तलाश शुरु कर दी गई। एसपी ग्रामीण कयाल ने बताया कि खेडापा थानाधिकारी नेमाराम नेतृत्व में टीम बिराई गांव में पहुंची, जहां पर एक व्यक्ति बावर्दी पुलिस जाब्ता को देखकर भागने लगा।

उनियारा उपखंड क्षेत्र में भारी बारिश, उनियारा गलवा बांध पर चली चादर

पानी में बहने से दम्पत्ति की मौत, कई गांवों का टूटा सम्पर्क,कई जगहों पर घुसा पानी

चौरु/उनियारा, (निसं)। उनियारा उपखण्ड क्षेत्र में भारी बारिश के कारण चारों तरफ बाढ़ के हालात बन गए। वहीं कई सरकारी आवासों, कार्यालयों, विद्युत ग्रेड, थानों, दुकानों तथा मकानों में पानी तक घुस गया तथा कई जगहों पर तेज पानी के बहाव के कारण साधनों की आवाजाही बंद रही।

पलाई क्षेत्र के गांवों जैसे देवरी, भाखरवाडी, रामपुरिया, बालापुरा गांवों का सम्पर्क टूट गया। कई विद्यालयों में अध्यापकों तथा छात्रों की संख्याएं नगण्य रही तथा कई विद्यालयों में पानी घुस गया। वहीं उनियारा शहर में चारों तरफ पानी ही पानी का आलम बना रहा।

उनियारा गलवा बांध की 2 फीट चली चादर:- उनियारा में स्थित गलवा बांध की तेज बारिश होने के कारण चादर चल पड़ी। गलवा बांध पर खबर लिखे जाने तक 2 फीट की चादर चलने के कारण चारों तरफ पानी ही पानी हो गया। चादर चलने की सूचना मिलते ही प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित जगहों पर रहने तथा तेज बहाव क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की। ताकि क्षेत्र में पानी से कोई भी जनहानि नहीं हो। वहीं सवाई माधोपुर रोड को पानी के तेज बहाव को देखते हुए पुलिस ने बेरिकेटिंग लगा कर बंद कर दिया। ताकि किसी भी प्रकार की घटनाएं ना हो। लेकिन तेज बारिश के कारण बाढ़ के बने हुए हालातों तथा बांधों की अपडेट अधिकारियों से लेने की कोशिश की तो उन्होंने अपना फोन रिसीव करना मुनासिब नहीं समझा।

पानी के तेज बहाव में बहने से दम्पत्ति की मौत:- उनियारा उपखण्ड क्षेत्र के अलीगढ़ थाना क्षेत्र के मंडावरा निवासी बाबूलाल पुत्र शिवनारायण जाति मीणा उम्र 50 साल तथा उसकी पत्नी समोदरा मीणा उम्र 48 साल काकरिया खाल के नाले में अपने पाडे को बचाने के चक्कर में बह गए। जिसके चलते हुए दोनों की पानी में डूबने से मौत हो गई। सूचना पर अलीगढ थानाधिकारी नाहर सिंह, सोप थानाधिकारी नरेंद्र सिंह राजावत मय जाप्ते मौके पर पहुंचे तथा लोगों की मदद से दोनों का शव ढूंढ कर सीएचसी अलीगढ ले जाया गया। जहां पर शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

मृतक दम्पती बाबूलाल व समोदरा।

सोप पुलिस ने बहाव वाली जगहों पर पुलिस कर्मियों को किया तैनात:- क्षेत्र में हुई तेज बारिश के कारण बने हालातों को देखते हुए सोप थानाधिकारी नरेंद्र सिंह राजावत ने बहाव वाली जगहों, पुलिया, रपटों पर पुलिस कर्मियों को तैनात किया। ताकि पानी से आमजनों का जीवन सुरक्षित बना रहे। वहीं थानाधिकारी ने अपने थाना क्षेत्र के बहाव वाले क्षेत्रों का मौका मुआयना कर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिससे कोई जनहानि नहीं हो।

मालपुरा में भारी बारिश, बांधों व तालाबों पर चली चादर

मालपुरा के किरावल सागर बांध की चादर चलने का ग्रामीणों ने लुत्फ उठाया।

मालपुरा, (निसं)। मौसम विभाग द्वारा रैड अलर्ट के बाद सोमवार को मालपुरा वृत्त क्षेत्र में हुई भारी बारिश से क्षेत्र के बांध व तालाब लबालब हो गये।

- 12 साल बाद चादर चलने से किसानों में खुशी की लहर

तकरीबन 12 साल बाद किरावल बांध ओवरफ्लो हो चादर चलने से क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। वहीं लावा पंचायत के सुल्तान बांध में क्षमता से अधिक हुई पानी की आवक के बाद बांध की दिवारें टूटने का अंदेशा जता ग्रामीणों ने जेसीबी से चादर तोड़ पानी का दबाव कम किया। वहीं शिव सागर बांध से भी टूटने का अंदेशा होने पर एसडीएम आरके वर्मा व थानाधिकारी सत्यनारायण चौधरी ने सरपंच कमल कुमार जैन की उपस्थिति में जेसीबी मशीन से चादर की मोरी तोड़ पानी का दबाव कम किया।

शहर के प्रमुख जलाशय बम्ब तालाब में 15 साल बाद चादर चलने की मिली सूचना के बाद बड़ी संख्या में लोगों का हुजुम चादर देखने उमड़ पड़ा। टोरडी सागर बांध व चान्दसेन के भैरू सागर बांध भी छलकने की कगार पर है।

भाजपा का मिशन-2023 विस्तारकों के भरोसे

दो चरणों में 200 विधानसभा सीटों पर लगाएंगे विस्तारक

जयपुर। प्रदेश भाजपा 2023 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एक्टिव मोड में आ गई है। इसके लिए अभी से तैयारियो शुरु कर दी है। इसके लिए भाजपा ने फिलहाल करीब 100 विधानसभा सीटों में पर विस्तारक लगाए है। ये विस्तारक बहुत बारीकी से पार्टी के लिए फुल टाइम काम करेंगे। ये विस्तारक 2023 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव तक लगातर फील्ड में एक्टिव रहेंगे। ये ग्रांउड सर्वे और जिताऊ उम्मीदवारों पर भी फीडबैक पार्टी तक पहुंचाएंगे। हाल ही मे जालोर के नन्दगांव में इन विस्तारकों का ट्रेनिंग कैम्प लगाया गया है। संगठन को मजबूत करने, जनाधार बढ़ाने और नेताओं-कार्यकर्ताओं से कॉर्डिनेशन का जिम्मा भी विस्तारकों के पास रहेगा। इन विस्तारकों के लिए भाजपा प्रदेश संगठन ने सभी जिला अध्यक्षों के जरिए पार्टी के एक्टिव कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को विस्तारक पद के लिए सलेक्ट किए जा रहे हैं।

फिलहाल करीब 100 विस्तारक पार्टी ने लगाए है और इन विस्तारकों ने फील्ड में उतरकर अपना काम भी शुरु कर दिया है। भाजपा की ओर से शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म दोनों तरह के विस्तारक लगाए जाएंगे। इसके साथ ही पार्टी की ओर से किसी भी विस्तारक

- **पहले चरण में कमजोर सीटों पर लगाए 100 विस्तारक**

को अपने विधानसभा क्षेत्र में नहीं लगाया जाएगा। उसे दूसरे विधानसभा क्षेत्र का जिम्मा सौंपा जाएगा। ये सभी बूथ कमेटियों, मंडल, शक्ति केंद्र, पन्ना प्रमुख, विधायक, सांसद सभी लेवल पर पार्टी नेताओं के टच में रहकर काम करेंगे। विधानसभा और लोकसभा सीट के तमाम समीकरण इकट्ठा करेंगे। मेन टास्क यह है कि जिन घरों या परिवारों से भाजपा को वोट नहीं मिलते हैं,उन्हें ट्रेस आउट किया जाएगा। लोगों के बीच मेल-जोल बढ़ाकर, उनसे समझाइश कर भाजपा के पक्ष में वोट कास्ट करने के लिए मोटिवेट किया जाएगा। रेग्युलरली ऐसे लोगों से सम्पर्क, उनके हाल-चाल जानने और व्यवहार बनाने का काम भी विस्तारक करेंगे। विधानसभा के बाद मण्डल लेवल पर भी विस्तारक लगाने का विजन है। मण्डल लेवल पर भी दूसरे क्षेत्र के ही कार्यकर्ता को लगाया जाएगा।

भाजपा प्रदेश मंत्री और विस्तारक प्रोग्राम कॉर्डिनेटर विजेन्द्र पूनिया ने बताया भाजपा ने पहले चरण में 100 विस्तारक लगाए हैं, जिन्होंने फिल्ड में उतरकर अपना शुरु कर दिया है। वहीं दूसरे चरण में सितम्बर अक्टूबर में 100 विस्तारक और लगाए जाएंगे। पिछले दिनों राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सशक्त मंडल, सक्रिय बूथ समिति, पन्ना प्रमुख नियुक्ति अभियान और मिशन-2023 का आह्वान किया था। हमारे 200 विस्तारक इस ट्रेनिंग में हिस्सा लेंगे। राजस्थान में 21 सदस्यों की बूथ समितियां बनाने का काम पूरा हो गया है। जिसमें हर मेम्बर की फोटो शामिल है। साथ ही पन्ना प्रमुख नियुक्ति अभियान तेजी से चल रहा है। सभी 52 हजार बूथों पर समितियां और पन्ना प्रमुख का काम पूरा होने के साथ विस्तारकों के जरिए बूथ मैनेजमेंट किया जाएगा। मिशन 2023 विधानसभा और मिशन 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा का काम कैसे मजबूत हो, इसे लेकर विस्तारक लगाए जा रहे हैं।

विस्तारक लगाने के लिए ऐसे नेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जो पार्टी के लिए लम्बे वक्त से सेवाएं देते आ रहे हैं। आगे समय देने को तैयार हैं। सक्रिय कार्यकर्ता हैं। इलाके में लोगों के बीच अच्छी छवि और पकड़ है। पूर्व जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, मोर्चों के नेता, जिले से जुड़े पदाधिकारियों, पूर्व में जिला प्रमुख, उप प्रमुख, मेयर, डिप्टी मेयर, पार्षदों को यह जिम्मेदारी दी जाएगी।

वही विस्तारक अपने-अपने जिम्मे वाले विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की मौजूदा स्थिति, स्थानीय जनप्रतिनिधियों का जनता से मिला फीडबैक, जो दूसरी पार्टियों के वोटर्स हैं, वो क्यों भाजपा से अब तक नहीं जुड़े। पार्टी चुनाव में उतरती है तो क्या स्थिति रहेगी। संभावित उम्मीदवारों और नए चेहरों को लेकर भी जनता का मन टटोलने का काम विस्तारक करेंगे। इन तमाम पॉइंट्स की एक सीक्रेट रिपोर्ट तैयार कर भाजपा प्रदेश नेतृत्व को सौंपी जाएगी। उसके आधार पर पार्टी क्षेत्र के लिए स्पेसिफिक रणनीति तैयार करेगी। विस्तारक केंद्र की मोदी सरकार की जनकल्याण की स्कीम्स, उपलब्धियों को भी लोगों को बताएंगे। ताकि मोदी फेस पर लोग बीजेपी को वोट देने को तैयार हों सकें।

गौरतलब है कि भाजपा ने राजस्थान में 2018 विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी विस्तारकों की नियुक्तियां की थीं। तब 197 विस्तारक तब लगाए गए थे। उन्हें कुल 101 बाइक दी गई थीं। ट्रेनिंग देकर फील्ड में भेजा गया था। पार्टी ने ही विस्तारकों का खर्चा उठाया था।

बसों में माल ढुलाई के खिलाफ सुनवाई कल

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से प्रदेश में चलने वाली निजी बसों को माल ढुलाई का लाइसेंस देने का प्रावधान करने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई 24 अगस्त को तय की है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश मुस्कान खंडेलवाल की पीआईएल पर दिए।

जनहित याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने गत 27 जुलाई को एक नोटिफिकेशन जारी कर निजी यात्री बसों के लिए स्कीम जारी की है। इसके तहत यात्री बसें निर्धारित लाइसेंस लेकर माल की ढुलाई कर सकती हैं। याचिका में कहा गया कि ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड के तहत बस बॉडी की छत पर परिवहन करना नियमों के खिलाफ है। इसके अलावा छत पर माल रखने या यात्रियों को बैठाकर बस चलाना जानलेवा साबित हो सकता है। अब तक ऐसी बसों से कई घटनाएं हो चुकी हैं। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार करोड़ों रुपए कमाने के लिए लोगों की जान से खेल रही है। इसलिए इस नोटिफिकेशन को वापस लिया जाए।

लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, सेना कमांडर उत्तरी कमान और सभी रैंकों ने बहादुर हवलदार सत्यपाल को पूरे सैन्य सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी। सत्यपाल राजौरी सेक्टर में हुए आतंकी हमले के दौरान बहादुरी से लड़े और गंभीर चोटों के कारण दम तोड़ दिया था।

हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय की तीन अपीलों को खारिज किया

अदालत ने छात्रसंघ चुनाव में सिंगल बैंच के आदेश में दखल से इंकार किया

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय के 26 अगस्त हो होने वाले छात्रसंघ चुनाव में अपनी सिंगल बैंच के पूर्व आदेश में दखल देने से इन्कार किया है। सिंगल बैंच ने अपने आदेश में पीजी प्रवेश परीक्षा के परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे छात्र नेताओं को भी चुनाव लड़ने की मंजूरी दी थी। एक्टिंग सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस अनूप ढंड की खंडपीठ ने यह आदेश सोमवार को राजस्थान विश्वविद्यालय की तीन

- **सिंगल बैंच ने अपने आदेश में पीजी प्रवेश परीक्षा के परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे छात्र नेताओं को भी चुनाव लड़ने की मंजूरी दी थी**

अपीलों को खारिज करते हुए दिए।

अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि एक ओर तो विश्वविद्यालय द्वितीय और तृतीय वर्ष के उन विद्यार्थियों को चुनाव की मंजूरी दे रहा है, जिनका परिणाम नहीं आया है। वहीं पीजी की प्रवेश परीक्षा दे चुके विद्यार्थियों को परिणाम नहीं आने का हवाला देकर चुनाव से रोका जा रहा है। आखिरकार विवि छात्र किसे मान रहा है।

अपील में विवि की ओर से एकलपीठ के आदेश को चुनौती देते हुए कहा गया कि जो विद्यार्थी छात्रसंघ का सदस्य ही नहीं है, उसे चुनाव लड़ने की अनुमति कैसे दी जा सकती है। सिंडिकेट भी 13 अगस्त 2022 को आदेश जारी कर उन्हें अयोग्य ठहरा चुका है। चुनाव की नोटिफिकेशन जारी हो चुकी थी, इसलिए एकलपीठ को चुनाव प्रक्रिया में दखल नहीं देना चाहिए था। इसके अलावा प्रवेश परीक्षा में 17 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए हैं, लेकिन सीटें सिर्फ तीन हजार चार सौ ही हैं। ऐसे में सिर्फ प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के आधार पर ही चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने एक शातिर मोबाइल चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से पांच चोरी के मोबाइल बरामद किए है। थानाधिकारी गयासुदीन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित जाविद उर्फ चुहा (26) मथुरा (यूपी) हाल शांति कॉलोनी ट्रांसपोर्ट नगर का रहने वाला है। आरोपित नशा करने का आदि है। वह राहगीरों की जेब से और पार्क और सुनसान क्षेत्रों में सो रहे लोगों के मोबाइल चुरा कर उन्हे बेच कर नशे की पूर्ति करता है।

सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क है। पूरे जयपुर में सड़कों के यही हाल हैं। सीकर रोड, रोड नम्बर एक पर यही नजारा नजर आ रहा है।

प्रदेश में करोना से हो रही मौतों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी

राज्य में इस बीमारी से पिछले सात दिनों में 21 लोगों की मौत हो चुकी है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या भी अब तेजी से बढ़ने लगी है। राज्य में पिछले सात दिन में इस बीमारी से 21 मरीजों की मृत्यु हो चुकी है। सोमवार को भी राज्य में करोना से लगातार दूसरे दिन भी चार लोगों की मौत हुई है। वहीं इस बीच 425 नए संक्रमित मिले हैं।

प्रदेश में सोमवार को करोना से जयपुर में 3 और सवाई माधोपुर में 1 संक्रमित की मौत हुई है। राज्य में 16 से 22 अगस्त तक सात दिनों में 21 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। हालांकि, अब तक इस बीमारी से राज्य में 9614 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा मौतें जयपुर जिले में हुई है।

उधर पिछले चौबीस घंटों में प्रदेश के 26 जिलों में 425 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को इनकी संख्या 402 रही थी। राज्य में आज भी सर्वाधिक 195 नए संक्रमित जयपुर में

- **सोमवार को जयपुर में तीन और सवाई माधोपुर में एक संक्रमित की मृत्यु हुई है।**
- **प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 425 नए संक्रमित मिले, इनमें सर्वाधिक 195 मरीज जयपुर में पाए गए हैं।**

मिले हैं। इसके अलावा भरतपुर में 27, जोधपुर में 25, अजमेर में 24, भीलवाड़ा में 18, उदयपुर में 16, राजसमंद में 15, प्रतापगढ़ व सिरोही में 12-12, बूंदी व चित्तौड़गढ़ में 11-11, नागौर, पाली व बीकानेर में 8-8, सवाई माधोपुर में 7, अलवर में 6, झुंझुनूं में 5, डूंगरपुर में 4, कोटा में 3, बांसवाड़ा, झालावाड़ व जैसलमेर में 2-2 तथा गंगानगर, हनुमानगढ़, जालोर और सीकर में एक-एक नया संक्रमित मिला है।

राज्य में सोमवार को भी रिकवरी में सुधार हुआ है। इस दौरान 741 मरीज ठीक हुए हैं। प्रदेश में नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर 3924 रह गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 1480 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा भरतपुर में 413, अलवर में 378 और उदयपुर में 215 लोगों का इलाज चल रहा हैं।

राजधानी जयपुर में रविवार को 36 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 41 नए मरीज सांगानेर में पाए गए हैं। इसके अलावा जगतपुरा में 22, मानसरोवर में 16, मालवीय नगर में 12, दुर्गापुरा में 9, झोटवाड़ा व सोड़ाला में 8-8, दूदू में 7, वैशाली नगर में 6, बस्सी में 5, बापू नगर व सी-स्कीम में 4-4, गांधी नगर व गर्जुर की थड़ी में 3-3, अजमेर रोड, बनीपार्क, सिविल लाइन, गोविंदगढ़, जवाहर नगर, जौहरी बाजार, मुरलीपुरा व निर्माण नगर में 2-2 तथा अम्बावाड़ी, बगरू, बजाज नगर, चांदी की टकसाल, चांदपोल, गोपालपुरा, जमवारामगढ़, झालाना डूंगरी, कोटपूतली, फागी, पुरानी बस्ती, शास्त्री नगर, सिरसी रोड, सुभाष चौक, विद्याधर नगर और जामडोली में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 22 संक्रमितों का पता गलत मिला है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 272 मरीज ठीक हुए हैं।

एक और पाक जासूस गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस इंटेलिजेंस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के मामले में मुम्बई के युवक फैजल को हिरासत में लिया है। दिल्ली से मुम्बई भेजी गई 5 मोबाइल सिम इसी युवक ने ली थी और उसने सभी सिम मुम्बई से दुबई भेज दी। राजस्थान इंटेलिजेंस अब दुबई की कड़ी खंगालने में जुटी है। राजस्थान इंटेलिजेंस की पकड़ में आए भीलवाड़ा निवासी नारायणलाल गाडरी, मूलत: पाकिस्तान हाल दिल्ली निवासी भागचंद और मुम्बई से हिरासत में लिया गया फैजल एक दूसरे को जानते तक नहीं। इन तीनों को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी का हैंडलिंग अफसर टारगेट देता और ये हैंडलिंग अफसर के बताए अनुसार काम करते हैं। सूत्रों के मुताबिक भीलवाड़ा निवासी गाडरी को दिल्ली की एक ट्रेवल एजेंसी का पता बताकर पांच मोबाइल सिम पार्सल के जरिए भिजवाई। दिल्ली में भागचंद को ट्रेवल एजेंसी से सिम का पार्सल लेकर मुम्बई के पते पर भेजने का टारगेट दिया। मुम्बई में सिम पहुंचने पर फैजल को उन्हें लेकर दुबई भेजने के निर्देश दिए। तब फैजल ने सिम दुबई भिजवा दी। गौरतलब है कि राजस्थान इंटेलिजेंस ने कुछ दिन पहले जासूसी के मामले में 10 लोगों को हिरासत में लिया था।

पुजारियों को वेतन-भत्ते व सुरक्षा मिले : पाठक

जयपुर, (का.सं.)। ब्राह्मण समाज राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अंबिकाप्रकाश पाठक ने राज्य सरकार से मांग की है कि राज्य में विभिन्न स्थानों पर मंदिरों में पूजा अर्चना कर रहे पुजारियों के लिए वेतन भत्ते तय किए जाएं। इसके साथ ही पाठक ने विभिन्न कॉलोनियों की विकास समितियों के लिए गाइडलाइन भी जारी करने की मांग की है।

इसके साथ ही पुजारियों की रक्षा के लिए अलग से सेल का गठन किया जाए जो मंदिरों में जाकर समय-समय पर पुजारियों की रक्षा कर सके। इसकी जानकारी देते हुए पाठक ने बताया कि राज्य के ग्रामीण इलाकों के साथ ही शहरी इलाकों में कई मंदिर ऐसे हैं जहां पुजारी परिवार वर्षों से सेवा पूजा करते आ रहे हैं उनके लिए कोई वेतन भत्ता भी निर्धारित नहीं है। इसके कारण कई पुजारियों को तो वर्षों से अभावों में जीवन यापन करना पड़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में विकास समितियों के पदाधिकारी पुजारियों को परेशान कर रहे हैं। मुरलीपुरा की शंकर विहार कॉलोनी में हाल ही पुजारी गिर्राज ने विकास समिति के पदाधिकारियों से परेशान होकर आत्मदाह कर लिया। इस घटना के बाद पूरा ब्राह्ण समाज आंदोलित है और पुजारी गिर्राज के लिए न्याय मांग रहा है। इससे पहले करौली जिले के सपोटर के निकट एक

- **विभिन्न कॉलोनियों की विकास समितियों के लिए गाइडलाइन भी जारी करने की मांग**

गांव में पुजारी ने ग्रामीणों से परेशान होकर आत्मदाह कर लिय था। ये घटनाएं तो बानगी भर है जबकि हकीकत इससे भी अधिक डराने वाली है। मंदिर माफी की जमीन के लिए पुजारियों को परेशान किया जा रह है और आए दिन उन पर हमले हो रहे हैं। वहीं शहरों में भी मंदिरों में पुजारियों को पर्याप्त सम्मान नहीं मिल रहा है और कॉलोनी की विकास समिति के लोग पुजारियों को परेशान कर रहे हैं।

"महिला निधि" का शुभारम्भ 26 को

जयपुर, (का.सं.)। महिला समानता दिवस (26 अगस्त, शुक्रवार) के अवसर पर होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री अषोक गहलोत स्वयं सहायता समूह सदस्यों की प्रथम महिला निधि "राजस्थान महिला निधि कॉपरेटिव क्रेडिट फैडरेशन" का लोकार्पण करेंगे।

जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी, कन्वेशन हॉल में प्रात: 12 बजे से पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री रमेश चन्द मीना की उपस्थिति में होने वाले इस समारोह में स्वयं सहायता समूह एवं विभिन्न योजनाओ से लाभान्वित 10,000 महिलाएं शामिल होंगी। साथ ही कई वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की प्रमुख शासन सचिव अपर्णा अरोरा ने एक प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी।

चोरी की बाइक के साथ बदमाश पकड़ा

जयपुर। चित्रकूट थाना पुलिस ने एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। एसीपी (वैशाली नगर) आलोक कुमार सैनी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित आंनद सिंह बिसाउ जिला झुंझुनु हाल हाथोज का रहने वाला है। उसके कब्जे से एक चोरी की बाइक बरामद की है।

पार्क में किशोरी से दुष्कर्म

जयपुर (कासं)। गलता गेट इलाके में एक किशोरी से पार्क में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। थानाधिकारी मुकेश खरड़िया ने बताया इलाके निवासी व्यक्ति ने रिपोर्ट दी है। आरोप है 21 अगस्त की रात करीब 3 बजे हारून उसकी 16 वर्षीया बेटी को ग्रीन वैली पार्क ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। उधर मुहाना थाने में 30 वर्षीया महिला ने परिचित सुमन कुमार के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। आरोप है कि युवक उसे केसर चौराहे पर ले गया, जहां एक कमरे में उसके साथ दुष्कर्म किया।

सौरभ जैन ने 24 घंटे की नॉन स्टॉप स्पीच देकर बनाया कीर्तिमान

जयपुर, (का.सं.)। मोटिवेशनल गुरु सौरभ जैन ने बिना खाए-पिए और न बैठे, न सोए 24 घंटे की नॉन स्टॉप स्पीच देकर अपना ही 16 घंटे 18 मिनट का विश्व कीर्तिमान तोड़ नया विश्व कीर्तिमान बनाया। गौरतलब है कि जयपुर लर्निंग फेस्टिवल का यह महाकुंभ यहां बिड़ला सभागार में 21 अगस्त को प्रात: 9 बजे शुरू हुआ जो अगले दिन 22 अगस्त को प्रात: 9 बजे तक जारी रहा। इस दौरान मोटिवेशनल गुरु सौरभ जैन

- **जयपुर लर्निंग फेस्टिवल का समापन**

ने दैनिक जीवन से जुड़े प्रासंगिक विषयों पर अपनी स्पीच अविरल रखते हुए नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया।

आजादी का अमृत महोत्सव में हुए महाकुंभ में सात विश्व कीर्तिमान बने। इनमें व्यक्तित्व विकास और जीवन कौशल प्रबंधन पर 24 घंटे बिना रुके भाषण, सिंगल इवेंट फेसबुक पर 3000 से अधिक लोगों की तरफ से लाइव, यू ट्यूब और फेस बुक पर 24 घंटे से अधिक समय तक लाइव, 500 से अधिक संगठनों ने आयोजन का समर्थन किया, 150 से अधिक प्रतिभागी सौरभ

सौरभ जैन (दायें से दूसरे)।

जैन के भाषण को 8 घंटे से अधिक समय तक सुनते रहे, सौरभ जैन वक्ता ने अपने भाषण के दौरान बिना किसी नोट की सहायता के 300 से अधिक कहानियां, उपाख्यान साझा किए, इसके अलावा गूगल व्यापार पृष्ठ पर केवल 24 घंटों में 2000 से अधिक लोगों ने रेटिंग प्राप्त की जैसे कीर्तिमान भी बने। सौरभ जैन ने टाइम मैनेजमेंट, इमोशनल इंटेलिजेंस, डिसिजन मेकिंग, कम्युनिकेशन स्किल, स्ट्रेस मैनेजमेंट, बेस्ट यूज़ ऑफ ब्रेन, मेमोरी इम्प्रूवमेंट, पॉजिटिव थिंकिंग व ऐटिट्यूड, लीडरशिप, करियर प्लानिंग, रिलेशनशिप, कॉन्फिडेंस, सोशल मिथ्स आदि 50 अधिक जीवन के महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी स्पीच कवर की। इस दौरान सौरभ जैन ने स्टेज पर 5-6 मीटर के दायरे में खड़े रह कर ही स्पीच दी। इस दौरान 40 घंटे तक खाने- पीने का पूर्णत: त्याग रहा। धारा प्रवाह, आवाज, गति एवं ऊर्जा स्पीच की शुरुआत से अंत तक बनी रही।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एआरएल इन्फोटेक लिमिटेड के प्रवर्तक नंद किशोर पहाड़िया, शांता देवी पहाड़िया, प्रमोद पहाड़िया, नीना पहाड़िया पदम कासलीवाल, नीता कासलीवाल एवं सुनीता जैन, चक्रेश जैन एवं चेतना जैन मौजूद रहे। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी राजकुमार बैद ने बताया कि कार्यक्रम में सौरभ के साथ 150 से अधिक व्यक्तियों ने 8 घंटे से अधिक एवं महेंद्र गिरधरवाल ने 24 घंटे तक लगातार स्पीच सुनकर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया।

आईएएस यज्ञमित्र सिंह देव से बदसलूकी मामले की न्यायिक जांच में दोषी तीनों पार्षद बर्खास्त

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम जयपुर के पूर्व आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव के साथ बदसलूकी मामले की न्यायिक जांच में दोषी पाए गए तीन पार्षदों अजय सिंह चौहान, पारस जैन और शंकर शर्मा को बर्खास्त कर दिया है। साथ ही तीनों पार्षदों पर 6 साल तक चुनाव लड़ने का प्रतिबंध भी लगाया है। इस संबंध में स्वायत्त शासन निदेशक ह्रदयेश शर्मा ने सोमवार को आदेश जारी किया है।

सूत्रों की मानें तो 10 अगस्त 2022 को पूरी हुई न्यायिक जांच में ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर भी दोषी मिली है, लेकिन उनके खिलाफ कार्रवाई से पहले राज्य सरकार विधिक राय ले रही है। क्योंकि निलंबन के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सौम्या गुर्जर ने पुन: कुर्सी संभाली थी। ऐसे में राज्य सरकार की जमकर किरकरी हुई थी। इस बार यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल से लेकर पूरा महकमा जल्दबाजी में ऐसा कोई आदेश जारी नहीं करना चाहता, जिसे लेकर बाद में दुबारा फजीहत हो।

ज्ञात रहे कि 4 जून 2021 को सफाई की वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर महापौर सौम्या गुर्जर के दफ्तर में हुई बैठक में यज्ञमित्र सिंह देव से बदसलूकी का

- **स्वायत्त शासन निदेशक ने बर्खास्तगी के आदेश में तीनों पार्षदों पर 6 साल तक चुनाव लड़ने का प्रतिबंध भी लगाया**

मामला सामने आया था। बैठक को बीच में छोड़कर बाहर निकले तत्कालीन निगम कमिश्नर यज्ञमित्र सिंह ने पार्षद अजय सिंह चौहान, पारस जैन और शंकर शर्मा पर महापौर सौम्या गुर्जर की शह से बदसलूकी किये जाने का आरोप लगाया था और राज्य सरकार को शिकायत की थी। यहां तक कि खुद के लिए पुलिस सुरक्षा भी मांगी थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने 6 जून 2021 को आदेश देकर सौम्या गुर्जर के साथ-साथ पार्षद अजय सिंह चौहान, पारस जैन और शंकर शर्मा को निलंबित कर दिया था। साथ ही न्यायिक जांच भी शुरू कर दी थी। 7 जून को शील धाभाई को कार्यवाहक महापौर बनाया था। इसके बाद सौम्या गुर्जर राज्य सरकार के निलंबन आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची और वहां से मिले स्टे के आधार पर पुन: आकर महापौर की कुर्सी पर काबिज हुई थी। सौम्या गुर्जर को स्टे मिलने के कारण राज्य सरकार की जमकर किरकिरी हुई थी।

आईएएस यज्ञमित्र सिंह के साथ सौम्या गुर्जर व तीनों पार्षदों के इस विवाद की न्यायिक जांच करीब 14 महीने बीतने बाद 10 अगस्त 2022 को पूरी हुई। इसके बाद से तीनों पार्षद लगातार स्वायत्त शासन मुख्यालय में धरना देकर न्यायिक जांच की रिपोर्ट मांग रहे थे। इसी बीच राज्य सरकार ने पहले तो हाईकोर्ट में चल रहे कैवियट दायर की और सोमवार को स्वायत्त शासन निदेशक ह्रदयेश शर्मा ने आदेश जारी कर वार्ड 39 के पार्षद अजय सिंह चौहान, वार्ड 72 के पार्षद पारस जैन और वार्ड 103 के पार्षद शंकर शर्मा को बर्खास्त कर दिया। चर्चा है कि महापौर सौम्या गुर्जर के खिलाफ कार्रवाई से पहले राज्य सरकार अतिरिक्त महाधिवक्ता से राय ले रही है। इस राय के आधार पर ही आगे कदम उठाया जायेगा। माना जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट में न्यायिक जांच की रिपोर्ट पेश करने के बाद ही राज्य सरकार सौम्या गुर्जर पर कोई एक्शन लेगी।

कोटा शहर में भारी बारिश से बाढ़ के हालात बने

कोटा बैराज के 14 गेटों को खोलकर 340000 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है

कोटा (निसं)। संभाग में रविवार शाम से हुई तेज बारिश के चलते बाढ जैसे हालात हो गए हैं। निचले इलाकों में बारिश का पानी भर गया है। रविवार रात से ही लगातार बारिश हो रही है। इसके चलते आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है।कोटा और बूंदी कलेक्टर ने भी जिले के सरकारी और निजी स्कूल में अवकाश घोषित कर दिया है। इसके साथ ही कोचिंग संस्थानों ने भी अपनी कक्षाएं सोमवार के लिए स्थगित कर दी हैं। जिसके बाद सभी छात्रों को हिदायत दी है कि हॉस्टल से बाहर नहीं निकलें।

कोटा से गुजर रहे प्रमुख मार्ग भी बाधित हो गए हैं। इनमें कोटा-सांगोद और कोटा ग्वालियर, सवाईमाधोपुर, श्योपुर शामिल है। दूसरी तरफ पूरा शहर बारिश से पानी-पानी हो गया है। शहर की कई सड़कों पर पानी का दरिया बह रहा है। इनमें मुख्यता प्रेमनगर, बजरंग नगर और जवाहर नगर इलाके की सडकें शामिल हैं। बजरंग नगर इलाके से निकल रहा नाला भयंकर बारिश के चलते उफान पर है और जिसका पानी त्रिवेणी आवास व आदित्य आवास सहित कई कॉलोनियों में प्रवेश कर गया है। शहर के जवाहर नगर नाले का पानी भी ओवरफ्लो हो गया । तलवंडी और जवाहर इलाके में मकानों में घुस गया। इसके साथ ही जवाहर नगर मेन रोड पर भी दुकानों में पानी प्रवेश कर गया। अभी भी लगातार बारिश का क्रम जारी है। जिले में करीब 15 घंटों में करीब 9 इंच बारिश हुई है। बोरखेडा, रायपुरा, देवली अरब रोड, अनंतपुरा सहित कई इलाकों में जलभराव की स्थिति हो गई है। सैकड़ों की संख्या में कॉलोनियों में पानी भर गया है। जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए हैं।

चंद्रलोई नदी उफान पर होने के कारण कोटा-सांगोद मार्ग पर भी आवागमन बाधित हो गया और आसपास की सैकड़ों बस्तियां जलमग्न हो गई।

- चंद्रलोई नदी में पानी की भारी मात्रा में आवक होने से कैथून कस्बा दो हिस्सों में बंटा
- कई इलाकों में पानी भरा, प्रशासन ने रेस्क्यू किया

ऐसे में निचले इलाकों में रेस्क्यू भी नगर निगम की टीम शुरू कर सकती है। कुछ समय में ही नगर निगम की गोताखोर और रेस्क्यू टीम नाव इन इलाकों में चला सकती है। इसके अलावा आरएसी और एसडीआरएफ की मदद भी ली जा सकती है। कुछ कच्चे मकान भी कच्ची बस्तियों में गिरे हैं। मौसम विभाग ने कोटा संभाग में 21 और 22 अगस्त के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। जिसमें हिदायत दी थी कि कोटा में 115 से 205 मिलीलीटर बारिश तक की बारिश हो सकती है।

कैथून कस्बा दो हिस्सों में बंटा:- भारी बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं। इसके चलते चंद्रलोई नदी में भी भारी मात्रा में पानी की आवक हो रही है। कैथून कस्बे को इस नदी ने दो हिस्सों में बांट दिया है। कस्बे के बीच से गुजर रही नदी के पुलिया पर साढ़े तीन फीट पानी है। जिसके चलते कोटा सांगोद मार्ग पर भी आवागमन बाधित हो गया है। साथ ही इस नदी के आसपास की सैकड़ों बस्तियां जलमग्न हो गई हैं। जिनमें चार से पांच फीट पानी भर गया है। नगर निगम के कैथून के पार्षद दीनदयाल गौतम दीनू ने बताया कि रामनगर, मीरा बस्ती, सुमन विहार, ईदगाह बस्ती सहित आसपास की कई बस्तियां जलमग्न हो गई है। चंद्रलोई नदी में पानी का स्तर तेजी से पानी बढ रहा है। इसके चलते मोटर बस स्टैंड पर एहतियातन दुकानदार अपनी दुकानों को भी समेट रहे हैं और सामानों को ऊंचे स्थान पर ले जा रहे हैं।

कोटा बैराज के 14 गेटों को खोला गया:- दूसरी तरफ गांधी सागर बांध से भी लगातार पानी छोडा जा रहा है। इसके साथ ही लोकल इनफ्लो भी चंबल नदी में बढ गया है जिसके चलते कोटा बैराज के 14 गेटों को खोलकर 340000 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही। साथ ही उम्मीद जताई जा रही है कि अगर इसी तरह से बारिश चलती रही और गांधी सागर से भी पानी की निकासी की गई, तब यह निकासी 4 लाख से भी ज्यादा जा सकती है। दूसरी तरफ जवाहर सागर बांध से 340000 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। यह निकासी बढने पर अलर्ट जारी किया है। जिसमें चंबल के नजदीकी लो लाइन एरिया में पानी भराव की संभावना रहेगी।

आरपीएस डैम के सहायक अभियंता हरीश तिवाडी का कहना है गांधी सागर बांध से डेढ़ लाख की उसे की निकासी की जा रही है, लेकिन आरपीएस डैम के कैचमेंट एरिया में आने वाली गुंजाली नदी में भी करीब डेढ लाख क्यूसेक पानी आ रहा है।दूसरी तरफ जवाहर सागर बांध के कैचमेंट एरिया में आ रही ब्रह्माणी नदी में भी 80000 क्यूसेक से ज्यादा पानी की आवक हो रही है। ऐसे में निकासी को बढ़ाकर चार लाख किया जा सकता है।

इन इलाकों तक पहुंचा पानी का खतरा:- प्रशासन की ओर से नयापुरा इलाके में चंबल की निचली बस्तियों में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। प्रशासन ने एहतियातन तौर पर निचली बस्तियों में लोगों को निकालने के लिए निर्देशित किया है। वहां पर नगर निगम की टीम ने मुनादी भी की है. जिससे मथुराधीशजी के घाट के पास देवस्थान व घाट, जामा मस्जिद के पास नाले वाली मस्जिद की गोलाकार दीवार, शवदाह घाट, कर्बला क्षेत्र तक, राज्य पथ परिवहन अड्डे के पास पुलिया के पास तेज पानी आने की संभावना रहेगी। इसके साथ ही नयापुरा इलाके में ना के चुनरी की दूसरी सीधी तक पानी पहुंचेगा वही रतनलाल नाई और बक्शलाल चाय वाले की दुकान खाली करवाना होगा।

तिरुपति आवास में शुरू हुआ रेस्क्यू:- नगर निगम की रेस्क्यू टीम भी थेकडा इलाके के तिरुपति आवास में पहुंच गई है। जहां पर घरों में कैद लोगों को निकाला जा रहा है इसमें नाले के नजदीक स्थित कॉलोनी में तेज बहाव के चलते पानी प्रवेश कर गया था। करीब 7 से 8 फीट पानी यहां पर सडकों पर था और मकानों में 1 से 2 फीट पानी आ गया था। जिसके चलते लोगों को निकालने का काम नगर निगम की रेस्क्यू टीम ने गोताखोर विष्णु सारंगी के नेतृत्व में शुरू कर दिया है। मौखापाडा स्थित सरकारी पशु चिकित्सालय के पास स्थित सरकारी स्कूल विद्यालय की दीवार भी टूट गई है।

जिला कलेक्टर ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया

बूंदी (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने सोमवार को लगातार हो रही बारिश से प्रभावित क्षेत्रों तथा जल भराव वाले स्थानों का दौरा कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव भी साथ रहे। जिला कलेक्टर ने महावीर कॉलोनी, जवाहर नगर, सब्जी मण्डी, बहादुर सिंह मार्ग, नैनवा रोड नाले का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने नगर परिषद आयुक्त को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर पानी का जमाव ज्यादा है, वहां पानी की निकासी करवाई जावे।जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर राहत कार्यों की पूरी तैयारी रखी जावे। किसी भी स्थान पर कोई प्रभावित व्यक्ति होने की जानकारी मिलने पर तुरंत राहत पहुंचाई जावे। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों पर निगरानी रखी जावे। साथ ही जिन स्थानों पर रसद सामग्री की आवश्यकता है, वहां रसद सामग्री पहुंचाई जाए।

जिला कलेक्टर की सतर्कता बरतने की अपील लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर जिला कलक्टर ने आमजन से विशेष सकर्तकता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लगातार

- जल जमाव वाले स्थानों से पानी की निकासी करवाने के निर्देश दिए
- स्कूलों में 23 अगस्त का अवकाश घोषित

हो रही बारिश के चलते नदी नाले उफान पर है। इसलिए ऐसे स्थानों से दूर रहे। इसके अलावा बिजली के खंभे, जर्जर भवनों से भी दूरी रखें और विशेष सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि कोटा बैराज के गेट खोलने से जिले के ऐसे निचले इलाके जहां पानी भरने की संभावना बनी रहती है। ऐसे स्थानों से निकलकर लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंच जाए। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर आपदा प्रबंधन के दूरभाष नम्बर 0747-2442305 पर सूचना दी जावे।

जिले में भारी वर्षा की स्थिति को देखते हुए जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने 23 अगस्त को 12 कक्षा तक के सभी राजकीय, निजी एवं अन्य शैक्षिणक संस्थानों में अवकाश घोषित किया है।

स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में कोटा की बेटी ने गोल्ड मेडल जीता

कोटा, (निसं)। 20वीं स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप (राइफल व पिस्टल) ओयसिस शूटिंग रेंज जगतपुरा जयपुर में 12 से 21 अगस्त तक आयोजित की गई, जिसमें वक्फ नगर निवासी कोटा की बेटी सफिया ईरम ने जुनियर वर्ग में गोल्ड मेडल हासिल कर कोटा का नाम गौरवान्वित किया है।

स्टेट लेवल की इस चैंपियनशिप में साफिया को उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा, वह पूर्व में भी स्टेट लेवल पर गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं, इसके साथ ही दो बार सिल्वर मेडल वह नेशनल में जीत चुकी हैं। सफिया पूर्व में नेशनल जुनियर 300 मीटर में भी गोल्ड जीत चुकी है। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश से करीब 4 हजार प्रतिभागियों ने विभिन्न वर्ग में भाग लिया। महिला जूनियर वर्ग में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें उन्होंने 50 मीटर में गोल्ड हासिल किया है। राजस्थान राइफल एसोसिएशन की ओर से उन्हें

- नेशनल जुनियर 300 मीटर में भी गोल्ड जीत चुकी है

कोटा की बेटी सफिया ईरम (बीच में) ने जुनियर वर्ग में गोल्ड मेडल हासिल कर कोटा का नाम गौरवान्वित किया है।

शुभकामनाएं प्रेषित की है। सफिया ने कहा कि वह नेशनल और उसके बाद इंटरनेशल में गोल्ड जीतना चाहती हैं, जिसके लिए तैयारी करेंगी। सफिया के पिता मोहम्मद शहाबुद्दीन ने बताया कि सफिया लम्बे समय से शूटिंग कर रही है, पूर्व में भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया। कोटा पहुंचने पर साफिया का परिवार सहित अन्य खेल प्रेमियों ने भव्य स्वागत किया।

'किसान 72 घंटे में फसल खराबे की सूचना दें'

कोटा, (निसं)। जिले में वर्षा का दौर लगातार जारी रहने के कारण खरीफ फसलें प्रभावित होने की संभावना हैं, जिन किसानों द्वारा खरीफ फसल के तहत फसल बीमा करा रखा है, वे किसान 72 घंटे के अन्दर ऑनलाईन फसल खराबे की सूचना जिले की संसूचित बीमा कम्पनी को दे। उप निदेशक कृषि विस्तार खेमराज शर्मा ने बताया कि किसान 72 घंटे के अन्दर ऑनलाईन फसल खराबे की सूचना जिले की संसूचित बीमा कम्पनी बजाज एलायंज जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लि. के टोल फ्री नम्बर 18002095959 पर व कम्पनी के फार्ममित्र ऐप के माध्यम से दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि कृषकों को 72 घण्टे में ऑनलाईन शिकायत दर्ज करवाना आवश्यक है यदि शिकायत दर्ज कराते समय वांछित सूचना उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो सात दिवस में पूर्ण सूचना निर्धारित प्रपत्र में सम्बन्धित बीमा कम्पनी को आवश्यक रूप से उपलब्ध करवानी होगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की अधिसूचना के अनुसार फसल खराबे की सूचना निर्धारित अवधि तक नहीं देने पर बीमा क्लेम नहीं मिल पायेगा, जिसके लिये कृषक स्वयं जिम्मेदार रहेगा।

डेंगू रोधी अभियान का आगाज

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओपी सामर ने पोस्टर का विमोचन किया।

बूंदी (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आगामी 22 अगस्त से डेंगू रोधी अभियान का आगाज किया गया। इस अभियान की शुरूआत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ओ पी सामर ने पोस्टर विमोचन कर की।सीएमएचओ डॉ.ओ.पी.सामर ने स्वास्थ्य भवन में पोस्टर का विमोचन किया।

उन्होंने कहा कि जिले में आमजन को डेंगू व मलेरिया से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से इसकी रोकथाम के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं, उनको गति प्रदान की जाएगी । डेंगू रोधी अभियान के पोस्टर विमोचन के अवसर पर आरसीएचओ डॉ.पी.सी.मीणा ,सीएमएचओ स्टाफ सहित एनएचएम यूनिट के सदस्य भी मौजूद रहे।

दो सितम्बर तक चलेगा अभियान:- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ पी सामर ने बताया कि डेंगू रोधी अभियान में एंटीलार्वा, सर्वे, सैम्पलिंग और अन्य जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। डेंगू रोधी अभियान 22 अगस्त से प्रारंभ होकर आगामी दो सितंबर तक चलेगा।

उन्होंने बताया कि बारिश के पानी के ठहराव के कारण मौसमी बीमारियों के फैलने की आशंका के चलते स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेंगू रोधी अभियान का संचालन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत विभागीय टीमें नियमित सर्वे, सोर्स रिडक्शन, एंटीलार्वा, लार्वा प्रदर्शन व एंटी अडल्ट गतिविधियों के आयोजन के साथ ही आमजन को डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया व अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव व रोकथाम हेतु जागरूक करेंगी। इसके साथ ही बुखार के रोगियों को चिन्हित कर सैंपल लिए जाएंगे।

ये हैं डेंगू के शुरूआती लक्षण:- डॉ सामर ने बताया कि डेंगू के शुरुआती लक्षणों में रोगी को तेज ठंड लगती है, भूख कम लगती है, सिरदर्द, कमरदर्द, चमड़ी पर लाल धब्बे होना और आंखों में तेज दर्द हो सकता है। इसके साथ ही उसे लगातार तेज बुखार रहता है। इसके अलावा जोड़ों में दर्द, बेचैनी, उल्टी, लो ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इन लक्षणों को पहचानकर व्यक्ति बिना देरी के चिकित्सक से मिले और इसका उपचार करवाए। इस दौरान अधिक से अधिक तरल पेय पदार्थ लेने चाहिए और आराम करना जरूरी है। बुखार होने पर केवल पेरासिटामोल दवा लें और तुरंत चिकित्सक को दिखाएं।

नवसृजित उचित मूल्य की दुकानों के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित

कोटा, (निसं)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जिले में रिक्त एवं नवसृजित उचित मूल्य की दुकानों के लिये इच्छुक एवं पात्र व्यक्तियों से राजस्थान खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक पदार्थ वितरण का विनियमन के तहत जारी आवंटित साक्षात्कार के पश्चात रिक्त रही उचित मूल्य दुकान के प्राधिकार पत्र जारी किये जाने के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। जिला कलक्टर ओपी बुनकर ने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा जारी उचित मूल्य दुकानों के आवंटन के लिए दिशा-निर्देशों के अनुसार आवेदन पत्र जिला रसद अधिकारी के कार्यालय में 100 रूपये का भारतीय पोस्टल आर्डर अथवा डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा कराया जाकर 24 से 8 सितम्बर तक सांय 6 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं।

'मौसमी बीमारियों को लेकर विशेष सतर्कता बरतें'

बूंदी (निसं)। पेयजल, विद्युत, मौसमी बीमारियों संबंधी साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को जिला कलेक्टर डॉ.रविन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

जिला कलेक्टर ने जिले में चिकित्सा व्यवस्था एवं सुविधाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिला अस्पताल में रात्रि एवं शाम को ऑन कॉल कंन्सटेंट चिकित्सक के नाम व मोबाइल नम्बर लिखवाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि चिकित्सालय में साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जावे। साथ ही अस्पताल परिसर में स्वच्छता रखी जावे। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल में रात्रिकालीन में होने वाले प्रसवों की जानकारी भी दी जावे। उन्होंने कहा कि मौसमी बीमारियों को लेकर विशेष सतर्कता बरती जावे।

बैठक में जिला कलेक्टर ने पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश कि जिन स्थानों पर पेयजल संबंधी समस्या है, उसका तुरंत निस्तारण किया जाए। सुपर क्लोरीनेशन के बाद ही पानी की सप्लाई हो। इसके अलावा पेयजल के नियमित रूप से सेम्पल लिए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिले। शटडाउन लेने की स्थिति में एक दिन पूर्व इसकी जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से आमजन को दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी अधिकारी कर्मचारी बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोडे।

बूंदी जिला कलेक्टर डॉ. रविंद्र गोस्वामी की अध्यक्षता में पेयजल, विद्युत, मौसमी बीमारियों से संबंधी साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

- साप्ताहिक समीक्षा बैठक सम्पन्न
- जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा भी की

लंपी स्किन रोग को लेकर बरतें सावधानी:- जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि समीपस्थ जिले में लंपी स्किन संक्रमण के मामले सामने आए हैं। इनको दृष्टिगत रखते हुए जिले में विशेष सतर्कता बरती जावे। उन्होंने निर्देश दिए कि पशुपालन विभाग द्वारा गौवंश के लिए प्राप्त वेक्सीन से टीकाकरण किया जावे। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जावे। साथ ही पशुपालकों को भी संक्रमण के प्रति जागरूक किया जाए।

बैठक में जिला कलेक्टर ने आगामी 29 अगस्त से शुरू होने जा रहे ग्रामीण ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि आयोजन से जुडी सभी व्यवस्थाएं अभी से सुनिश्चित कर ली जावे। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी केा निर्देश दिए कि विद्यालयों में अध्ययन हेतु अध्यापक उपस्थित रहे। इसकी मॉनिटरिंग की जावे। इसके अलावा स्कूलों में अंग्रेजी समाचार पत्र बच्चों को नियमित रूप से पढवाया जाए। बैठक में जिला कलेक्टर ने जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा भी की उन्होंने निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के लक्ष्यों की शत प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही स्कूलों में बिजली तथा जल कनेक्शन की डिमांड जल्दी की जाए। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद मुरलीधर प्रतिहार, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता डी.एन. व्यास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सार-समाचार

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

छीपाबड़ौद (निसं)। छीपाबड़ौद में हर माह की भांति नि:शुल्क नेत्र जांच एवं लैन्स प्रत्यारोपण का 126 वां शिविर भारत विकास परिषद शाखा छीपाबडौद के तत्वावधान में जिला अंधता निवारण समिति बांरा के निर्देशन में स्व.लक्ष्मीनारायण,सुन्दर बाई एवं बद्रीलाल पारेता की पुण्यस्मृति में श्री सतगुरू सेवा संघ ट्रस्ट आनन्दपुर द्वारा रविवार को आर्य समाज भवन हाट चौक में लगाया गया। द्वारकालाल पेंशनर प्रधानाध्यक,अमृत लाल, पंकज दिव्यांश,मोहित, देविक ने भारत माता के चित्र को दीप प्रज्वलन एंव माल्यार्पण कर शिविर का शुभारम्भ किया गया शाखा अध्यक्ष धीरज बाठला, सचिव राजेन्द्र योगी ने शिविर प्रायोजको का स्वागत सम्मान किया गया चिकित्सा प्रभारी महेन्द्र नागर एवं शिविर प्रभारी नरेन्द्र बाठला ने बताया कि शिविर में डा.सोनू यादव एवं श्री सतगुरू संकल्प नेत्र चिकित्सालय अनन्तपुर की विशिष्ट चिकित्सकों की टीम द्वारा 85 मरीजो की जाँच कर नि:शुल्क दवाइयाँ वितरित की गई एवं 32 मोतियाबिंद ऑपरेशन के योग्य पाये गये मरीजों को चिन्हित कर सतगुरू संकल्प नैत्र चिकित्सालय आनंदपुर भैजा गया और सभी मरीजों को भोजन के पेकिट वितरित किये गये ,अटरू,छबडा,जलवाडा, के मरीज नि:शुल्क जांच और ऑपरेशन करवा रहे है। शिविर सहप्रभारी लक्ष्मीकांत गौतम समेत भारत विकास परिषद के सदस्यों का सहयोग रहा अब तक कुल 126 शिविरों में 56595 मरीजों की जांच कर नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गयी एवं 19420 मरीजो के ओपरेशन किये जा चुके है।

तीर्थ वन्दना की

रामगंजमडी (निसं)।श्री वीर जैन सोशल ग्रुप रामगंजमंडी ने तपोदय तीर्थ बिजोलिया की तीर्थ वन्दना की। इससे पूर्व समाज की सेवा भावी पार्षद रुचि चेलावत, वर्षा जैन ने हरी झंडी दिखाकर इस यात्रा को रवाना किया।इस समूह ने तपोदय तीर्थ बिजोलिया पहुंचकर भगवान पारसनाथ के दर्शन किए भक्ति आराधना की साथ ही समूह अध्यक्ष सुनील अमिता सुरलाया की अगुवाई में भक्तामर की मंगल महाआरती की गई।इस अवसर पर समूह भक्ति से ओतप्रोत रहा वहीं समूह ने वन विहार करते हुए प्रकृति की सुंदरता का आनंद लेते हुए भडक महादेव में सुरम्य में छटा का लुफ्त उठाया। जहां बच्चों के उत्साह में भी कोई कमी नही देखी गयी। समूह उपाध्यक्ष रितेश ठाई ने बताया की यह यात्रा अभूतपूर्व रही।इस यात्रा में अध्यक्ष सुनील अमिता सुरलाया उपाध्यक्ष अनूप दुगेरिया रितेश ठाई सचिव संजय दुगेरिया सह सचिव विजय दुगेरिया कोषाध्यक्ष पदम जैन सीए सांस्कृति मंत्री विनीशा सुरलाया सरिता सबद्रा आदि सदस्यों ने अपनी सक्रिय सहभगिता निभाई। इस अवसर पर अध्यक्ष सुनील सुरलाया ने सभी का आभार जताया कहा यह समूह ही नही समूह एक परिवार है। इस दौरान नवीन सदस्य उत्तम वर्षा जैन दुगेरिया के समूह में जुड़ने पर समूह अध्यक्ष सुनील सुरलाया ने माला पहना कर समूह की ओर से उनका अभिनंदन किया।

'भारी बारिश में सतर्क व सावधान रहें'

छबड़ा (निसं)। विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने छबड़ा विधानसभा क्षेत्र के निवासियों से भारी बारिश में सतर्क व सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों से क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का दौर चल रहा है जिसके कारण नदी-नालें उफान पर हैं। परवन, पार्वती, बैंथली, अंधेरी, रेतली, ल्हासी आदि नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मौसम विभाग ने आगामी चार दिनों में कोटा संभाग में भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है। यदि ऐसा होता है तो प्रशासन को समय रहते बांधों के गेट खोलने का इंतजाम पहले ही कर लेना चाहिए। उन्होंने जिले के समस्त राजकीय व निजी शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित करने की मांग की है ताकि पढने वाले छात्र-छात्राओं के साथ को अनहोनी न हो। सिंघवी ने उफान पर चल रहे नदी-नालों पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस जाब्ता की उचित व्यवस्था करने की भी मांग की है। उन्होंने सरकार से छबड़ा-छीपाबड़ौद क्षेत्र में क्षतिग्रस्त हुए मकानों एवं किसानों की फसलों में हुए नुकसान का सर्वे कराकर प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

नुकसान के मुआवजे की मांग

छबड़ा (निसं)। छबड़ा क्षेत्र में अतिवृष्टि से खरीफ की फसलों में नुकसान के सर्वे एवं मुआवजे की मांग को लेकर देहात मंडल अध्यक्ष ने विधायक को पत्र प्रेशित किया हैं। देहात मंडल अध्यक्ष अशोक गौड ने बताया कि पिछले दो-तीन दिनों से क्षेत्र में लगातार बारिश का दौर चल रहा है, जिसके कारण खेतों में पानी भर गया है तथा फसलें गल गई है। बारिश के साथ तेज हवाओं से मक्का की फसल आडी गिर गई है। कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बुआई के समय किसानों ने 10 से 12 हजार रुपए क्विंटल की सोयाबीन खरीद कर बुआई की। कई किसानों के बीज खराब आ जाने से बीज अंकुरित ही नहीं हुआ, ऐसे में किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ी। किसान कर्ज में तो पहले से डूबा हुआ है। अधिकांश किसानों को पिछले वर्ष हुए खराबे का मुआवजा भी नहीं मिला, ऐसे में फिर से अतिवृष्टि से फसल खराब हो चुकी है।

बांण गंगा नदी उफान पर

मांगरोल (निसं)। स्थानीय क्षेत्र में लगातार हो रही तेज बरसात सोमवार को कोटा सीसवाली व सुलतानपुर मार्ग नदी में पानी आने से मार्ग बंद हुआ तथा पहले से रामगढ़ मार्ग भी बंद है मध्य प्रदेश को जोड़ने वाला सुरथाक के पुल पार्वती नदी में बंद हो गया अब श्योपुर जाने के लिए बालुंदा पुलिया पर होकर जाना पड़ता है एवं मांगरोल में होकर निखल रही बांण गंगा नदी में पानी की आवक बढ़ गई निचली बस्तियां को खाली कर के लोग सुरक्षित स्थान पहुंच गये बरसात में स्कूल के बच्चे पानी में बीग कर घर गये। तथा स्थानीय प्रशासन के अनुसार आज वर्षा सुबह 6 बजे से साम 4 बजे तक 20 एम एम वर्षा हुई है।

कड़ैयाहाट लिपिक निलंबित

छबड़ा, (निसं)। छबड़ा पंचायत समिति की कडैयाहाट में कार्यरत कनिष्ठ सहायक महेंद्र कुमार शर्मा को प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर लाभार्थी से पैसे मांगने पर निलंबित कर दिया गया है। इसकी पुष्टि एक ऑडियो से हुई। जिला प्रमुख उर्मिला जैन ने जिला परिषद सीईओ को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। रविवार को अवकाश होने के बावजूद ऑफिस खुलवाया गया एवं कार्मिक का तत्काल निलंबन कर मुख्यालय जिला परिषद किया गया।

प्रधान ने अतिवृष्टि क्षेत्रों का दौरा किया

छीपाबड़ौद (निसं)। प्रधान नरेश कुमार मीणा ने बरसात से हुए नुकसान के क्षेत्रों का दौरा किया ओर हालातों का जायजा लिया। तेज बारिश से जहां परवन नदी के बहाव क्षेत्र मे फसलों को व्यापक नुकसान हुआ है। वहीं कच्चे ओर पक्के घरों पर भी हवा बारिश कहर बरपा रही है।

पाक के लिये यह बड़ा झटका है कि शाहीन शाह अफरीदी एशिया कप से बाहर हो गए है। अगर आप भारत के खिलाफ पिछले मैच को देखें तो उन्होंने टी-20 विश्वकप के पिछले सीजन में पहले ही ओवर से दबाव बनाया था। - इंजमाम-उल-हक

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान, शाहीन आफरीदी के टीम से बाहर होने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **संजू सैमसन**

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान भारतीय टीम में नियमित रूप खेलने का मौका नहीं मिल पाना उनके लिए मुश्किलों भरा रहा है लेकिन वह सकारात्मक रहने को प्राथमिकता देते हैं। किशोरावस्था में ही अपने प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरने वाले सैमसन ने यहां 2015 में जिंबाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया लेकिन तब से केरल के इस क्रिकेटर ने अब तक सिर्फ सात वनडे और 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले ही खेले हैं।

क्या आप जानते हैं ?... अपनी टेस्ट जीवन की पहली श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने 1970-71 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 775 रन बनाए।

भारत की संघर्षपूर्ण जीत, जिम्बाब्वे का सफाया

हरारे, 22 अगस्त। भारत ने शुभमन गिल (103 रन) की शतकीय पारी की बदौलत ज़िम्बाब्वे को तीसरे एकदिवसीय मैच में सोमवार को 13 रन से मात दी। भारत ने 50 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 289 रन बनाये थे, जिसके जवाब में ज़िम्बाब्वे 276 रन बनाकर ऑलआउट हो गयी। सिकंदर रज़ा ने 115 रन की शतकीय पारी खेलते हुए ज़िम्बाब्वे को जीत के करीब पहुंचाया, लेकिन जीत दिला नहीं सके और उनकी टीम 12 साल बाद भारत के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज करने से चूक गयी।

भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए ज़िम्बाब्वे को 290 रन का लक्ष्य दिया था। कप्तान केएल राहुल और शिखर धवन ने टीम को मज़बूत शुरुआत दिलाते हुए पहले विकेट के लिये 63 रन जोड़े। राहुल ने जहां 46 गेंदों पर एक चौका और एक छक्का लगाते हुए 30 रन बनाये, वहीं धवन ने 68 गेंदों पर पांच चौकों की बदौलत 40 रन की पारी खेली। पहली पारी में भारतीय टीम के स्टार शुभमन गिल रहे जिन्होंने 97 गेंदों में 15 चौकों और एक छक्के की बदौलत 130 रन की शतकीय पारी खेली। इसके अलावा ईशान किशन ने 61 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 50 रन बनाये। किशन ने दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट होने से पहले गिल के साथ तीसरे विकेट के लिये 140 रन की साझेदारी की।

भारत ने 42 ओवर में 224 रन बना लिये थे, लेकिन ज़िम्बाब्वे ने किशन का विकेट गिरने के बाद मैच में वापसी की और नियमित रूप से विकेट निकालते हुए भारत को 289 रन पर रोका। दीपक हुड्डा (01), अक्षर पटेल (01) और शार्दुल ठाकुर (09) 10 रन का आंकड़ा छुए बिना पवेलियन लौट गये। भारत ने 50वें ओवर में गिल का विकेट गंवाते हुए सात रन जोड़े और 289 पर पारी को समाप्त किया। ज़िम्बाब्वे की ओर से ब्रैड इवान्स ने 10 ओवर में 54 रन देकर पांच विकेट झटके, जबकि विक्टर न्यौची और ल्यूक जॉन्ग्वे को एक-एक विकेट प्राप्त हुआ।

ज़िम्बाब्वे 290 रन का पीछा करने उतरी तो सलामी बल्लेबाज़ इनोसेंट काइया (06) तीसरे ओवर में आउट हो गये, जबकि उनके साथी तकुद्ज़वनाशे काइटानो को मांसपेशी में खिंचाव के कारण पवेलियन लौटना पड़ा। सीन विलियम्स (45) ने टोनी मुन्योंगा (15) के साथ पारी को आगे बढ़ाने का प्रयास किया लेकिन 16वें और 17वें ओवर में दोनों पवेलियन लौट गये।

इसके बाद रज़ा ने एक छोर से ज़िम्बाब्वे की पारी को आगे बढ़ाया जबकि दूसरे छोर से बल्लेबाज़ आउट होते रहे। ल्यूक जॉन्ग्वे के 169 रन पर सातवें विकेट के रूप में आउट होने के बाद ब्रैड इवान्स क्रीज़ पर आये जिन्होंने रज़ा के साथ आठवें विकेट के लिये 104 रन की साझेदारी की। इवान्स ने 36 गेंदों पर दो चौकों की बदौलत बहुमूल्य 28 रन बनाये और उनके आउट होने तक ज़िम्बाब्वे को 12 गेंदों पर सिर्फ 17 रन की ज़रूरत थी। ज़िम्बाब्वे की उम्मीदें रज़ा पर टिकी हुई थीं लेकिन शार्दुल ठाकुर ने 49वें ओवर में शुभमन गिल के शानदार कैच की बदौलत उन्हें आउट किया और भारतीय खेमे ने चैन की सांस ली। आवेश खान ने 50वें ओवर में विक्टर न्यौची को आउट कर मैच समाप्त किया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की शृंखला में ज़िम्बाब्वे को 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

विश्व चैम्पियनशिप : लक्ष्य, श्रीकांत, प्रणय दूसरे दौर में

टोक्यो, 22 अगस्त। भारत के युवा शटलर लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत और एच एस प्रणय ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2022 में शानदार शुरुआत करते हुए अपने-अपने पहले दौर के मुकाबलों में जीत दर्ज की।

नौंवी सीड लक्ष्य ने टोक्यो मेट्रोपोलिटन जिम्नेशियम में डेनमार्क के दिग्गज खिलाड़ी हान्स-क्रिस्टियान विटिंगस को 21-12, 21-11 के सीधे गेमों में मात दी। लक्ष्य दूसरे दौर में स्पेन के लुइस पेनलवर का सामना करेंगे। 20 वर्षीय सेन ने विश्व चैंपियनशिप 2021 में कांस्य पदक जीता था। वह पिछले आयोजन में वरीयता सूची से बाहर थे, लेकिन उन्होंने टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनलिस्ट केविन कॉर्डन सहित कई बड़े खिलाड़ियों को हराया था। सेन को सेमीफाइनल में हमवतन किदांबी श्रीकांत से हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था।

दूसरी ओर, विश्व चैंपियनशिप 2021 के सिल्वर मेडलिस्ट श्रीकांत ने करीबी मुकाबले में आयरलैंड के न्हात न्यूएन को 22-20, 21-19 से हराया। न्यूएन ने 51 मिनट चले मुकाबले में श्रीकांत को कड़ी टक्कर दी मगर वह आयरिश खिलाड़ी की

चुनौती से विजयी उभरे। श्रीकांत अब दूसरे दौर में चीन के ज़्हाओ जुन पेंग से मुकाबला करेंगे। एच एच प्रणय ने ऑस्ट्रिया के ल्यूका रैबर को 21-12, 21-11 से हराकर अपने हमवतनों का साथ अगले दौर में जगह बनायी, जहां उनका सामना दो बार के विश्व चैंपियन जापान के केंटो मोमोटा से होगा।

इसी बीच, 2019 चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता बी साई प्रणीत चीनी तापेई के चोऊ टेइन चेन से 15-21, 21-15, 15-21 से हारने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गये। साथ ही मालविका बंसोड़ को महिला एकल मैच में डेनमार्क की लिन क्रिस्टोफरसन से 21-14, 21-12 से हार मिली। एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला की भारतीय जोड़ी ने हालांकि पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनाने के लिये थाइलैंड के सुपक जोमकोह और किटिनुपोंग केडरेन को 21-17, 17-21, 22-20 से मात दी।

अब भारतीय पुरुष युगल जोड़ी को मुश्किल मुकाबले में डेनमार्क के किम एस्ट्रप और एंडर्स स्कारप रासमुसेन की आठवीं सीड जोड़ी का सामना करना है। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की भारतीय जोड़ी ने महिला युगल के पहले राउंड में मालदीव की आमिनत नबीहा और फातिमा नबाहा को 21-7, 21-9 से शिकस्त दी। पूजा डंडू और संजना संतोष की जोड़ी ने भी महिला युगल में भारत का परचल लहराते हुए पेरू की इनेस लूसिया सालाज़ार और पॉला ला टोरे रेगल को पहले दौर में 21-6, 10-21, 21-14 से हराया। ईशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी ने जर्मनी के पैट्रिक स्कील और फ्रांज़िस्का वोल्कमैन को 21-12, 21-13 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

पीएचएफ ने पूर्व हॉकी दिग्गज शाहबाज अहमद के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू की

कराची, 22 अगस्त. पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने पूर्व सचिव और दिग्गज खिलाड़ी शाहबाज अहमद के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। पिछले सप्ताह फिर से पीएचएफ के अध्यक्ष चुने गये ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) खालिद सज्जाद खोखर ने एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी पुष्टि की। शाहबाज अपने खेल के दिनों में शानदार ड्रिब्लिंग कौशल के लिए प्रसिद्ध थे। खोखर ने कहा, ''हां, शाहबाज के खिलाफ धन के दुरुपयोग सहित भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं, जिसकी जांच की जा रही है। अगर वह भ्रष्टाचार का दोषी पाया जाता है तो उसे जेल भी हो सकती है।'' शाहबाज की कप्तानी में पाकिस्तान ने 1994 में चैंपियंस ट्रॉफी और विश्व कप खिताब जीता था।

गार्सिया नेजीता करियर का दसवां खिताब

मेसन, 22 अगस्त। फ्रांस की कैरोलीन गार्सिया ने डब्ल्यूटीए टूर 2022 की अपनी शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में चेक गणराज्य की पेट्रा क्विटोवा को मात देकर अपने करियर का 10वां एकल खिताब जीता। गार्सिया ने रविवार को खेले गये फाइनल में क्विटोवा को 6-2, 6-4 के सीधे सेटों में मात दी। हार्ड कोर्ट की इस जीत के साथ गार्सिया ने इस सत्र में अपना तीसरा खिताब जीत लिया है। इससे पहले वह बैड होमबर्ग (ग्रास कोर्ट) और वारसॉ (क्ले कोर्ट) में भी जीत दर्ज कर चुकी हैं। गार्सिया ने क्वालीफायर राउंड से जगह बनाते हुए फाइनल तक पहुंची थीं। इस जीत के साथ वह डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतने वाली पहली क्वालीफायर भी बन गयी हैं। गार्सिया ने जीत के बाद कहा, यह निरा सुख है। केवल सुख। हर जीत बेहद महत्वपूर्ण। हर खिताब बहुत खास है, चाहे डब्ल्यूटीए 250 हो या 1000। इसे बयान कर पाना मुश्किल है। ऐसा बार-बार नहीं होता, इसलिये आपको इसका आनंद लेना होता है। मैं टेनिस के इस शानदार हफ्ते के लिये शुक्रगुज़ार हूं। एक और खिताब जीतना बहुत खास है। उन्होंने कहा, डब्ल्यूटीए 1000 में सब कुछ बहुत तेज़ होता है। आपको हर सुबह दोबारा ध्यान केंद्रित करना होता है। यह एक मुश्किल चुनौती थी, लेकिन मैं अपने प्रयास से बहुत खुश हूं।

सत्रह साल बाद पाकिस्तान में टेस्ट श्रृंखला खेलेगी इंग्लैंड

इंग्लैंड मेजबान टीम के साथ 20 सितंबर से दो अक्टूबर के बीच कराची और लाहौर में सात टी-20 मैच भी खेलेगी

लाहौर, 22 अगस्त। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस साल दिसंबर में तीन मैचों की टेस्ट शृंखला के लिये इंग्लैंड के पाकिस्तान दौरे की पुष्टि की। इंग्लैंड 17 साल बाद पाकिस्तान में टेस्ट शृंखला खेलेगी। इससे पहले इंग्लैंड मेजबान टीम के साथ 20 सितंबर से दो अक्टूबर के बीच कराची और लाहौर में सात टी20 मैच खेलेगी। तीन टेस्ट मैचों की यह शृंखला रावलपिंडी (01-05 दिसंबर), मुल्तान (09-13 दिसंबर) और कराची (17-21 दिसंबर) में खेली जाएगी।

इंग्लैंड ने पिछली बार 2005 में पाकिस्तान का दौरा किया था, जब मेज़बान टीम ने मेहमानों को 2-0 से मात दी थी। इंग्लैंड ने 2000 में नासिर हुसैन की कप्तानी में पाकिस्तान में अपना आखिरी टेस्ट जीता था। इंग्लैंड ने तीसरा टेस्ट मुल्तान में खेलते हुए सीरीज पर 1-0 से कब्जा किया था।

पीसीबी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट निदेशक ज़ाकिर ख़ान ने कहा, हमें खुशी है कि पाकिस्तान और इंग्लैंड टेस्ट प्रतिद्वंद्विता दिसंबर में हमारे यहां लौट रही है, जिसने ऐतिहासिक रूप से कई करीबी और कड़े मैच देखे हैं। पाकिस्तान में आखिरी बार 2005 में दोनो टीमों ने मैच खेला था। मुझे विश्वास है कि यह शृंखला वैश्विक क्रिकेट प्रेमी की उम्मीदों पर खरी उतरेगी जो प्रतिस्पर्धी और रोमांचक मैच देखना और उनका आनंद लेना चाहते हैं।

इंग्लैड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्लेयर कॉनर ने कहा, वर्ष 2005 के बाद पहली बार पाकिस्तान में हमारी पुरुष टेस्ट टीम की वापसी एक ऐतिहासिक अवसर होगा। हम पाकिस्तान में क्रिकेट प्रेमियों के सामने टेस्ट क्रिकेट खेलने का अवसर पाकर खुश हैं। हम हाल के महीनों में पीसीबी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमारी टेस्ट और टी20 शृंखला को सबके लिये रोमांचक बनाने के लिये मैं उनका शुक्रगुज़ार हूँ।

कोरिक ने वापसी में जीता अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब

मेसन, 22 अगस्त। क्रोएशिया के बोर्ना कोरिक ने चोट के बाद यादगार वापसी करते हुए सोमवार को सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में स्टेफानोस सितसिपास को मात देकर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता। कोरिक ने यूनान के चौथी सीड सितसिपास को एक घंटे 57 मिनट चले फाइनल में 7-6(0), 6-2 से मात दी। 2020 के बाद अपना पहला टूर-स्तरीय फाइनल खेल रहे क्रोएशियाई खिलाड़ी ने खिताब तक के सफर में राफेल नडाल को मात दी थी। फाइनल के पहले सेट में वह 1-4 से पिछड़ गये थे, लेकिन उन्होंने दबाव से उभरते हुए अपने यूनानी प्रतिद्वंदी को दो सेट में शिकस्त दी। कोरिक कंधे की चोट के कारण पिछले सीज़न ज्यादातर आयोजनों से बाहर रहे थे। जब वह सिनसिनाटी ओपन में आये थे तब उनकी रैंकिंग 152 थी लेकिन अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर वह एटीपी रैंकिंग में 29वें स्थान पर आ गये हैं।

न्यूजीलैंड ने विंडीज के खिलाफ जीती ऐतिहासिक श्रृंखला

न्यूज़ीलैंड ने 2-1 से वेस्ट इंडीज़ को हराकर कैरिबियन में अपनी पहली एकदिवसीय शृंखला जीती है।

बारबाडोस, 22 अगस्त। न्यूज़ीलैंड ने टॉम लैथम (69) और डैरिल मिशेल (63) के अद्धर्शतकों की बदौलत वेस्ट इंडीज़ को तीसरे एकदिवसीय मैच में पांच विकेट से हराकर कैरिबियन में अपनी पहली एकदिवसीय शृंखला जीती।

वेस्ट इंडीज़ ने रविवार को बारबाडोस के केनसिंगटन ओवल में न्यूज़ीलैंड को 50 ओवर में 302 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उन्होंने 47.1 ओवर में ही हासिल कर लिया। ब्लैक कैप्स ने टॉस जीतकर वेस्ट इंडीज़ को पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया। शाई होप और काइल मेयर्स ने कैरिबियाई टीम को मजबूत शुरुआत दिलाते हुए 34.5 ओवर में 173 रन की साझेदारी की। मेयर्स ने 110 गेंदों पर 12 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 104 रन बनाये, जबकि होप ने 51(100) रन की पारी खेली।

इसके बाद कप्तान निकोलस पूरन ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 55 गेंदों पर चार चौकों और नौ छक्कों की बदौलत 91 रन बनाये। अल्ज़ारी जोसेफ़ ने 6 गेंदों में 20 रन के योगदान के साथ विंडीज़ को 301 रन तक पहुंचाया। न्यूज़ीलैंड के लिये 302 रन का पीछा करते हुए मार्टिन गप्टिल, डेवन कॉनवे, कप्तान लैथम और मिशेल ने अद्धर्शतक जड़ते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। गप्टिल (57) और कॉनवे (56) के बीच दूसरे विकेट के लिये 82 रन की साझेदारी हुई। इसके अलावा मैन ऑफ द मैच लैथम ने 75 गेंदों पर छह चौकों की बदौलत 69 रन बनाये, जबकि मिशेल ने 49 गेंदों पर छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 63 रन की पारी खेली। अंत में जेम्स नीशम ने 11 गेंदों पर ताबड़तोड़ 34 रन बनाते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

भारतीय कुश्ती का भविष्य सुरक्षित हाथों में : मोदी

नयी दिल्ली, 22 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारतीय पहलवानों को अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह दर्शाता है कि भारतीय कुश्ती का भविष्य सुरक्षित हाथों में है।

हॉकी इंडिया के चुनावों के लिये अजय नायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त

नयी दिल्ली, 22 अगस्त। हॉकी इंडिया की प्रशासकों की समिति (सीओए) ने संगठन के चुनावों के लिये सोमवार को अजय नायक को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है। हॉकी इंडिया ने आज यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा, बिहार सरकार के पूर्व मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय नायक निर्वाचन अधिकारी की भूमिका संभालेंगे। इसके अलावा श्री ए के मजूमदार को सह-निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों अधिकारी तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार संभालेंगे। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ और हॉकी इंडिया की प्रशासनिक समिति के बीच 17 अगस्त को एक बैठक हुई थी। इस बैठक में एफआईएच की ओर से महासंघ के कार्यवाहक अध्यक्ष सैफ अहमद और मुख्य कार्यकारी अधिकारी थिएरी वेल शामिल हुए थे। जबकि सीओए के न्यायमूर्ति अनिल दवे, डॉ एसवाई कुरैशी और ज़फ़र इक़बाल ने हॉकी इंडिया का प्रतिनिधित्व किया था। बैठक में हॉकी इंडिया की चुनावी प्रक्रिया को इस वर्ष नौ अक्टूबर तक पूरा कर लिए जाने का निर्णय लिया गया था। इसी सिलसिले में सीओए ने निर्वाचन अधिकारी और सह-निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति की है ताकि चुनावी कार्य को आगे बढ़ाया जा सके।

उच्चतम न्यायालय ने प्रशासकों की समिति भंग की

नयी दिल्ली, 22 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को भारतीय फुटबॉल के लिये महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संचालन के लिये गठित प्रशासकों की समिति (सीओए) को भंग करने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि एआईएफएफ का कार्यभार महासंघ के महासचिव संभालेंगे। महासचिव के कार्यभार संभालते ही सीओए भंग हो जाएगी।

अदालत का यह फैसला फीफा द्वारा एआईएफएफ के निलंबन के बाद आया है। फीफा ने 16 अगस्त को 'तीसरे पक्ष के अनावश्यक हस्तक्षेप' का हवाला देते हुए एआईएफएफ को निलंबित कर दिया था और कहा था कि यह फीफा नियमों का उल्लंघन है। फीफा ने कहा था कि सीओए की नियुक्ति के फैसले के निरस्त होने और महासंघ का कार्य एआईएफएफ की कार्यकारी समिति के हाथों में आने के बाद निलंबन हटाया जाएगा।

सीओए उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित एक समिति है जिसे एआईएफएफ के पूर्व अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल की बर्खास्तगी के बाद महासंघ के कार्य संभालने की जिम्मेदारी दी गयी थी। मोदी सरकार ने एआईएफएफ के निलंबन के बाद उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया था कि वह आवश्यक कदम उठाते हुए निलंबन की समाप्ति सुनिश्चित करे ताकि अक्टूबर में होने वाले अंडर-17 महिला विश्व कप की मेज़बानी भारत के पास रहे।

न्यायमूर्ति धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ और

न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की पीठ ने अपने पिछले फैसले को पलटते हुए प्रशासकों की समिति को भंग किया। अदालत के नये निर्देश के अनुसार एआईएफएफ के चुनाव भी एक हफ्ते के लिये बढ़ा दिये गये हैं। अट्ठाइस अगस्त को होने वाले चुनाव अब एक हफ्ता देर से होंगे ताकि नये नामांकन किये जा सकें।

इसके अलावा, निर्वाचक मंडल में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सदस्य संघों (35 1) के प्रतिनिधि शामिल होंगे। निर्वाचन अधिकारी उमेश सिन्हा और तापस भट्टाचार्य होंगे। अदालत ने स्पष्ट किया कि एआईएफएफ की कार्यकारी समिति (ईसी) में 23 सदस्य होंगे, जिसमें से 17 निर्वाचक मंडल द्वारा चुने जाएंगे जबकि छह प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को सदस्यों के रूप में शामिल किया जाएगा।

इसी बीच, पूर्व भारतीय फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया ने शीर्ष अदालत में हस्तक्षेप याचिका दाखिल करते हुए सीओए के उस प्रस्ताव का समर्थन किया है जिसमें निर्वाचन मंडल में प्रमुख खिलाड़ियों के 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व की बात कही गयी

एआईएफएफ संविधान में खिलाड़ियों के लिये मताधिकार चाहते हैं भूटिया

कोलकाता, 22 अगस्त। महान फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया ने सोमवार को प्रशासकों की समिति को हटाने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया। सीओए 18 मई के उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद से भारत में एआईएफएफ का कामकाज देख रहा था। भूटिया ने बांग्ला फुटबॉल लीग के लांच से इतर कहा ,'' उच्चतम न्यायालय का आज का फैसला भारतीय फुटबॉल के हित में था। प्राथमिकता फीफा अंडर 17 महिला विश्व कप है जो भारत की प्रतिष्ठा का प्रश्न है। इसके अलावा भारत पर लगा प्रतिबंध भी हटवाना है।'' उन्होंने कहा, हम सभी के लिये खिलाड़ियों, सीओए, प्रदेश संघों की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि भारत में महिला अंडर 17 विश्व कप हो और प्रतिबंध हटाया जाय।'' भूटिया ने एआईएफएफ अध्यक्ष पद के लिये नामांकन भरा है। न्यायालय ने एआईएफएफ चुनाव के लिये मतदाता सूची में केंद्र और केंद्रशासित प्रदेशों के 36 प्रतिनिधियों को शामिल करने का निर्देश दिया जबकि भूटिया ने न्यायालय के पूर्व फैसले का समर्थन किया था जिसमें 36 खिलाड़ियों को भी मताधिकार देने की बात थी। यह पूछने पर कि क्या पूर्व खिलाड़ियों को बाहर रखने के न्यायालय के फैसले से वह निराश है, उन्होंने कहा ,'' हां। मैने अपील की थी कि खिलाड़ियों की भी आमसभा में नुमाइंदगी हो लेकिन इस समय प्राथमिकता भारत पर लगा प्रतिबंध हटाना और अंडर 17 महिला विश्व कप की मेजबानी है।'' उन्होंने कहा, खिलाड़ी संघर्ष करते रहेंगे और महासंघ तथा खेल मंत्रालय से अपील करते रहेंगे कि भविष्य में एआईएफएफ के संविधान में पूर्व फुटबॉलरों को मताधिकार हो। वे प्रशासन और निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं।''

एशिया कप में शाहीन की जगह लेंगे हसनैन

शाहीन जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ खेले गये पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हो गये थे

लाहौर, 22 अगस्त। पाकिस्तान के युवा तेज गेंदबाज़ मोहम्मद हसनैन 27 अगस्त से शुरू होने वाले टी-20 एशिया कप में शाहीन शाह अफ़रीदी की जगह लेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। शाहीन जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ खेले गये पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हो गये थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की चिकित्सीय सलाहकार समिति ने शनिवार को बताया कि उन्हें चार से छह हफ्ते और आराम करने की जरुरत है। हसनैन ने 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान की ओर से खेलते हुए 17 विकेट चटकाए हैं। हसनैन इस समय इंग्लैंड में द हंड्रेड प्रतियोगिता में ओवल इनविंसिबल के लिये खेल रहे हैं। पीसीबी ने बताया कि आसिफ़ अली, हैदर अली, इफ़्तिख़ार अहमद और उस्मान क़ादिर मंगलवार तड़के दुबई के लिये रवाना होंगे। वे टीम में अब्दुल्लाह शफ़ीक, इमाम-उल-हक, मोहम्मद हारिस, सलमान अली आगा और ज़ाहिद महमूद की जगह लेंगे जो नीदरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय शृंखला में पाकिस्तान की ओर से खेल रहे थे। एशिया कप 2022 में पाकिस्तान का पहला मैच 28 अगस्त को भारत के खिलाफ है। इसके बाद बाबर आज़म की टीम दो सितंबर को ग्रुप-ए के अपने दूसरे मैच में क्वालीफायर (यूएई, कुवैत, सिंगापुर या हॉन्ग कॉन्ग में से कोई एक) टीम का सामना करेगी। सुपर-4 मुकाबले तीन सितंबर से खेले जाएंगे। एसीसी टी20 एशिया कप के लिए पाकिस्तान टीम में बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), आसिफ अली, फखर जमान, हैदर अली, हारिस रउफ, इफ्तिखार अहमद, खुशदिल शाह, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, शाहनवाज दहानी और उस्मान कादिर हैं।

मुख्य न्यायाधीश के आदेश को अगर तहसीलदार स्तर का अधिकारी भी नहीं मानता तो न्यायपालिका की वखत रह गई?

कोटपूतली में सरकार ने सड़क चौड़ा करने के नाम पर बिना सूचना दिये, बिना मुआवज़ा दिये दुकान व रिहायशी मकान तोड़ने का क्रम जारी रखा

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 22 अगस्त। कोटपूतली नगर परिषद के अधिकारियों ने छः अगस्त से शुरू हुई तोड़-फोड़ की कार्यवाही को जारी रखते हुए, रविवार सुबह को फिर से कई इमारतों को गिराया। हैरानी की बात यह रही कि नगर परिषद के कर्मचारी और अधिकारियों ने आज भी तोड़-फोड़ करने से पहले कानूनी प्रक्रिया की पूरी तरह से अवहेलना की और उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त कर चुके लोगों की इमारतें भी तोड़ दी और किसी व्यक्ति को तोड़-फोड़ से पूर्व नोटिस भी नहीं दिया।

जैसा कि विदित है पिछले वर्ष दिसंबर माह में कोटपूतली क्षेत्र की तत्कालीन नगर पालिका ने सरदार विद्यालय रोड और "हाई-वे" से संलग्न मुख्य चौराहे के आसपास रहने वाले लोग तथा दुकानदारों को अवैध निर्माण स्वयम् हटाने के लिए नोटिस दिया था। परन्तु नोटिस में कौनसी इमारतें अवैध हैं इस संदर्भ में कोई जानकारी नहीं दी थी।

नगर पालिका के नोटिस के खिलाफ 32 पार्टियों ने राजस्थान हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह की एकल पीठ ने आदेश दिये थे कि नगर पालिका इन 32 पार्टियों को नोटिस भेजकर 30 दिन में इन पार्टियों की आपत्तियाँ सुने और फिर कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही इमारतें हटाने की कार्यवाही करे। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि नगर पालिका को किसी भी इमारत के खिलाफ कार्यवाही करने से पूर्व 15 दिन का समय देना होगा, ताकि नगर पालिका के निर्णय के खिलाफ भी लोगों को उपयुक्त अदालत में चुनौती देने का समय दिया जा सके।

उल्लेखनीय है कि न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह की अदालत ने कोटपूतली नगर पालिका की सभी 32 पार्टियों को सुरक्षा देते हुए अपने आदेश में यह भी कहा था कि जब तक नगर पालिका सभी लोगों की आपत्तियों को सुनकर कानूनी प्रक्रिया के अनुसार कोई निर्णय नहीं ले लेती है, तब तक उसे सभी इमारतों के संबंध में यथास्थिति बनाए रखनी है।

कोटपूतली की नगर पालिका को हाल ही में नगर परिषद घोषित यिा गया है। परन्तु क्या नगर परिषद के अधिकारी, मुख्य तौर पर इसके कमिश्नर फतेह सिंह मीणा, उच्च न्यायालय के आदेशों को पढ़ना तो दूर, बिल्कुल ही दरकिनार करने लगे हैं?

गौरफरमाने योग्य है कि, कमिश्नर फतेह सिंह मीणा, मीडिया में तो बार-बार बयान दे रहे हैं कि वे हाई कोर्ट का सम्मान करते हैं, परन्तु हाई कोर्ट के आदेश अनुसार किसी भी मकान मालिक या दुकानदार पर कार्यवाही करने से पूर्व कोई भी नोटिस नहीं दे रहे हैं। यही नहीं 18 अगस्त को ही इसी मामले से संबंधित याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश वकील ने माना था कि नगर पालिका ने किसी भी दुकानदार या मकान मालिक को उसकी आपत्ति सुनने के लिए नहीं बुलाया, तो यह कैसे माना जाये कि नगर परिषद ने सभी तथ्यों को समझकर इमारतें तोड़ने का फैसला किया है? और अगर फैसला कर भी चुकी है तो लोगों को नोटिस क्यों नहीं दिया गया? और क्यों देर रात, चोरों की भांति लोगों को बेघर कर उनके घरों को तोड़ा जा रहा है?

- **तोड़-फोड़ के खिलाफ न्यायालय के आदेश लेकर जब कुछ पीड़ित अधिकारियों के पास पहुंचे तो एक अधिकारी ने कहा कि वह कोर्ट के आदेश को नहीं मानते।**
- **इसमें एक समझदार अधिकारी ने पीड़ितों से कहा कि, अगर नगर निगम ने आपको नोटिस नहीं दिया तो आप न्यायालय के आदेश की अवमानना की याचिका दायर कीजिये।**
- **वहीं बिना नोटिस, बिना मुआवज़ा और बिना सुनवाई के सरकार का रिहायशी मकान व व्यवसाई दुकान तोड़ने का क्रम जारी रहेगा।**

राजस्थान हाई कोर्ट की सिंगल बैंच में याचिका दायर करने वाले 32 याचिकाकर्ताओं में अशोक कुमार शर्मा भी थे, परन्तु नगर परिषद ने उनकी इमारत भी तोड़ दी और उन्हें कार्यवाही करने से पूर्व कोई नोटिस भी नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कई दिनों से प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में भय का माहौल बनाया हुआ था और पुलिस तथा अन्य अधिकारी लाकर लाऊड स्पीकर के माध्यम से इमारतें गिराने की चेतावनी देते हैं, "परन्तु किसी भी व्यक्ति को नोटिस नहीं दिया गया था।" उन्होंने बताया कि उनके परिवार को उक्त भूमि पर रहने के लिए खेतड़ी महाराज ने पट्टे दिये थे, जिसे उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों दे दिया था। और उन्हें यह बताया गया नगर परिषद के अधिकारी उनकी भूमि के विषय में निर्णय लेंगे, "परन्तु बिना कोई नोटिस दिये मेरे मकान को तोड़ दिया गया।" अशोक कुमार शर्मा के अलावा, आलोक अग्रवाल और गोविंद नारायण शर्मा को भी उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने अपने आदेश में राहत दी थी और तत्कालीन नगर पालिका को कहा था कि नगर पालिका उनकी इमारतों पर यथास्थिति बनाए रखे, जब तक उनकी जमीन के विषय में विधिवत् तरीके से कोई निर्णय नहीं लिया जाता, यानि नगर परिषद को भूमि मालिकों की आपत्ति सुनकर उनकी जमीन अवाप्त करके ही इमारत ध्वस्त करनी चाहिये थी। परन्तु ऐसा नहीं किया गया।

कोर्ट के आदेशों के खिलाफ कोटपूतली में गत 6 अगस्त से शुरू हुई मकानों एवं दुकानों की तोड़-फोड़ की कार्रवाई निरंतर जारी है। रविवार को भी नगर पालिका प्रशासन तोड़-फोड़ की कार्रवाई की।

जब इन याचिकाकर्ताओं में से कई लोग स्थानीय अफसरों से बात करने गये, तो उन्होंने कह दिया कि वह हाई कोर्ट के आदेश को स्थगन आदेश नहीं मानते हैं। इस विषय में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगर नगर परिषद ने हाई कोर्ट के आदेशानुसार लोगों को नोटिस नहीं दिया था, तो उन्हें नगर परिषद के खिलाफ हाई कोर्ट में अवमानना याचिका दायर करनी चाहिए।

हाई कोर्ट में दायर याचिकाओं में से चार याचिकाएं हाई कोर्ट में ही मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व वाली खण्डपीठ के समक्ष भी दायर की गईं थी। मुख्य न्यायाधीश अकील कुरैशी और न्यायाधीश भूपेश बंसल की खण्डपीठ ने अतिक्रमण हटाये जाने के संदर्भ में दिये गये नोटिस को अवैध करार दिया था क्योंकि नगर पालिका के नोटिस में यह नहीं बताया गया था कि कौनसी इमारतें अवैध हैं। अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि नगर पालिका ने किसी व्यक्ति की जमीन अवाप्त करने की प्रक्रिया शुरू नहीं की है। इस मामले में याचिकाकर्ता हरी प्रसाद शर्मा का घर और दुकान नगर परिषद द्वारा तोड़ दी गई। हरी प्रसाद शर्मा के घर वालों का भी यही कहना है कि उनका घर व दुकान तोड़ने से पूर्व उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया था। बल्कि उन्हें रविवार सुबह साढ़े चार बजे घर से बाहर निकलने कहा गया और फिर सुबह करीब छः बजे उनके घर व दुकान को गिरा दिया।

एक प्रत्यदर्शी ने कहा कि सुबह करीब 9 बजे नगर परिषद के अधिकारी पहले हरि प्रसाद की दुकान का गेट, शटर तोड़कर और धातु से बना सारा सामान ले गये, "फिर छः बजे उनकी इमारत को तोड़ने की कार्यवाही शुरू की गई।"

इस पूरे प्रकरण में अगर नगर परिषद की बात मानी जाये, कि तोड़ी गई सारी इमारतें विधिवत तरीके से तोड़ी गई है, तो यह कैसे संभव है कि कई लोग अदालत के स्थगन आदेश लाने में सफल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 18 अगस्त को महेन्द्र कुमार गोयल की एकल पीठ ने याचिकाकर्ता सुलोचना को राहत देते हुए नगर परिषद के उस नोटिस पर रोक लगाई थी, जिसके तहत उनका पट्टा खारिज किया जा रहा था। परन्तु 18 अगस्त को ही सुलोचना का मकान भी नगर परिषद ने तोड़ दिया था। वहीं सोमवार को मीनू सोनी को न्यायाधीश महेन्द्र कुमार गोयल की एकल पीठ से राहत मिली थी और अदालत ने कहा था कि नगर परिषद का दिसंबर में जारी किया गया अवैध इमारतें हटाने का नोटिस गैरकानूनी है, परन्तु मीनू सोनी की भी इमारत नगर परिषद ने सोमवार को ही गिरा दी।

कोटपूतली नगर परिषद अभी तक तीन चरणों में सरदार स्कूल रोड पर करीब एक से डेढ़ किलोमीटर के क्षेत्र में दुकानें व घर तोड़ चुकी है, जिनमें कई लोग ऐसे भी है जिसके पास हाई कोर्ट में याचिका दायर करने के लिए पर्याप्त साधन नहीं थे। परंतु इन लोगों के घर व दुकानों को भी प्रशासन ने बिना नोटिस दिये गिरा दिया। इनमें से एक थी जगदीश सैनी की पुत्री रूपा सैनी। रूपा सैनी और उनकी पुत्री को करीब चार बजे घर से निकाला गया और फिर सुबह छः बजे इनके घर को तोड़ा गया। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में एक तोड़ी गई इमारत के पहले फ्लोर पर उनका एक कमरे का घर था। उनकी बेटी अभी नाबालिग है और बेटा मानसिक रूप से कमजोर है। परन्तु उन्हें घर से निकाला गया और उन्हें बच्चों के साथ सरदार स्कूल में पनाह लेनी पड़ी। प्रशासन तोड़-फोड़ करने के लिए इतना आतुर है कि कोटपूतली का सरदार विद्यालय, जिसकी स्थापना स्वामी विवेकानन्द के आग्रह पर, खेतड़ी महाराजा सरदार सिंह द्वारा 1928 में की गई थी, के मुख्य गेट और दीवार को भी तोड़ दिया है।

कोई किसी पद पर आ गया तो बपौती नहीं समझे, हमेशा उसी की नहीं चलेगी, कांग्रेस में गांधी परिवार कहेगा, वही होगा

रघु शर्मा ने यह नसीहत 4 सितम्बर को दिल्ली में कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित "महंगाई रैली" की तैयारी के लिये रखी गयी वरिष्ठ कांग्रेजन की बैठक में दी

जयपुर, 22 अगस्त (का.प्र.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद से कहा जा रहा है कि राहुल गांधी पार्टी अध्यक्ष नहीं बनेंगे। इसके बाद से राजस्थान में कांग्रेस के दोनों धड़ों के नेता मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट का नाम भी पार्टी में उच्च पदों के लिए चल रहा है, लेकिन दोनों ही नेता दिल्ली की राजनीति में नहीं जाना चाहते। इस बाबत सोमवार को कांग्रेस के गुजरात प्रभारी डॉ रघु शर्मा ने नाम तो नहीं लिया, लेकिन मुख्यमंत्री और पूर्व उपमुख्यमंत्री दोनों को ही नसीहत देते हुए कहा कि पद पर आने के बाद किसी को भी खुद को खुदा नहीं समझना चाहिए।

दरअसल सोमवार को जयपुर में कांग्रेस के सभी विधायकों,सांसद प्रत्याशियों और पार्टी पदाधिकारियों को बुलाकर 4 सितंबर को दिल्ली में होने वाली महंगाई के खिलाफ रैली की तैयारियों पर चर्चा होनी थी। इसी बैठक में डॉ. रघु शर्मा ने कहा कि कोई किसी पद पर आ गया तो उसे बपौती नहीं समझना चाहिए। यह भी नहीं समझना चाहिए कि हमेशा उसी की चलेगी। कांग्रेस में तो सिर्फ गांधी परिवार कहेगा, वही होगा। दरअसल रघु शर्मा के इस बयान को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट से जोड़कर देखा जा रहा है, जो कि दोनों ही राजस्थान छोड़कर दिल्ली की राजनीति में नहीं जाना चाहते, जबकि कांग्रेस आलाकमान की ओर से इस बारे में गंभीरता से विचार किया जा रहा है ऐसे समय में रघु शर्मा का यह बयान राजनीतिक रूप से काफी मायने रखता है। दरअसल इस बैठक में पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और राजस्थान के प्रभारी अजय माकन को भी आना था, लेकिन दोनों ही बैठक में नहीं पहुंचे। ऐसे में इनके नहीं आने को लेकर भी अलग अलग तरह की चर्चाएं हो रही है।

- **इस अवसर पर गहलोत ने कहा कि, कांग्रेसजन की भावना स्वीकार कर राहुल गांधी अध्यक्ष बनें। राहुल गांधी अध्यक्ष नहीं बनते हैं तो इससे कार्यकर्ताओं को तकलीफ होगी।**

एक और तो रघु शर्मा ने अपनी ओर से नसीहत दी तो दूसरी ओर एक बार फिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से इंकार किया और कहा कि राहुल गांधी को ही पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना चाहिए। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने कहा कि देशभर के कांग्रेसजन की भावना है कि राहुल गांधी को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना चाहिए।

अगर वह अध्यक्ष नहीं बनते हैं, सभी को तकलीफ होगी और निराश होकर कांग्रेस कार्यकर्ता घर बैठ जाएंगे। गहलोत ने कहा कि पहले भी राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर कई बार बैठकें हो चुकी हैं। उन सब में एक तरफा राय यही बनी है कि राहुल गांधी को ही अध्यक्ष पद की कमान संभालने चाहिए।

गैर गांधी परिवार से राष्ट्रीय अध्यक्ष के मामले पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी परिवार में 30 साल से कोई प्रधानमंत्री नहीं बना है। ऐसे में पार्टी से राष्ट्रीय अध्यक्ष गांधी परिवार से ही बनना चाहिए। हालांकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कार्यकारी अध्यक्ष पद के सवाल को टाल गए।

सब तरह से घिरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दैनिक एवं खुदरा मजदूरों को रोजी-रोटी कमाने का अवसर दिया करती हैं। लेकिन यह संगठित क्षेत्रों में काम करने वाले उन लोगों के लिये बहुत बड़ा तोहफा भी है, जहाँ स्थाई कर्मचारियों का मोटी एवं पूरी तनख्वाह मिलती हैं। उदाहरण के लिये, राज्य सरकार के कर्मचारियों को पूरे 11 दिन की अवधि का वेतन कोई काम किये बिना ही मिलेगा। ममता की सरकार और पार्टी फिर घिर चुकी हैं। उनके मंत्रिमंडल तथा तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की कलई एक-एक कके खुलती जा रही है तथा जबरदस्त भ्रष्टाचार तथा अवैध धन-समत्ति इकट्ठा करने के मामले उजागर होते जा रहे हैं। स्वयं ममता पर भी यह आरोप है कि राज्य के चिटफंड धोखाधड़ी के मामलों में वे भी कहीं न कहीं लिप्त हैं। जब भी उनके सामने अस्तित्व का संकट आता है, ममता बनर्जी उससे बाहर निकलने के लिये विशेष कौशलपूर्ण राजनैतिक खेल जाती हैं। यह अवसर भी कोई अपवाद नहीं है भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े आरोपों का सामना करते हुये, उन्होंने लोगों को यह तर निवाला देकर, उन तक सीधी पहुँच बनाने का कुशल खेल खेला हैं।

खेलों में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को भी एक सप्ताह तक आगे खिसका दिया। कोर्ट ने यह सुनिश्चित करने के लिए आदेश पारित किया कि आई.ओ.ए. की ऐसी हालत ना हो जाए, जैसी कि ऑल इण्डिया फुटबॉल फैडरेशन (ए.आई. एफ. एफ.) की हुई है। उसने कहा कि उसका यह निर्णय फीफा द्वारा ए.आई.एफ.एफ. के किए गए निलम्बन को वापस लेने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

तीस्ता को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही पूछा कि क्या किसी वकील को इस सुनवाई पर आपत्ति है क्योंकि उन्होंने सोहराबुद्दीन की हत्या के केस में कुछ आरोपियों के केस लड़े थे। इस पर तीस्ता की ओर प्रस्तुत वरिष्ठ एडवोकेट ने कहा, "नहीं"।

जहाँ तक उनके खिलाफ दायर हुई एफ.आई.आर. का सम्बन्ध है, सिब्बल ने कहा कि इसके आरोप उन कार्यवाहियों का शुद्ध कथन या दोहरान हैं, जो सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष हुई थी तथा पूर्णता को पहुँची थी।

दिल्ली में फिर से शुरु हुआ किसान आंदोलनकारियों का जमावड़ा

एम.एस.पी., युवा बेरोजगारी एवं अग्निवीर भर्ती किसानों के मुख्य मुद्दे हैं

नई दिल्ली, 22 अगस्त (वार्ता)। कृषि उत्पादों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) की सुनिश्चित व्यवस्था और बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर किसान संगठनों का सोमवार को ऐतिहासिक जंतर-मंतर पर जमावड़ा शुरू हो गया था, लेकिन इस आयोजन को लेकर संगठनों के बीच दरार दिखने लगी है।

दिल्ली पुलिस ने किसानों को सभा करने की इजाजत दी थी लेकिन कृषि कानूनों का विरोध करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा (एस.के.एम.) में शामिल कुछ संगठनों के नेताओं ने कहा कि उन्हें जहां रोका जायेगा, वे वहीं प्रदर्शन शुरू कर देंगे। इस बीच, संगठनों के बीच दरार का संकेत देने वाले एक घटनाक्रम में स्वराज इंडिया के अध्यक्ष योगेन्द्र यादव ने ट्विटर पर बयान में कहा कि एस.के.एम. का जंतर-मंतर पर आज से आयोजित किसान महापंचायत से कोई लेना-देना है।

भारतीय किसान यूनियन (बी.के.यू.) के राकेश टिकैत धड़े ने किसान महापंचायत से अपने को अलग रखने का एलान पहले ही किया था। टिकैत ने कहा, महापंचायत के लोगों ने एस.के.एम. से अपने को अलग कर लिया है, मैं मुजफ्फनगर जा रहा हूं, आज की महापंचायत में शामिल हूं।

- **पर इस बार किसान संगठनों में दरार साफ दिखाई दे रही है। राकेश टिकैत ने इस प्रदर्शन से खुद को अलग कर लिया है तथा संयुक्त किसान मोर्चा को भी प्रदर्शन में शामिल नहीं होने दिया जा रहा।**

उन्होंने कहा, किसानों के मुद्दे पर हमारा आंदोलन जारी है। हम अपनी मांगों पर बने हुए हैं और आंदोलन करते रहेंगे। टिकैत को दिल्ली पुलिस ने गाजियाबाद की सीमा के पास कल रोक लिया था और उन्हें मधु विहार थाने लाकर गाजीपुर बार्डर के पास वापस छोड़ दिया था। टिकैत ने कहा, उन्होंने एहतियात के तौर पर हमें रोका था।

महापंचायत में पंजाब के भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी गुट) के किसानों का जंतर-मंतर पर पहुंचना जारी था। चढ़ूनी गुट संयुक्त किसान मोर्चे से पहले ही खफा हो चुका है और 31 जुलाई को संयुक्त किसान मोर्चे की भारत बंद मुहिम में शामिल हुआ था। चढ़ूनी गुट पंजाब विधानसभा चुनाव में भी अपना हाथ आजमा चुका है, हालांकि उसे निराशा ही हाथ लगी।

एन.टी.आर. एक बार फिर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तलाश में थे। और इस लिहाज से, जुनियर एन.टी.आर. से बेहतर और कौन हो सकता है। उनका उपयोग पूरे भारत में प्रचार के लिये किया जा सकता है क्योंकि उनकी फिल्में हिन्दी में भी डब होती है तथा ओ.टी.टी. सर्किट्स तथा टी.वी. चैनलों पर खूब चलती हैं।

उनके द्वारा अभिनीत बिल्कुल नई फिल्म, आर.आर.आर. न केवल तेलुगूभाषी राज्यों में ही जबरदस्त हिट रही बल्कि पूरे देश में हिट हुई क्योंकि यह, हिन्दी सहित, कई भाषाओं में एक साथ रिलीज हुई थी।

वाय.एस.आर.सी.पी. के विधायक ने फिल्मी तथा राजनैतिक हल्कों की उन अटकलों को विश्वसनीयता प्रदान की, जो जूनियर एन.टी.आर. के अमित शाह की करीब आधा घंटे तक चली मीटिंग को लेकर लगाई गई थी। वाय.एस.आर.सी.पी. विधायक ने मीडिया कर्मियों को बताया, "जब तक कोई उल्लेखनीय राजनैतिक लाभ दिखाई नहीं देता, तब तक प्रधानमंत्री या अमित शाह किसी व्यक्ति के साथ समय नहीं गुजारते।" गिने-चुने राजनैतिक विश्लेषकों की तरह इस विधायक को भी विश्वास है कि जूनियर एन.टी.आर. अपने वास्तविक जीवन में देश की ऐसी सबसे बड़ी पार्टी के साथ, रोल 'साइन' कर सकते हैं, जिसकी चुनाव रूपी बॉक्स-आफिस पर सफलता सुनिश्चित है।

संयोशवश, तेलंगाना की एक महत्वपूर्ण विधानसभा सीट भुनुगोडे के उपचुनावों में, प्रचार करते हुये, एक जनसभा में अमितशाह ने के.सी.आर. तथा उनके परिवार पर जबरदस्त हमला बोला।

स्थानीय भाजपा नेता भी के.सी.आर. की बेटी कविता का सम्बन्ध दिल्ली के उस शराब घोटाले से बता रहे हैं, जिसमें दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मुख्य आरोपी हैं। आंध्र प्रदेश में, केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मुख्यमंत्री जगमोहन रेड्डी पर हमला बोलते हुये कहा कि उनकी सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। ठाकुर ने आरोप लगाया कि आन्ध्र प्रदेश सरकार को शराब, जमीन तथा बजरी माफिया चला रहे हैं।

मजेदार बात यह है कि जिस समय एक प्रभावशाली केन्द्रीय मंत्री मुख्यमंत्री पर हमला बोल रहे थे, कल उस में दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ जगन मोहन रेड्डी की मीटिंग चल रही थी।

शिव सेना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कश्मीर में कार्यरत गैर कश्मीरियों और जम्मू-कश्मीर में अध्ययनरत छात्रों को वोटिंग का अधिकार दिया जाना चाहिए। यदि चुनाव आयोग अपने प्रस्ताव को मूर्त रुप देता है तो क्षेत्र की मतदाता सूची में 25 लाख नए वोटर जुड़ जाएंगे।

इस मुद्दे पर शिवसेना का रुख विपक्ष के उभरते आकार का सूचक है क्योंकि सेना का यह रुख उसके वर्ष 2019 के रुख से पूर्णतया भिन्न है जब पार्टी ने धारा 370 और अनुच्छेद35 ए को समाप्त करने के सरकार के निर्णय का उत्सव मनाया था।

यह घटनाक्रम राज्य के सभी नेताओं को एक प्लेटफॉर्म पर ले आया है क्योंकि गुपकार अलायंस के बैनर तले राज्य के नेताओं की आज हुई मीटिंग में कश्मीर की पार्टियों के अलावा कांग्रेस, शिवसेना और सी.पी.आई. ने भी भाग लिया।

गुपकार अलायंस के नेता इस असंवैधानिक कदम को रद्द करवाने के लिए अदालत की शरण में जाना चाहते हैं और इस कदम का विरोध करने और एक संयुक्त कार्ययोजना बनाने को लेकर उन्होंने मुख्यधारा की पार्टियों के राष्ट्रीय नेताओं को सितम्बर माह में आमंत्रित करने का निर्णय लिया है। पीपल्स कांफ्रेंस के नेता सज्जाद लोन ने तो इस मुद्दे को हाईलाइट करने के लिए संसद के बाहर भूख हड़ताल पर बैठने तक की धमकी दी है।

'मैं राजपूत हूं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मनीष सिसोदिया के लिए और अधिक पुलिस सुरक्षा की मांग यह आरोप लगाते हुए की है कि दोनों पर प्रहार करने का षड़यंत्र रचा जा रहा है और आप पार्टी की लोकप्रियता जिस तरीके से बढ़ रही है, उसे लेकर केन्द्र सरकार नाखुश है।

गुजरात में आप पार्टी का उद्देश्य इस संदेश का प्रचार-प्रसार करना है कि यदि वह आगामी विधानसभा चुनाव में राज्य में सत्ता में आ जाती है तो जनता को गुणवत्ता युक्त शिक्षा एवं हैल्थकेयर सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध करवायीं जाएंगी।

न्यूज़ एजेंसी आई.ए.एन.एस. ने खबर दी है कि गुजरात दौरे के दौरान अपने नेताओं पर हमले की आशंका के मद्देनज़र आप पार्टी ने दोनों नेताओं को और अधिक पुलिस प्रोटैक्शन देने की मांग की है।

आप पार्टी के गुजरात प्रभारी गुलाब सिंह और पार्टी के स्टेट लीगल सैल प्रैसिडैन्ट प्रणव ठक्कर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमण्डल ने रविवार को पुलिस महानिदेशक के कार्यालय में एक ज्ञापन प्रस्तुत किया।

ज्ञापन में कहा गया है कि "सीड़िया के कुछ सूत्रों और माध्यमों द्वारा हमारे ध्यान में लाया गया है कि सत्तारूढ़ पार्टी की विचारधारा से प्रभावित कुछ असामाजिक तत्व अरविन्द केजरीवाल और मनीष सिसोदिया पर हमला करने की योजना बना रहे हैं। अत: किसी प्रतिकूल घटना को टालने के लिए पुलिस को केजरीवाल और सिसोदिया के गुजरात दौरे के दौरान अधिक सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए।

अरविन्द केजरीवाल ने शनिवार को अपने एक ट्वीट में कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य की गारंटी देने के लिए मनीष जी और मैं सोमवार को दो दिन के लिए गुजरात जा रहे हैं। हम दिल्ली की तर्ज पर गुजरात में भी अच्छे स्कूल, अच्छे अस्पताल और मौहल्ला क्लीनिक्स खोलेंगे। प्रत्येक व्यक्ति अच्छी शिक्षा और मैडीकल उपचार नि:शुल्क प्राप्त करेगा। जनता को बहुत राहत मिलेगी। हम युवाओं से भी बातचीत करेंगे।

शाहनवाज़ हुसैन मामले में सुप्रीम कोर्ट का "स्टे"

नई दिल्ली, 22 अगस्त (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री नेता सैयद शाहनवाज हुसैन पर 2018 के एक कथित बलात्कार की शिकायत पर में प्राथमिकी दर्ज करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर सोमवार को रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति यू. यू. ललित, न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने प्राथमिकी दर्ज करने के दिल्ली पुलिस को दिए गए आदेश पर रोक लगाने के साथ-साथ पीड़िता की शिकायत पर दक्षिण दिल्ली के साकेत अदालत में पूर्व केंद्रीय मंत्री हुसैन के खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही पर भी रोक लगाने का आदेश दिया।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908